हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 14 सितंबर 2025

3 करोड़ जनता के 'आरोग्य' से होगा छत्तीसगढ़ विकसित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ तीन दिवसीय आयोजन में आधुनिक दंत चिकित्सा तकनीकों पर होंगे व्याख्यान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश की 3 करोड़ जनता के आरोग्य के साथ हम विकसित छत्तीसगढ़ का सपना साकार करेंगे। पिछले 20 महीनों में प्रदेश की स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करते हुए दुर्गम अंचलों तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 'डेंटल कॉन्फ्रेंस 2025' का भव्य शुभारंभ शनिवार को हुआ। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया। उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) छत्तीसगढ़ के प्रेसिडेंट डॉ. अरविंद कुमार, पूर्व प्रेसिडेंट डॉ. राजीव सिंह, कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन डॉ. वैभव तिवारी सहित देशभर से आए सैकड़ों दंत चिकित्सक उपस्थित रहे। तीन दिवसीय इस आयोजन के दौरान स्माइल डिजाइनिंग, लेज़र डेंटिस्ट्री और अन्य आधुनिक दंत चिकित्सा तकनीकों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए जाएंगे, जो प्रतिभागियों को नवीनतम जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर दंत चिकित्सा उपकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और आईडीए की वार्षिक स्मारिका का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि मानव की मुस्कान सबसे कीमती है और उसे सुरक्षित रखने व सहेजने में दंत चिकित्सकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

खेत जाते ग्रामीण पर भालू का हमला: कांकेर। देवडोंगर में खेत में काम करने के लिए जा रहें किसान के ऊपर भालू ने हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल किसान भालू को देखकर डर गया। भालू ने अचानक हमला कर उसके पैर और गर्दन को दबा दिया। मदद के लिए किसान जोर जोर से चिल्लाने लगा। आवाज को सुनकर आसपास मौजूद लोग पहुंचे। अन्य लोगो को आता देख भालू जंगल की ओर भाग गया।

खबर संक्षेप

11 किलो गांजा जब्त तीन लोग गिरफ्तार

महासमुंद। गांजा के अवैध परिवहन के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपियों के कब्जे से 1.65 लाख रुपए का 11 किलो गांजा जब्त किया गया है। सिंघोड़ा पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि तीन व्यक्ति एक सफेद रंग के टाटा आर्या वाहन क्रमांक एमपी15 सीए 9988 मे अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर ओडिशा से छत्तीसगढ की ओर आ रहे हैं। सूचना के बाद एनएच 53 रोड ग्राम रेहटीखोल मे जाकर नाकाबंदी किया गया। कार को रोककर पूछताछ की गई।

अनियमितता उजागर विजय ट्रेडिंग कम्पनी का लाइसेंस निलंबित

दुकान संचालक कर रहा था यूरिया की कालाबाजारी, पुष्टि के बाद हुआ सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

खास खबर

जिले में व्यवसायी यूरिया की खुलेआम कालाबाजारी कर रहे है। आलम यह है कि संचालक नियमों को ताक में रखकर मोटी कमाई के लिए दो से तीन गुने कीमत पर यूरिया बेच रहे है। इस बात का खुलासा होने के बाद कृषि विभाग ने पहली बार जिले में कार्रवाई करते हुए एक दुकान के लाइसेंस को निलंबित कर दिया है इसके साथ ही गोदाम को सील कर यूरिया को जब्त किया गया है। बता दें कि खरीफ सीजन में यूरिया की किल्लत जारी है।

समितियों में समय पर यूरिया की सप्लाई नहीं की जा सकी जबकि निजी दुकानों में नियमित रूप से यूरिया की सप्लाई होती रही और इसी का फायदा उठाकर दुकान संचालक किसानों की मजबूरी का फायदा उठाते हुए 266 रुपए का यूरिया तीन से चार गुना अधिक कीमतों पर बिक्री की गई। अब कहीं जाकर कुछ समितियों में यूरिया सप्लाई होने का दावा किया जा रहा है इस बीच यूरिया की कालाबाजारी का सिलसिला भी जारी है। ऐसे में जिले में शासन के निर्देश पर संयुक्त संचालक कृषि सरगुजा संभाग यशवंत केराम, कलेक्टर एवं उपसंचालक कृषि अंबिकापुर पिताम्बर सिंह दीवान के मार्गदर्शन में जिले के निजी उर्वरक विक्रय केन्द्रों से 40 बोरी से अधिक यूरिया लेने वाले कृषकों का सत्यापन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जांच के दौरान सुमित अग्रवाल के विजय ट्रेडिंग कम्पनी की जांच की गई। उर्वरक निरीक्षक सोहन लाल भगत एवं अन्य निरीक्षकों द्वारा टॉप 20 खरीदारों के सत्यापन में यह स्पष्ट हुआ कि अम्बिकापुर स्थित मेसर्स विजय ट्रेडिंग कम्पनी द्वारा उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 सहित उर्वरक मूवमेंट नियंत्रण आदेश 1973 के प्रावधानों का उल्लंघन किया जा रहा है।

जब्ती कार्रवाई की गई

कृषकों के बयान एवं निरीक्षकों की अनुशंसा के आधार पर उपसंचालक कृषि एवं अधिसूचित प्राधिकारी (उर्वरक) पिताम्बर सिंह दीवान ने कम्पनी की खुदरा उर्वरक विक्रय अनुज्ञप्ति क्रमांक बी/आर-249, 2 मई 2022, वैधता तिथि 31 मार्च 2027 को आगामी आदेश तक निलंबित कर दिया। लाइसेंस निलंबन के बाद कृषि विभाग की टीम ने कम्पनी के दुकान एवं गोदाम में उपलब्ध सभी उर्वरकों पर विक्रय प्रतिबंध लगाते हुए जब्ती की कार्रवाई की इसके साथ ही संचालक सुमित अग्रवाल की मौजूदगी में दुकान एवं गोदाम को सील कर दिया गया। इस कार्यवाही के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी अम्ब्रोस टोप्पो, उर्वरक निरीक्षक सोहन लाल भगत, श्रीमती श्वेता पटेल एवं अजय बड़ा उपस्थित रहे।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

हिंदी हैं हम....

आक्सफोर्ड डिक्शनरी में सैकड़ों शब्द, चायवाला' और आत्मनिर्भरता' जैसे शब्दों ने जगह बनाई

2020 तक लगभग 384 भारतीय/हिंदी शब्द इसमें शामिल हो चुके हैं

वैश्विक हो रही है हमारी हिंदी

नमस्ते, चाचा, छी-छी, भिंडी, दीदी, बापू, गुरु जैसे शब्द दुनियाभर में प्रचलित

हिंदी भाषा की समृद्धि अब विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कर रही है। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी (ओईडी), जो दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित अंग्रेजी शब्दकोशों में से एक है, ने सैकड़ों हिंदी या हिंदी-उर्दू मूल के शब्दों को अपनाया है।

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

ये शब्द न केवल भारतीय संस्कृति, भोजन, जीवनशैली और दर्शन को प्रतिबिंबित करते हैं, बल्कि वैश्विक भाषा के विकास में हिंदी के योगदान को भी उजागर करते हैं। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी ओईडी के अनुसार, 2020 तक लगभग 384 भारतीय/हिंदी शब्द इसमें शामिल हो चुके हैं, और हर साल नए शब्द जोड़े जा रहे हैं। हाल के अपडेट्स में भिंडी, नमस्ते, छी-छी, बापू, गुरु और आत्मनिर्भरता' जैसे शब्दों ने जगह बनाई है, जो भारतीय नवाचार और आत्मनिर्भरता को दर्शाते हैं।

खास बात है कि ये शब्द मुख्य रूप से हिंदी, उर्दू, संस्कृत या अन्य भारतीय भाषाओं से उधार लिए गए हैं, लेकिन इनका मूल हिंदी-उर्दू रजिस्टर में है। उदाहरण के लिए, 'योग' और 'कर्मा' जैसे शब्द दर्शन से जुड़े हैं, जबकि 'चटनी', 'गुलाब जामुन' और 'चाय' भोजन और दैनिक जीवन से। ध्यान रहे कि इससे पहले 2017 में ही 70 नए भारतीय शब्द जोड़े गए थे, जिनमें 'दादागिरी', 'अच्छा' और 'बापू' शामिल हैं। ये शब्द ब्रिटिश राज के दौरान या वैश्वीकरण के माध्यम से अंग्रेजी में शामिल हुए, और अब वे वैश्विक ▶▶| शेष पेज 7 पर

भारतीय शब्द भी शामिल, आधार, चावल शादी, हड़ताल और डब्बा

'ऑक्सफोर्ड लैंग्विजेज' ने 'आत्मनिर्भरता' को हिंदी भाषा का शब्द चुना। 'ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया' की ओर से कहा गया कि कोविड-19 से प्रभावित अर्थव्यवस्था से निपटने के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' को एक हथियार के रूप में देखा गया। पिछले गणतंत्र दिवस के मौके पर राजपथ पर आत्मनिर्भर भारत अभियान से संबंधित झांकी भी निकली थी। इससे पहले 2017 में 'आधार', 2018 में 'नारी शक्ति' और 2019 में 'संविधान' को ऑक्सफोर्ड ने हिंदी भाषा का शब्द चुना था। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में पिछले कुछ वर्षों में 26 भारतीय शब्दों को जगह दी गई है। इनमें आधार, चावल, शादी, हड़ताल और डब्बा जैसे शब्द शामिल हैं। इतना ही नहीं डिक्शनरी में कुछ खास शब्दों जैसे चैटबॉट और फेक न्यूज़ को भी स्थान दिया गया है।

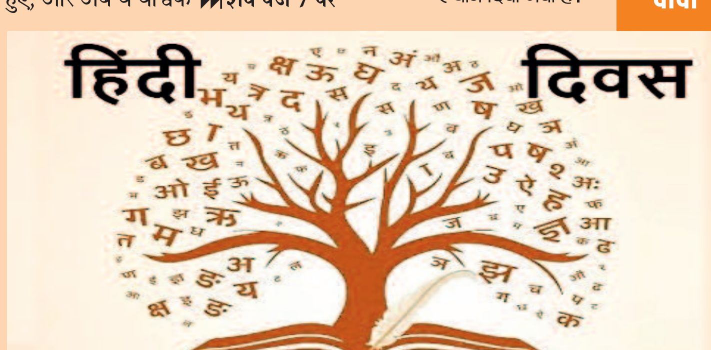

अमेरिका में | अमेरिकी गुरुकुल में संचालित किए जा रहे हैं सात वर्षीय पाठ्यक्रम

'हिंदी स्पीकिंग कोर्स'

स्कूलों में विदेशी भाषा का विकल्प बनी हिंदी

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

आपने इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स कभी किया होगा या जीवन में कभी ना कभी इसका नाम सुना होगा। जिस तरह से इंग्लिश सीखने हम कई तरह के जतन करते हैं, उसी तरह हिंदी सीखने के लिए अब विदेशी जतन कर रहे हैं। अमेरिका में हिंदी सीखने के लिए विशेष रूप से हिंदी स्पीकिंग कोर्स चलाए जा रहे हैं।

अमेरिका के सीएटेल में रहने वाली एनआरआई नमिता बताती हैं कि यहां गुरूकुल नाम से विशेष संस्था ही संचालित हो रही है। गुरुकुल में हिंदी भाषा का ज्ञान प्रदान करने के साथ ही भारतीय संस्कृति से भी छात्रों को परिचित कराया जाता है। सीएटेल, वॉशिंगटन राज्य का एक शहर है। हिंदी सीखने वालों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अब गुरुकुल की ब्रांच अन्य शहरों में भी खोले जाने की तैयारी है। ▶▶| शेष पेज 7 पर

हाईस्कूल और हायरसेकंडरी में एक विदेशी भाषा का चुनाव होता है अनिवार्य

सात साल का पाठ्यक्रम

यहां 7 सालों का पाठ्यक्रम निर्धारित होता है। अमेरिका जा बसे भारतीयों के छात्र तो यहां आकर हिंदी सीखते ही हैं, अमेरिकी विद्यार्थी भी पूरे लगन से यहां हिंदी भाषा का ज्ञान अर्जित कर रहे हैं। हालांकि उनकी संख्या अपेक्षाकृत कम है, लेकिन धीरे-धीरे इसमें वृद्धि हो रही है। नमस्ते, जैसे इस तरह के कई शब्द हैं जो अमेरिकी आसानी से समझ जाते हैं।

ऑनलाइन कक्षाएं भी

भारत से अमेरिका जा बसी नेहा तिवारी बताती हैं कि वहां हिंदी की ऑनलाइन कक्षाएं संचालित हो रही हैं। इसके लिए हिंदी लर्निंग अकेडमी बनाई गई है। यह हिंदी भाषा अकादमी बच्चों और युवाओं को वास्तविक जीवन के परिदृश्यों के माध्यम से हिंदी सीखाती है। प्रोजेक्ट और रोजमर्रा की गतिविधियों पर आधारित कई तरह के कार्य उन्हें दिए जाते हैं, जिससे वे हिंदी ▶▶| शेष पेज 7 पर

प्रवासी भारतीयों ने बढ़ाई हिंदी की ताकत दुनियाभर में प्रचलित हो रही है हिंदी

दुनिया के 50 से अधिक ऐसे देश जहां हिंदी थोड़ी या बहुत प्रचलित है

हिंदी यहाँ की प्रमुख भाषा लगभग 60 करोड़ लोग बोलते हैं

यूं हिंदी भारत की अधिकारिक भाषा है। लेकिन प्रवासी भारतीयों, हिंदी फिल्मों और कारोबारी रिश्तों के चलते दुनिया के 50 से अधिक देश ऐसे हैं जहां हिंदी बोलकर काम चलाया जा सकता है।भारत के पड़ोसी देश नेपाल, भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश तो हैं ही, संयुक्त राज्य अमीरात के सभी देशों में हिंदी सामान्य बोलचाल की भाषा बन गई है। दुबई में बड़ी संख्या में भारतीय कार्यरत हैं। दुबई के किसी भी हिस्से में हिंदी बोलकर संवाद किया जा सकता है। इसी तरह श्रीलंका, खासकर कोलंबों में हिंदी के शब्द वहां लोग समझते हैं और जवाब देते हैं। मालदीव में भारतीय कामगारों और पर्यटन की वजह से हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ी है। वहां स्थानीय नागरिक हिंदी समझ और थोड़े बहुत शब्द बोल लेते हैं। अफगानिस्तान में बॉलीवुड का प्रभाव बहुत है। वहां हिंदी फिल्मों के चलते सामान्य बोलचाल में हिंदी समझ और बोली जाती है। मॉरीशस, उत्तरी अमेरिका, कनाड़ा, त्रिनिनाद जैसे देशों में हिंदी की स्वीकार्यता है।

इन देशों में हिंदी का चलन

- नेपाल (व्यापक समझ, खासकर सीमावर्ती और पर्यटन क्षेत्रों में), भूटान (सीमा और बाजार इलाके, बांग्लादेश (सीमा और शहरी इलाक़ों में लोग
- पाकिस्तान (उर्दू-हिंदी परस्पर समझ)
- श्रीलंका (भारतीय प्रवासी समुदाय, खासकर कोलंबो)
- मालदीव (भारतीय कामगारों और टूरिज्म क्षेत्र में
- संयुक्त अरब अमीरात
- सऊदी अरब
- कतर, कुवैत, ओमान, बहरीन, इजरायल (भारतीय यहूदी और कामगार समुदाय
- अफगानिस्तान, (बॉलीवुड प्रभाव, पुराना संपर्क)
- ईरान (कुछ समझ, प्रवासी भारतीयों से) रूस (फ़िल्मों और गानों से लोकप्रियता)
- कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिजस्तान

▶▶| शेष पेज 7 पर

आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹80011/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹97720/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹106670/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
aNaND Jewels
Pandri, Raipur

वालकिंस गंगा
USFDA स्वीकृत अत्याधुनिक उपचार
एक्ने स्कार्स परमानेंट रिमूवल
परामर्श सिर्फ 199/-
डॉ. सुकृति अरोरा
एम.डी. गोल्ड मेडलिस्ट
शंकर नगर, रायपुर
9238709001

स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री के साथ प्रदान पीएच.डी. प्रोग्राम भी उपलब्ध

विश्व के 95 देशों के 600 विश्वविद्यालयों शैक्षणिक संस्थाओं में हिंदी दिखा रही दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

एक भाषा के रूप में हिन्दी न सिर्फ भारत की पहचान है, बल्कि बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ-साथ विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा भी है, जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। हिन्दी भाषा को विदेशों में बड़े पैमाने पर अपनाया गया है। हिन्दी का शिक्षण एवं प्रशिक्षण विश्व के लगभग 95 देशों के 200 विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थाओं में चल रहा है। कई विदेशी विश्वविद्यालय हिंदी में स्नातक (बैचलर) और स्नातकोत्तर (मास्टर) डिग्री प्रदान करते हैं। ▶▶| शेष पेज 7 पर

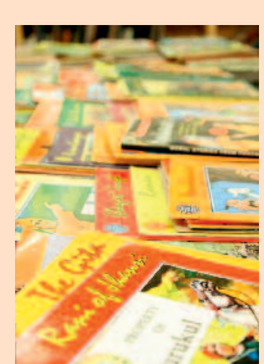

इन विश्वविद्यालयों हो रही पढ़ाई

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी- यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड में हिन्दी पढ़ाई जाती है। हंगरी के रहने वाले प्रोफेसर इमरै बंघा ऑक्सफोर्ड में छात्रों को हिन्दी सिखाते हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी इंग्लैंड के ऑक्सफोर्ड में स्थित है। यह एक कॉलेजिएट शोध विश्वविद्यालय है।

कैंब्रिज विश्वविद्यालय- कैंब्रिज विश्वविद्यालय में भी हिन्दी पढ़ाई जाती है। हिन्दी साहित्य के इतिहासकार व्याकरण के विद्वान रोनाल्ड स्टुअर्ट मेक्ग्रेगॉर हिन्दी पढ़ाते हैं। इंग्लैंड के कैमब्रिज शहर में स्थित यह विश्वविद्यालय शिक्षा, संस्कृति, इतिहास और प्रौद्योगिकी का केंद्र है। इस समय इसके साथ 31 कॉलेज, 100 विभाग, फैकल्टी, सिंडिकेट और 6 स्कूल हैं।

लंदन विश्वविद्यालय- यहां पर स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज, कल्चर्स एंड लिंग्विस्टिक के तहत हिंदी में ग्रेजुएट तथा पोस्टग्रेजुएट दोनों स्तर के कोर्सेज चलाए जा रहे हैं। इन कोर्सेज में हिंदी, संस्कृत तथा उर्दू भाषा को सम्मिलित किया गया है। पोस्टग्रेजुएट कोर्स (एमए) ▶▶| शेष पेज 7 पर

इस तरह के कोर्स चलाए जा रहे

- अमेरिका के 32 विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में होती है हिंदी की पढ़ाई
- लंदन यूनिवर्सिटी, कैंब्रिज और यॉर्क यूनिवर्सिटी में विद्यार्थी पढ़ रहे हिंदी
- जर्मनी के 15 शिक्षण संस्थानों ने हिंदी भाषा और साहित्य के अध्ययन को अपनाया है
- अमेरिका के येल विश्वविद्यालय में 1815 से ही हिंदी पढ़ाई जा रही है
- 'लैंग्वेज यूज इन यूनाइटेड स्टेट्स-2011' की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में बोली जानेवाली शीर्ष ▶▶| शेष पेज 7 पर

एक करोड़ की ईनामी सुजाता ने किया समर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी मेंबर व दंडकारण्य विशेष जोनल समिति के दक्षिण उप जोनल ब्यूरो की प्रभारी सुजाता उर्फ कल्पना ने शनिवार को तेलगांना स्टेट के डीजीपी के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गई। एक करोड़ की ईनामी सुजाता पर छग में 40 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। उसके पति नक्सली कमांडर किशनजी की पश्चिम बंगाल में हुए मुठभेड़ में मौत के बाद वह संगठन में और दण्डकारण्य क्षेत्र में अधिक सक्रिय हो गई थी। उसके खिलाफ बस्तर संभाग के अलग अलग जिले में 72 से अधिक मामले दर्ज हैं तथा बस्तर में हुए कई बड़ी घटनाओं की वह मास्टर माइंड थी। बस्तर में हुए इन घटनाओं में 230 से अधिक जवानों की शहादत के अलावा कई निर्दोष लोगों के मौत का भी उसे जिम्मेदार माना जाता है। केंद्रीय समिति मेंबर ▶▶| शेष पेज 7 पर

- छत्तीसगढ़ में था 40 लाख का ईनाम घोषित
- बस्तर के थानों में 72 मामले थे दर्ज, 230 जवानों के मौत की जिम्मेदार
- सीसी मेंबर सुजाता उर्फ कल्पना दंडकारण्य विशेष जोनल समिति के दक्षिण उप जोनल ब्यूरो की थी प्रभारी

बस्तर में कई घटनाओं की सुजाता मास्टरमाइंड

तेलगांना में सीसी मेंबर सुजाता के समर्पण को नक्सल संगठन के लिए जहां बड़ा नुकसान माना जा रहा है। वहीं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के सफाए के एलान के बाद इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है। दण्डकारण्य विशेष जोनल समिति के दक्षिण उप जोनल ब्यूरो प्रभारी सुजाता को बस्तर के कई बड़ी नक्सल हमलों का मास्टर माइंड माना जाता है। इन वारदातों में वर्ष 2007 में एराबोर सुकमा में सीआरपीएफ व पुलिस बल पर हुए हमले में 23 जवान शहीद, वर्ष 2010 में ताड़मेटला ▶▶| शेष पेज 7 पर

दो मुठभेड़ में मारे गए 24 लाख रुपए के ईनामी तीन नक्सली

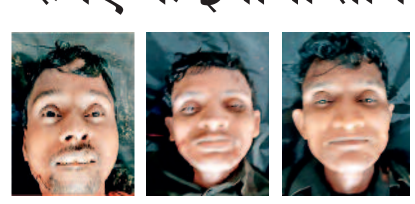

बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र में नक्सलियों के साथ हुए दो अलग मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 3 नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए नक्सलियों की शिनाख्त हिड़मा पोडियम, मुन्ना मड़कम व अरूण मड़काम के रूप में हुई है जिन पर 8-8 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। मारे गए तीनों नक्सली पीपीसीएम कैडर कंपनी नम्बर दो, पीएलजीए कम्पनी नम्बर दो व प्लाटून ▶▶| शेष पेज 7 पर

मिले हथियार व अन्य सामान

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से मारे गए माओवादियों के शव के अलावा 303 रायफल, मैग्जीन, जिंदा राउण्ड, 12 बोर बंदूक, बीजीएल लांचर व जिंदा राउण्ड के अलावा बैटरी, कार्डेक्स वायर, स्केनर सेट, माओवादी साहित्य ▶▶| शेष पेज 7 पर

चार संदिग्धों को पुलिस हिरासत में लेकर कर रही पूछताछ

सोशल मीडिया में सामाजिक, धार्मिक के साथ राजनीतिक संगठनों ने जताया विरोध

रायपुर में न्यूड पार्टी...प्रदेशभर में हंगामा पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

इंस्टाग्राम के माध्यम से राजधानी में न्यूड पार्टी आयोजन होने का पोस्टर जारी होने पर बवाल मच गया है। न्यूड पार्टी आयोजित करने पोस्टर जारी करने वालों की पहचान करने पुलिस शनिवार को पूरे दिन परेशान होती रही। इंस्टाग्राम में जिस आईडी से पोस्ट किया गया था, आईडी की पहचान कर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। चार संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है, पुलिस जिन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है, उनके द्वारा न्यूड की जगह पूल पार्टी आयोजित किए जाने की बात सामने आई है। इस लिहाज से न्यूड पार्टी को लेकर पोस्टर जारी करने वालों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। पोस्टर जारी होने पर हिंदू संगठनों के साथ ही ▶▶| शेष पेज 7 पर

आयोजन को लेकर विरोध

कांग्रेस नेता कन्हैया अग्रवाल ने ऐसे आयोजनों का खुलकर विरोध किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया में पोस्ट कर लिखा- "इन आयोजनों को किसका संरक्षण है...? शराब, ड्रग्स परोसने के बाद अब नग्नता परोसने की बारी... 21 सितम्बर का ये आयोजन रायपुर में नहीं होने देंगे। अपने शहर को दागदार नहीं होने देंगे।" बजरंग दल के नेता योगेश सैनी ने ऐसे आयोजनों को लेकर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि धर्म संस्कृति की रक्षा करने हाथ जोड़कर समझाने का काम बहुत हो गया। ऐसे लोगों को योगेश सैनी ने सख्ती से ▶▶| शेष पेज 7 पर

सख्ती से निपटने की चेतावनी

न्यूड पार्टी को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि अभी मुझे इसकी जानकारी नहीं है, लेकिन अगर कोई ऐसा करने का प्रयास करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा- इस बात की चिंता है कि आज की युवा पीढ़ी क्यों नहीं समझ पा रही है। हमारा देश संतों का देश है, धरती को माता कहते हैं। यहां गंगा-यमुना जैसी पावन नदियां बहती हैं। ऐसे में इस प्रकार का आयोजन नहीं होना चाहिए।

पहली बार साधु-संन्यासियों के साथ होंगे 3 शाही स्नान

हरिद्वार अर्धकुंभ 2027 की तारीखों का ऐलान

एजेंसी ▶▶| हरिद्वार

उत्तराखंड के हरिद्वार में साल 2027 में लगने वाले अर्धकुंभ की तारीखों का ऐलान हो गया है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने पुष्कर धामी सरकार का प्रस्ताव मंजूर करके अपनी मुहर लगा दी है और साथ ही शाही स्नान की तारीखें भी तय कर दी हैं।

हालांकि उत्तराखंड सरकार आधिकारिक रूप से तारीखों का ऐलान कुछ समय बाद करेगी और फिर अपनी तरफ से अर्ध कुंभ की तैयारियां शुरू करेगी, लेकिन अखाड़ा परिषद तैयारी शुरू कर चुकी हैं।

इन तारीखों को होंगे 3 शाही स्नान

बता दें कि इस बार हरिद्वार में लगने वाले अर्धकुंभ 2027 में एक पुरानी परंपरा में बदलाव देखने को मिलेगा कि इस बार साधु-संन्यासियों, वैरागियों और अखाड़ों के साथ 3 शाही स्नान होंगे। पहला शाही स्नान 6 मार्च 2027 को महाशिवरात्रि के पर्व पर होगा। दूसरा शाही स्नान 8 मार्च 2027 को सोमवती अमावस्या के दिन होगा। तीसरा शाही स्नान 14 अप्रैल 2027 को वैशाखी पर होगा। वैशाखी के दिन मेष संक्रांति होगी और इस दिन होने वाला सबसे पवित्र और अमृत स्नान होगा।

अर्धकुंभ के लिए सृजित होंगे 82 पद

हरिद्वार में लगने वाले अर्धकुंभ 2027 के लिए 82 नए पद सृजित होंगे। पुष्कर धामी कैबिनेट ने जुलाई 2024 में प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिनकी तैनाती अर्धकुंभ मेला अधिष्ठान में होगी। कुंभ और अर्द्धकुंभ के लिए 2 साल पहले ही मेला अधिष्ठान गठित कर दिया जाता है, जिसका काम तैयारियों को अलमीजामा पहनाना होता है। 82 नए पदों में से 9 पदों पर स्थायी, 44 पदों पर अस्थायी और 29 पदों पर आउटसोर्स रिक्रूटमेंट होगी। स्थायी और अस्थायी पदों पर राजस्व, लोनिवि, सिंचाई, पेयजल, शहरी विकास, वित्त, लेखा समेत अन्य विभागों से अधिकारी और कर्मचारी भेजे जाएंगे। आउटसोर्स पर ठेकेदार आदि भर्ती होंगे।

देशभर के अखाड़ा परिषद, साधु-संत और श्रद्धालु आते हैं शाही स्नान करने

महाशिवरात्रि के पर्व पर होगा पहला शाही स्नान

नहीं होते स्थापित संन्यासी अखाड़े

जिस साल उज्जैन में मई-जून में सिंहस्थ पर्व और हरिद्वार अर्द्धकुंभ एक ही वर्ष में आते हैं तो ऊहापोह बढ़ता है। यही वजह रही कि हरिद्वार अर्द्धकुंभ में संन्यासी अखाड़े स्थापित नहीं होते। नगर और छावनी यानी शिविर प्रवेश का पारंपरिक आयोजन नहीं होता था। लेकिन अब हरिद्वार एक नई परंपरा की शुरुआत का गवाह बनेगा।

प्रयागराज, हरिद्वार में है परंपरा

अर्धकुंभ की परंपरा सिर्फ प्रयागराज और हरिद्वार में ही है। उसमें भी प्रयागराज में अर्धकुंभ पर्व की भव्यता कुंभ और पूर्णकुंभ की तरह ही होती है। लेकिन अब तक हरिद्वार में अर्धकुंभ का आयोजन सिर्फ श्रद्धालु जनता के स्नान पर्व तक ही सीमित रहा. क्योंकि हरिद्वार में जिस साल अर्द्धकुंभ का योग बनता है, उसी साल तिथि या संवत के अंतर से त्र्यंबकेश्वर नासिक या उज्जैन में सिंहस्थ पर्व होता है। साधु संन्यासी अखाड़े वहां प्रस्थान कर जाते हैं। लेकिन इस बार सिंहस्थ 2027 त्र्यंबकेश्वर नासिक में जुलाई- अगस्त में होगा, जबकि हरिद्वार में मार्च-अप्रैल में होनगा। इस वजह से भी आयोजन में अखाड़ा परिषद को आसानी होगी।

सदियों पुरानी अर्धकुंभ की परंपरा

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और निरंजनी अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने कहा कि कुंभ और अर्धकुंभ की परंपरा सदियों पुरानी है। प्रयागराज और हरिद्वार में कुंभ और अर्धकुंभ की परंपरा रही है, जिसमें स्नान करके श्रद्धालु पुण्य कमाते हैं और मोक्ष की कामना करते हैं। इस साल अर्धकुंभ का योग बन रहा है, उसी साल त्र्यंबकेश्वर नासिक या उज्जैन में सिंहस्थ पर्व का योग भी बनता है, जो इस बार नासिक में है और जुलाई-अगस्त 2027 में होगा।

खबर संक्षेप

भूपेन हजारिका के गीत भारत को एकजुट करते हैं : प्रधानमंत्री मोदी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 'भारत रत्न' से अलंकृत भूपेन हजारिका के गीत आज भी भारत को एकजुट करते हैं और लोगों में ऊर्जा का संचार करते हैं। हजारिका के जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उनका संगीत 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा को समाहित करता है। उन्होंने कहा, "आज भूपेन दा भले ही शारीरिक रूप से मौजूद नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज लोगों को ऊर्जा देती है। उनके गीत भारत को एकता के सूत्र में पिरोते हैं।

रूस में 7.1 तीव्रता के भूकंप के भयंकर झटके

मास्को। रूस के कामचटका इलाके में भूकंप के तेज झटके महसूस हुए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.1 रही है। भूकंप के बाद पैसिफिक सुनामी वार्निंग सिस्टम ने संभावित सुनामी की बात कही है और इसे पूरे क्षेत्र के लिए बड़ा खतरा बता दिया है। अब यह कोई पहली बार नहीं है जब रूस के कामचटका द्वीप में भूकंप के तेज झटके महसूस किएग गए हों, पहले भी शक्तिशाली भूकंप आ चुके हैं।

विपक्ष ने विरोध में पुतले फूंके, शहीद परिजनों ने कहा- बॉयकॉट करने

'ख़ून और मैच एक साथ नहीं चलेगा' भारत-पाक मैच को लेकर घमासान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई में होने वाले एशिया कप मैच का देशभर में विरोध हो रहा है, सियासी घमासान मचा हुआ है। पहलगाम हमले के शहीद परिजनों, आम लोगों सहित कई विपक्षी पार्टियों ने इस मुकाबले के बॉयकॉट का आह्वान किया है। यह मैच एशिया कप का मैच रविवार 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होने जा रहा है।

एक साल बाद दोनों मुल्क आमने-सामने क्रिकेट के ग्राउंड पर भिड़ने वाले हैं। बता दें, पाकिस्तान के आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम घाटी में 26 निर्दोष लोगों की हत्या की थी। इसी के चलते पहलगाम हमले में शहीद शुभम द्विवेदी की पत्नी सहित विपक्षी दलों का कहना है कि पाकिस्तान के साथ मैच खेलना शहीदों का अपमान करना है। शिवसेना (उद्धव सेना), आप जैसी पार्टियों ने इसके खिलाफ प्रदर्शन भी किया है।

आप ने जलाया पुतला

भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच के विरोध में आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में पुतला दहन किया। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पुतला को आग लगाई गई। इस दौरान आप के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज भी मौजूद थे। साथ ही अन्य कार्यकर्ताओं ने नारा लगाया, 'ख़ून और मैच एक साथ नहीं चलेगा।'

पहलगाम हमले के शहीद-परिजन भड़के कहा- सरकार गलत कर रही

पंजाब सीएम ने साधा निशाना

भारत-पाक मैच को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, 'जब दिलजीत दोसांझ की फिल्म आती है तो वे कहते हैं कि ये गद्दार है इसे रोको. लेकिन बड़े साहेब का बेटा आईसीसी और बीसीसीआई को देख रहा है तो सब कुछ सही हो गया।'

देशभक्ति का मजाक बना रहे : उद्धव

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत पाक मैच को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा, 'ऐसा क्या हुआ, जिस पाकिस्तान के साथ हम युद्ध लड़ रहे थे उनके साथ मैच खेलने वाले हैं। मुझे लगता है कि ये लोग देशभक्ति का मजाक बना रहे हैं। सिर्फ मजाक ही नहीं बना रहे बल्कि देशभक्ति का व्यापार कर रहे हैं। उनके लिए देशहित से ज्यादा व्यापार जरूरी है।

यह है बीसीसीआई का तर्क

भारत और पाकिस्तान के मैच को लेकर बीसीसीआई के सचिव ने हाल में ही कहा था कि बोर्ड पूरी तरह से केंद्र सरकार के निर्देशों का पालन करती है। सरकार की स्पष्ट नीति है भारत पाकिस्तान के साथ आईसीसी के टूर्नामेंट्स में साथ खेल सकता है। लेकिन पाकिस्तान के साथ कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेगा।

'भारत-पाक मैच का बायकॉट कीजिए, टीवी मत ऑन करिए'

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिवार ने भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच का विरोध किया है। शुभम की पत्नी ऐशान्या द्विवेदी, उनके पिता संजय द्विवेदी और पूरा परिवार बीसीसीआई के इस फैसले से काफी नाराज है। ऐशान्या ने कहा, "मैं इसे समझ नहीं पा रही हूं। मैं लोगों से इसका बहिष्कार करने का आग्रह करती हूं। इसे देखने न जाएं और इसके लिए अपना टीवी भी न चलाएं।'

सरकार ने कहा था नहीं रखेंगे संबंध : शुभम के पिता

दिवंगत शुभम के पिता संजय द्विवेदी ने कहा, '22 अप्रैल 2025 को पाकिस्तान ने हमारे देश के 26 निर्दोष लोगों को मरवा दिया। भारत सरकार ने कहा था कि वह पाकिस्तान के साथ कोई संबंध नहीं रखेगी। सिर्फ मैं ही नहीं बल्कि पूरा देश इसका विरोध कर रहा है और कह रहा है कि पाकिस्तान के साथ कोई संबंध, राजनीतिक या खेल के मैदान में नहीं होना चाहिए।

'भारत पर 50% टैरिफ लगाना आसान नहीं था'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

टैरिफ पर राष्ट्रपति ट्रंप का नया फ़साना...

तो क्या आखिरकार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत पर लगाए गए सर्वाधिक 50 फीसदी टैरिफ को लेकर अपनी गलती मान ली है? क्या उनके इस फैसले से भारत और अमेरिका के संबंधों में फूट पड़ी है? क्या यूक्रेन युद्ध पूरी तरह से यूरोप की ही समस्या है? वर्तमान समय में ये वो तमाम जरूरी सवाल हैं।

जिनका जवाब किसी और ने नहीं बल्कि खुद ट्रंप ने अपने एक ताजा बयान के जरिए दिया है। सबसे पहले उन्होंने इस तथ्य को स्वीकार किया कि भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने का निर्णय आसान नहीं बहुत मुश्किल था। यह एक बड़ी बात है और उनके इस फैसले से भारत और अमेरिका के संबंधों में दरार आई है। 'फॉक्स एंड फ्रेंड्स' नामक एक अमेरिकी टॉक शो के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने यह जानकारी दी है। वहीं, जानकारों की राय में ट्रंप के इस बयान पर अभी पूरी तरह से आंख मूंदकर भरोसा नहीं किया जा सकता है।

भारत पर 27 अगस्त से लागू है टैरिफ

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति का यह बयान बीते दिनों उनके द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताने और भारत के साथ व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत की फिर से शुरुआत करने की इच्छा जताने के तुरंत बाद दिया गया है। भारत पर अमेरिका ने जो 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। उसका 25 फीसदी भाग रूस से जारी तेल की खरीद को लेकर लगाए गए दंडात्मक टैरिफ से जुड़ा हुआ है। पिछले महीने 27 अगस्त से भारत से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले सभी सामान पर समूचा 50 फीसदी टैरिफ लागू हो गया है।

अमेरिका का बड़ा ग्राहक है हिन्दुस्तान

अमेरिका के राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि नई दिल्ली अमेरिका का एक बड़ा व्यापारिक साझेदार व ग्राहक है। इसके बावजूद मुझे भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना पड़ा। क्योंकि वो लगातार रूस से तेल की खरीद कर रहे थे और उन्हें रोकने के लिए मुझे ऐसा करना पड़ा। टैरिफ के मेरे इस निर्णय से हमारे भारत के साथ संबंधों में तनाव के साथ ही दरार आई है।

यूरोप पर फोड़ा युद्ध का ठीकरा

यूक्रेन में चल रहा युद्ध संयुक्त राज्य अमेरिका की नहीं या हमसे कहीं अधिक यूरोप की समस्या है। इसलिए उन्हें आगे आना होगा। रूस और उनके राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को रोकने के लिए मैंने बहुत कुछ किया है और अब यूरोप जिसकी यह असल समस्या है।

ब्रिटेन में नस्लीय हमला

'अपने देश वापस जाओ' सिख महिला से दुष्कर्म-मारपीट'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

इंग्लैंड के ओल्डबरी इलाके में कुछ दिन पहले ब्रिटिश मूल की एक सिख महिला के साथ बलात्कार किया गया और मारपीट भी हुई। महिला की उम्र 20 साल के आसपास है। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस के मुताबिक, यह घटना नस्लीय हमला है। इस घटना से सिख समुदाय में जबरदस्त गुस्सा है और उन्होंने घटना की कड़ी निंदा की है।

पुलिस ने आरोपियों का पता लगाने के लिए उनकी जानकारी आम लोगों के बीच में शेयर की है। इस घटना में शामिल एक आरोपी की उम्र लगभग 30 साल है। पुलिस ने बताया है कि उसका सिर मुंडा हुआ है और उसने काला ट्रैकसूट और काले दस्ताने पहने हैं। दूसरे आरोपी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिली है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और उसने लोगों से अपील की है कि वह इस मामले में पुलिस का सहयोग करे। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

सरकार और नेताओं पर उठाया सवाल

सिख फेडरेशन ने बताया है कि पीड़ित महिला के साथ दुष्कर्म की घटना 9 सितंबर को एक पार्क में सुबह 8:30 बजे हुई है। सिख फेडरेशन ने इस मामले में सरकार और नेताओं पर सवाल उठाया है और कहा है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए सबसे सख्त कदम उठाए जाने जरूरी है। कई संगठनों ने इसे नस्लवाद, स्त्री विरोधी और हिंसा का मामला बताया है। ब्रिटेन में दक्षिण एशियाई समुदायों विशेषकर सिख टैक्सी ड्राइवरों पर हमले की कई खबरें सामने आ चुकी हैं।

हमलावरों ने दीं नस्लवादी गालियां

पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने न केवल महिला के साथ बलात्कार किया और उसे पीटा बल्कि नस्लवादी गालियां भी दीं। हमलावरों ने 'तुम इस देश की नहीं हो, यहां से चली जाओ' और 'अपने देश वापस जाओ' भी कहा। इस वजह से पुलिस ने इस अपराध को नस्लीय रूप से गंभीर अपराध की श्रेणी में रखा है।

लंदन में बड़ा एंटी-इमिग्रेशन प्रदर्शन, पुलिसकर्मियों पर हमला

एजेंसी ▶▶| लंदन

लंदन, ब्रिटेन के सेंट्रल इलाके में शनिवार को ब्रिटेन के हाल के इतिहास का सबसे बड़े दक्षिणपंथी प्रदर्शन देखने को मिला।

करीब 1 लाख से ज्यादा प्रदर्शनकारी एंटी-इमिग्रेशन यानी प्रवासन विरोधी एक्टिविस्ट टॉमी रॉबिन्सन के नेतृत्व में मार्च करते हुए एकजुट हुए। पुलिस ने बताया कि इस दौरान कई पुलिस अधिकारियों पर हमला भी किया गया। ये विरोध प्रदर्शन 'यूनाइट द किंगडम' मार्च के नाम से आयोजित किया गया था, जिसमें लगभग 1 लाख 10 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। रॉबिन्सन की रैली 'स्टैंड अप टू रेसिज्म' (नस्लवाद के ख़िलाफ़ खड़े हों) विरोध प्रदर्शन के साथ हुई, जिसमें लगभग 5000 लोग शामिल हुए।

कई अधिकारी हमले का शिकार

पुलिस ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कई अधिकारी हमले का शिकार हुए। इसके जवाब में, अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए गए। सुरक्षा उपकरण पहने अधिकारी और घुड़सवार पुलिस की मदद से व्यवस्था को नियंत्रित किया गया। ये मार्च ब्रिटेन में प्रवासियों के होटलों के बाहर विरोध प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ, इसमें शामिल लोगों ने यूनियन जैक और लाल-सफेद सेंट जॉर्ज क्रॉस झंडे लहराए. कुछ लोगों ने अमेरिकी और इज़राइली झंडे भी दिखाए।

यूएन में ऐतिहासिक फैसला, प्रस्ताव को 142 देशों ने दिया समर्थन

फिलिस्तीन बने अलग देश भारत ने किया पक्ष में वोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र में शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसला हुआ, जहां भारत समेत 142 देशों ने फिलिस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र के तौर पर मान्यता देने और इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष को खत्म करने के लिए दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन किया।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'न्यूयॉर्क डिक्लेरेशन' को मंजूरी दी गई, जो इस दशकों पुराने विवाद को हल करने के लिए चरणबद्ध योजना पेश करता है। इस प्रस्ताव के पक्ष में 142 वोट पड़े, जबकि 10 देशों ने इसका विरोध किया और 12 ने वोटिंग से दूरी बनाई। फिलिस्तीनी राजदूत रियाद मंसूर ने इस समर्थन को 'शांति की उम्मीद' करार दिया। उन्होंने कहा, 'यह प्रस्ताव पूरी दुनिया की उस ख्वाहिश को दर्शाता है, जो शांति के रास्ते को खोलना चाहती है।' फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक्स पर एक पोस्ट में करते हुए लिखा 'आज, फ्रांस और सऊदी अरब के प्रोत्साहन से, 142 देशों ने द्वि-राज्य समाधान के कार्यान्वयन पर न्यूयॉर्क घोषणापत्र को अपनाया है। हम सब मिलकर मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक अपरिवर्तनीय मार्ग तैयार कर रहे हैं।'

इजरायल अमेरिका ने किया विरोध

दूसरी ओर, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने वेस्ट बैंक में बस्तियां बढ़ाने के एक समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए कहा, 'यहां कोई फिलिस्तीनी राष्ट्र नहीं होगा। यह जमीन हमारी है।' अमेरिकी मिशन की काउंसलर मॉर्गन ऑरटागस ने इसे 'गलत समय पर किया गया प्रचार स्टंट' बताया और कहा, 'यह प्रस्ताव हमास को तोहफा है।'

सरकारी ठेकों में घूसखोरी रोकने के लिए की गई अभिनव पहल

दुनिया में पहली बार... अल्बानिया में बनी एआई मंत्री

एजेंसी ▶▶| तिराना

करप्शन के कारण दुनियाभर की सरकारें परेशान हैं। अब करप्शन रोकने के लिए सरकार में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) को शामिल किया जा रहा है। अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा ने हाल ही में चौथी बार चुनाव जीतने के कुछ महीनों बाद डिएला को अपने कैबिनेट में शामिल किया है। इस 'मंत्री' को न तो रिश्वत दी जा सकती है और न ही इस पर किसी तरह की धमकी का असर होगा। सरकार यह देखना चाहती है कि एआई की मदद से किस हद तक पारदर्शिता लाई जा सकती है।

इस मंत्री का नाम है डिएला, यह मेरिट के आधार पर लेगी निर्णय

यह काम करेगा एआई 'मंत्री'

अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा ने इस एआई बॉट को यह कहकर पेश किया कि यह पहला ऐसा कैबिनेट मंत्री है, जो फिजिकली मौजूद नहीं है। यह नई गवर्नेंस की दिशा में एक सांकेतिक कदम है। बता दें कि यह बॉट डेटा एनालाइज करने के साथ-साथ नियमों का भी पालन करेगा और मेरिट के आधार पर अपने निर्णय लेगा। इस पर निजी रिश्तों, धमकी, दबाव या लालच जैसी चीजों का असर नहीं होगा। इसका काम सरकारी ठेकों में पारदर्शिता को सुनिश्चित करना है। अल्बानिया में आमतौर पर सरकारी ठेकों में भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहते हैं और इसे लेकर लगातार विवाद भी रहता है।

डिएला का हुआ है प्रमोशन!

डिएला एक दम नई चीज नहीं है। दरअसल, इस बॉट का इस्तेमाल सरकारी डॉक्यूमेंट बनाने में नागरिकों की मदद करने के लिए हो रहा था। अब उसे नई और बड़ी भूमिका दी गई है, जिस पर अल्बानिया के लोगों के साथ-साथ दुनियाभर की नजरें टिकी हुई हैं।

10 लाख लोगों की मदद कर चुकीं डिएला

अल्बानियाई भाषा में डिएला नाम का मतलब 'धूप' या 'सूरज' होता है। डिएला इससे पहले भी अल्बानिया में काम कर चुकी है। वह एक एआई-आधारित वर्चुअल असिस्टेंट थी, जो नागरिकों को सरकारी दस्तावेज पाने में मदद करती थी। यानी कि अल्बानियाई नागरिक पहले से ही डिएला से परिचित हैं। रामा का दावा है कि डिएला ने ई-अल्बानिया प्लेटफॉर्म पर दस लाख से ज्यादा लोगों की मदद की।

यह कहते हैं टेक्निकल एक्सपर्ट

भ्रष्टाचार-विरोधी एक्सपर्ट्स भी मानते हैं कि एआई से फायदा हो सकता है। किंग्स कॉलेज लंदन के डॉ. एंडी होक्सहाज का कहना है कि अगर एआई सही तरह से प्रोग्राम किया जाए, तो यह आसानी से बता सकता है कि कम्पनी ने जो दावें किए थे उसे पूरा किया या नहीं।

'सुप्रीम कोर्ट हमें नहीं दे सकता एसआईआर कराने का निर्देश'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर मामले में निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में जवाबी हलफनामा दाखिल किया है।

आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से देशभर में संसदीय, विधानसभा या स्थानीय निकाय चुनावों से पहले समयबद्ध तरीके से एसआईआर कराने के निर्देश वाली जनहित याचिका खारिज करने का आग्रह किया है। अपने हलफनामे में चुनाव आयोग ने कहा कि देशभर में चरणबद्ध तरीके से एसआईआर कराने का निर्णय करना निर्वाचन आयोग का संविधान प्रदत्त विशेषाधिकार है। लिहाजा अदालतें इस तरीके से एसआईआर का निर्देश नहीं दे सकतीं. अगर अदालत ऐसा निर्देश देती है तो ये निर्वाचन आयोग के संवैधानिक क्षेत्राधिकार में अतिक्रमण के समान होगा। निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से वकील अश्विनी उपाध्याय की याचिका को सिरे से खारिज करने का आग्रह किया है।

याचिका में यह है मांग

दरअसल सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले 'मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण' यानी एसआईआर का निर्देश देने की मांग की गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल भारतीय नागरिक ही राजनीति और देश की नीति तय करें, न कि अवैध विदेशी घुसपैठिए।

रायपुर

रविवार, 14 सितंबर 2025

आश्विन कृष्ण पक्ष अष्टमी

वर्ष : 24, अंक : 59

पृष्ठ : 14+8 = 22 मूल्य : 5.00**

मौसम

अधि. 33.5

न्यून. 25.0

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

06 इन फिल्मों से मचाएंगी धमाल

आजकल पेज

02 नेपाल में युवा विद्रोह की जड़ें कहां

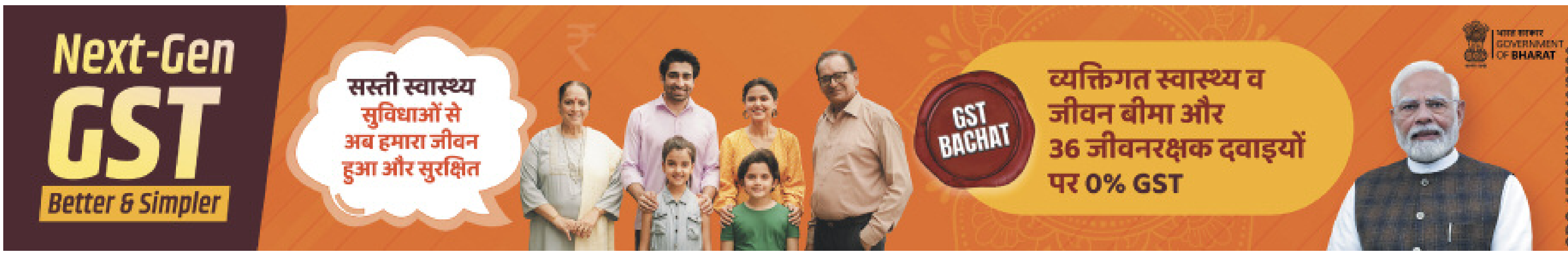

मुख्यमंत्री की फटकार के बाद हरकत में सिस्टम... लाल फीताशाही में कैद जल योजना, 44 साल से अधूरी, अब थोड़ी हलचल

हसन खान ⏭ मैनपुर

हरिभूमि लाइव

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बीते दिनों जल संसाधन विभाग की बैठक में अफसरों पर भड़क गए थे। उन्होंने समीक्षा के दौरान अपने गृह जिले की योजना का जिक्र करते हुए कहा था कि एक सिंचाई परियोजना 49 साल से पूरी नहीं हुई है। अफसर अगर उसे पूरी नहीं कर सकते तो बता दें,वे किसानों को उनकी जमीन वापस कर देंगे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी लंबित परियोजनाओं को पूरा करने का निर्देश दिया था। उसके बाद प्रदेश की परियोजनाओं की फाइलें ⏭शेष पेज 7 पर

सलफ जलाशय परियोजना में 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण होने के बाद वन विभाग द्वारा लगाई रोक

जल्द मूर्त रूप लेगी सिंचाई परियोजना

गरियाबंद सिंचाई विभाग के कार्यपालन अभियंता एसके बर्मन ने बताया कि इसमें वन विभाग और पर्यावरण को जो आपत्ति थी। उसके पूरे कागजात क्लीयर कर लिए गए हैं। अटल सिंचाई योजना के तहत 30 करोड़ रुपए का स्टीमेट बनाकर मंत्रालय को भेजा गया है और मंत्रालय में इसकी समीक्षा बैठक भी हो चुकी है। उम्मीद लगाई जा रही है कि आने वाले दिनों में यह सिंचाई परियोजना अटल सिंचाई योजना के तहत मूर्त रूप लेगी।

अचानक रोक दिया निर्माण कार्य

क्षेत्र के वरिष्ठ लोगों से मिली जानकारी के अनुसार सन 1979 में मांग पर मैनपुर नगर से 4 किलोमीटर दूर फूलझर पर दो छोटी पहाड़ियों को जोड़कर सलफ जलाशय निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। यह निर्माण कार्य लगातार 3 वर्षों तक चला, बांध निर्माण के लिए दोनों पहाड़ियों को जोड़ा जा चुका है और 5 से 6 किमी तक नहर का निर्माण कार्य भी हो चुका है। जिसका मुआवजा भी सरकार दे चुकी है, फिर निर्माण कार्य के दौरान एकाएक इस बांध निर्माण कार्य को रोक दिया गया।

वृक्षों के नाम पर लगी रोक

पर्यावरण मंत्रालय की टीम ने जब इस बांध स्थल का निरीक्षण करने पहुंची, तो टीम के सदस्यों ने बांध निर्माण स्थल के बजाय गांव में ही ग्रामीणों से जानकारी लिया कि इस बांध के निर्माण से कितना वृक्ष डुबान में आ रहा है। ग्रामीणो ने बोलचाल के भाषा में 20 से 25 लाख के पेड़ बताए। हकीकत में बांध निर्माण स्थल पर मात्र 20 से 25 नग कोसम का पेड़ हैं और कोसम के पेड़ को क्षेत्र में बोलचाल के भाषा में लाख का पेड़ कहा जाता है। ग्रामीणों ने ⏭शेष पेज 7 पर

नेपाल में काठमांडू घाटी और अन्य हिस्सों से कर्फ्यू हटा, जनजीवन हो रहा सामान्य

सत्ता संभालते ही एक्शन में कार्की, पूर्व पीएम ओली के खिलाफ एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नेपाल में काठमांडू घाटी और अन्य हिस्सों में लगाए गए कर्फ्यू व प्रतिबंधात्मक आदेशों को शनिवार को हटा लिया गया, जिसके बाद दैनिक जीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। नेपाली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि शनिवार को कोई प्रतिबंधात्मक आदेश या कर्फ्यू लागू नहीं है। कई दिन तक बंद रहने के बाद दुकानें, किराना स्टोर, सब्जी बाजार और शॉपिंग मॉल फिर से खुल गए तथा सड़कों पर आवाजाही फिर से शुरू हो गई। कई जगहों पर सफाई अभियान चलाया गया, जिनमें प्रमुख सरकारी इमारतें भी शामिल हैं।

हाल ही में हुए हिंसक प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों ने इन इमारतों में तोड़फोड़ की थी और आग लगा दी थी। भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई थी। इसके विरोध में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के प्रधानमंत्री कार्यालय में घुसने के तुरंत बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया था। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध सोमवार रात हटा लिया गया था।

सुशीला कार्की को नेपाल की सत्ता संभाले हुए अभी 24 घंटे भी नहीं हुए हैं और उन्होंने ताबड़तोड़ एक्शन लेना शुरू कर दिया है। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के खिलाफ 8 सितंबर को हुई पुलिस दमन के विरोध में एफआईआर दर्ज की गई है। इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल की नई पीएम कार्की को बधाई संदेश भेजा है और उनकी नियुक्ति महिला सशक्तिकरण का शानदार उदाहरण बताया है।

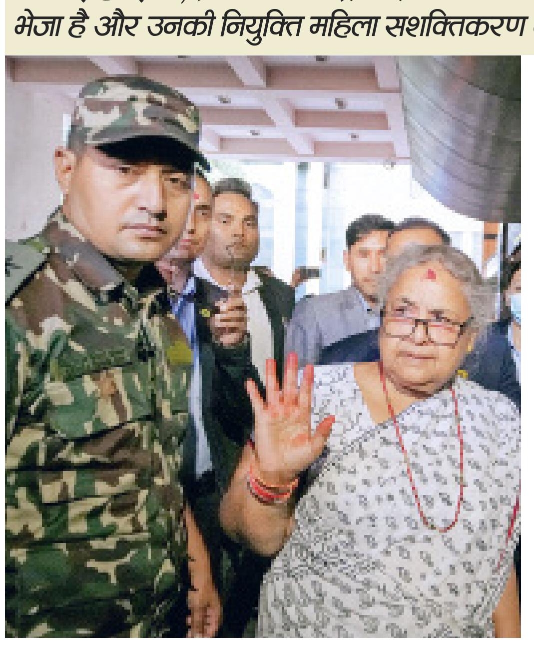

छात्रों के नेतृत्व वाले प्रदर्शन में महत्वपूर्ण न्यायिक रिकॉर्ड नष्ट

संसदीय चुनाव 5 मार्च को

नेपाल में संसदीय चुनाव अगले साल 5 मार्च 2026 को होगा। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के कार्यालय ने यह घोषणा की। देश में एक सप्ताह तक चले हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद यह फैसला लिया गया। पूर्व प्रधान न्यायाधीश कार्की (73) ने शुक्रवार रात देश की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही, देश में राजनीतिक अनिश्चितता का दौर समाप्त हो गया। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच, इस सप्ताह ओली के अचानक इस्तीफे के बाद यह स्थिति पैदा हुई थी।

प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को मोदी का बधाई संदेश

नेपाल की शांति, समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध भारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कार्की को अपने शुभकामना संदेश के साथ पदभार ग्रहण की बधाई दी है। साथ ही उन्होंने निकट पड़ोसी हिमालयी देश की आम-जनता की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए भी पूरी तरह से प्रतिबद्धता जताई। एक्स पर अपनी एक पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बीते शुक्रवार रात नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में पद ग्रहण करने पर माननीय श्रीमती सुशीला कार्की जी को मैं भारत की 140 करोड़ जनता की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। भारत अपने नेपाली भाई-बहनों की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने इंफाल में भी नेपाल के नए राजनीतिक घटनाक्रम का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नेपाल भारत का एक दोस्त ही नहीं बल्कि परम मित्र है। दोनों देशों का साझा विश्वास का इतिहास है और इसी के तहत हम दोनों आगे बढ़ रहे हैं।

मोदी बोले- शांति के रास्ते पर आगे बढ़कर पूरा करें सपना

एजेंसी ⏭ इंफाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि मणिपुर में पहाड़ों और घाटी के लोगों के बीच 'विश्वास' का मजबूत संबंध बनाया जाना चाहिए। मई 2023 में कुकी और मेइती समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद, राज्य की अपनी पहली यात्रा के दौरान इंफाल के कांगला किले में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में सुलह और विकास के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने मणिपुर में किसी भी तरह की हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

- मणिपुर में हिंसा के दो साल बाद पहुंचे प्रधानमंत्री

पीएम मोदी ने कहा कि यह हिंसा हमारे पूर्वजों और हमारी भावी पीढ़ी के साथ भी बहुत बड़ा अन्याय है। इसलिए हमें मणिपुर को लगातार शांति और विकास के रास्ते पर आगे लेकर जाना है और मिलकर जाना है। इससे पहले चूड़ाचांदपुर के रिलीफ कैंप में रह रहे लोगों से मिलने के बाद ⏭शेष पेज 7 पर

मिजोरम की पहली रेल लाइन का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मिजोरम की पहली रेल लाइन का उद्घाटन किया और आइजोल को दिल्ली से जोड़ने वाली राज्य की पहली राजधानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। लगभग 8,070 करोड़ रुपए की बैराबी-सैरंग रेल लाइन को भारतीय रेल के इतिहास में सबसे चुनौतीपूर्ण माना जाता है। परियोजना को मंजूरी ⏭शेष पेज 7 पर

मणिपुरी बच्चों के साथ बिताया समय

पीएम मोदी ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और मणिपुरी बच्चों के साथ समय बिताया। उन्हें चुराचांदपुर में फूलों से भव्य स्वागत मिला। उन्होंने बच्चों के साथ कुछ यादगार पल बिताए और बच्चों ने उन्हें गाना गाकर भी सुनाया।

सिविल सेवा परीक्षा का टॉपर 15 हजार की घूस लेते गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ संबलपुर

ओडिशा सरकार के सतर्कता विभाग ने रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के आरोप में तीन सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। इनमें ओडिशा सिविल सेवा परीक्षा की की 2019 परीक्षा के टॉपर अश्विनी कुमार पांडा भी हैं। संबलपुर जिले के बामरा में तहसीलदार के रूप में कार्यरत ओडिशा प्रशासनिक सेवा के अधिकारी पांडा पर आरोप है कि उन्होंने एक व्यक्ति से उसकी कृषि भूमि को होमस्टेड प्लॉट में बदलने के लिए 20,000 रुपए मांगे। जब उसने पैसा देने में असमर्थता जताई तो पांडा ने कहा कि 15,000 रुपए देने होंगे। एसपी ने जाल बिछाया और पांडा के कार्यालय के ड्राइवर पी. प्रवीण कुमार को उनके कार्यालय में पांडा की ओर से रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया।

- ओडिशा में कार्रवाई धरे गए तीन अफसर

तलाशी में मिले 4.73 लाख नकद और जेवर

अश्विनी कुमार पांडा से जुड़ी तीन संपत्तियों की तलाशी के दौरान, भ्रष्टाचार निरोधक अधिकारियों को भुवनेश्वर के पॉश जयदेव विहार इलाके में स्थित उनके आवास से कथित तौर पर 4.73 लाख रुपए नकद, सोने के आभूषण और जमीन से जुड़े दस्तावेज मिले। उनके बैंक में जमा राशि और अन्य निवेशों की जांच की जा रही है। सतर्कता अधिकारी ने कहा, हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या उन्होंने आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है।

दो और अधिकारी गिरफ्तार

अलग-अलग कार्रवाइयों में विजिलेंस ने नयागढ़ जिले के श्रम अधिकारी चित्तरंजन राउत और मयूरभंज जिले की लुहासिला ग्राम पंचायत की पूर्व पंचायत कार्यकारी अधिकारी (पीईओ) पुष्पिता महाकुड़ को भी गिरफ्तार किया। महाकुड़ इन दिनों मयूरभंज जिले में सब-कलेक्टर के कार्यालय में तैनात हैं। उन्हें वृद्धावस्था पेंशन निधि के 5,68,950 रुपए के गबन के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। राउत को एक मजदूर से कथित तौर पर 6,000 रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। राउत ने शिकायतकर्ता और 19 अन्य लोगों को श्रमिक कार्ड जारी करने के लिए रिश्वत मांगी थी, जिससे कार्ड जारी होने में लगभग एक साल की देर हुई।

नेपाल में 'जेन जी' आंदोलन प्रथम दृष्टया एकदम स्वतः स्फूर्त प्रतीत हो रहा था। किंतु कुछ ही घंटों के पश्चात स्पष्ट हो गया कि आंदोलन केवल एक विरोध भर नहीं है। क्योंकि नौजवान आंदोलन में बहुत भारी संख्या में हिंसक उपद्रवी दाखिल हो गए। राजतंत्र की पुनर्स्थापना के हिंसक समर्थक और विदेशी एजेंट बड़ी तादाद में नेपाल में जनतंत्र विरोधी एजेंडे को अंजाम देने के लिए विध्वंस में उतर गए। नेपाल में सन् 2008 के बाद से अभी तक के 17 वर्षों के दौरान 13 प्रधानमंत्री राजसत्ता के शिखर पर आसीन हुए। तकरीबन सभी नेपाली राजनेताओं के भ्रष्टाचारी दलदल में आकंठ तक डूब जाने के कारण विद्यार्थियों में विद्रोह की विकट भावना को जाग्रत कर दिया। एक तरफ नेपाल में राजनेताओं के परिवारों की विलासपूर्ण जिंदगी की तस्वीरें और दूसरी तरफ नेपाली नौजवानों में 21 प्रतिशत बेरोजगारी और गुरबत। इन विकट हालात ने नौजवानों में बगावत की आग उत्पन्न की। संसदीय जनतंत्र के 17 वर्ष के दौर में राजनेताओं द्वारा नौजवानों की बेरोजगारी और उचित मांगों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अख्तियार किया गया। नेपाली जनतंत्र के नेताओं और नौजवानों के मध्य ऐसी गहरी खाई उत्पन्न हो गई कि जिसे पाटना तकरीबन नामुमकिन हो गया। यही आंदोलन का कारण रहा। नेपाल के आंदोलन का विश्लेषण करता आजकल का खास अंक...

नेपाल में युवा विद्रोह की जड़ें कहां

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में नौजवानों के हिंसक विद्रोहों के मध्य बहुत कुछ एक सा घटनाक्रम प्रतीत होता है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल तीनों देशों के नौजवान बड़े पैमाने पर बेरोजगारी से संत्रस्त रहे हैं। तीनों देशों के नौजवानों में बेरोजगारी की दर तकरीबन 20 प्रतिशत रही है अर्थात पांच नौजवानों के मध्य से एक नौजवान बेरोजगारों की कतार में हताश-निराश खड़ा हुआ है। नौजवानों के हिंसक विद्रोह का शिकार बने तीनों देशों के शासक रणनीतिक और राजनीतिक तौर पर कम्युनिस्ट चीन के अत्यंत निकट रहे थे और भ्रष्टाचार के संगीन इल्जामों से घिरे रहे। दक्षिण एशिया का जो भी राष्ट्र चीन के निकट हो जाता है, वो स्वतः ही अमेरिका को खटकने लगता है।

श्रीलंका में जुलाई 2022, इसके पश्चात बांग्लादेश में अगस्त 2024 और नेपाल में सितंबर 2025 में नौजवान विद्रोहियों द्वारा राजसत्ता के प्रतिष्ठानों पर भीषण हिसंक आक्रमण अंजाम दिया गया। अंततः तीनों देशों के शासकों को राजसत्ता से बेदखल कर दिया गया। तमिल टाइगरों के विरुद्ध सैन्य संग्राम जीतने वाले श्रीलंका के तत्कालीन प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को नौजवानों के हिंसक आक्रमण से जान बचाकर श्रीलंका से पलायन करना पड़ा। श्रीलंका में राष्ट्रपति भवन पर नौजवान विद्रोहियों ने आधिपत्य स्थापित कर लिया था। महिंदा राजपक्षे के प्रधानमंत्री कार्यालय को जला कर खाक कर दिया गया। बांग्लादेश में नौजवान विद्रोहियों द्वारा सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ प्रारम्भ किए गए आंदोलन की विध्वंसकारी हिंसा के कारणवश बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपनी जान बचाकर भारत में राजनीतिक शरण लेनी पड़ी। बांग्लादेश में भी शेख हसीना के प्रधानमंत्री निवास का विध्वंस करके उपद्रवियों ने लूटपाट अंजाम दी थी। नेपाल में हिंसक युवा उपद्रवियों द्वारा 8 और 9 सितंबर को दुर्भाग्यपूर्ण तौर पर नेपाल को विध्वसंकारी आग में झोंक दिया गया। नेपाल का संसद भवन, सुप्रीम कोर्ट, सिंह दरबार का शासकीय सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय सहित आदि अनेक अत्यंत महत्वपूर्ण शासकीय इमारतों को महज दो ही दिनों में जला कर खाक़ कर दिया गया। हिंसक उपद्रवों की ज्वालाओं से सरकारी संस्थानों में केवल काठमांडू का एयरपोर्ट ही अब शेष बच सका।

जनतांत्रिक राजसत्ता का आत्मसमर्पण

यक्ष प्रश्न है कि नेपाली सैन्य दस्तों की सशक्त उपस्थिति में नेपाली जनतंत्र के इन समस्त महत्वपूर्ण स्तंभों को हिंसक उपद्रवियों द्वारा विध्वंसक आग के हवाले आखिरकार कैसे कर दिया? नेपाल के वित्तमंत्री को बेरहमी से पीटा गया। इंतहा तो ये हुई कि हिंसक उपद्रवियों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल की पत्नी राजलक्ष्मी को उनके निवास में जिंदा जला दिया गया। नेपाल में अनेक वरिष्ठ राजनीतिक लीडरों केपी शर्मा ओली, शेरबहादुर देऊबा, पुष्प कमल प्रचंड आदि के जीवन को हिंसक उपद्रवियों की आक्रामक हिंसा से किसी तरह से बचाया जा सका। तत्पश्चात 10 सितंबर को नेपाल की जनतांत्रिक राजसत्ता ने आत्मसमर्पण कर दिया। नेपाली सरकार की कमान को कुछ दिनों के लिए सेना द्वारा संभाल लिया गया। फिलहाल रिटायर्ड चीफ जस्टिस सुशीला कार्की को नेपाल का अंतरिम प्रधानमंत्री मनोनीत कर दिया गया। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में नौजवानों के हिंसक विद्रोहों के मध्य बहुत कुछ एक सा घटनाक्रम (पैटर्न) प्रतीत होता है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल तीनों देशों के नौजवान बड़े पैमाने पर बेरोजगारी से संत्रस्त रहे हैं। तीनों देशों के नौजवानों में बेरोजगारी की दर तकरीबन 20 प्रतिशत रही है अर्थात पांच नौजवानों के मध्य से एक नौजवान बेरोजगारों की कतार में हताश-निराश खड़ा हुआ है। नौजवानों के हिंसक विद्रोह का शिकार बने तीनों देशों के शासक रणनीतिक और राजनीतिक तौर पर कम्युनिस्ट चीन के अत्यंत निकट रहे थे और भ्रष्टाचार के संगीन इल्जामों से घिरे रहे। दक्षिण एशिया का जो भी राष्ट्र चीन के निकट हो जाता है, वो स्वतः ही अमेरिका की निगाहों में खटकने लगता है। तीनों देशों में अमेरिका द्वारा पोषित और प्रेरित कथित स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से नौजवानों के मध्य फैले हुए गहन असंतोष और आक्रोश को चीन समर्थक राजसत्ता के विरुद्ध खड़ा किया जाता है।

नेपाल में 'जेन जी' का आंदोलन

बांग्लादेश में जेहादी आतंकवादी तंजीम हिजबुल तहरीर के एक सरगना महफूज आलम के माध्यम से जमात-ए-इस्लामिया से संबद्ध इस्लामी छात्र शिबिर संगठन को अमेरिका द्वारा करोड़ो डॉलरों की अकूत फंडिग की गई, ताकि शेख हसीना की हुकूमत का तख्ता पलट किया जा सके। आजकल जेहादी सरगना रहा महफूज आलम बांग्लादेश की मोहम्मद यूनूस हुकूमत में एक उच्च पद पर आसीन है। नेपाल में 8 सितंबर को 36 वर्षीय सुदन गुरंग के स्वयंसेवी संगठन 'हमी नेपाल' द्वारा संगठित और संचालित 'जेन जी' के परचम तले नौजवान विद्यार्थियों का आंदोलन प्रारम्भ हुआ। उल्लेखनीय है कि सूदन गुरंग के कथित स्वयंसेवी संगठन 'हमी नेपाल' को करोड़ों डॉलर की अकूत राशि अमेरिका से प्राप्त होती रही है। नेपाल में आकस्मिक तौर पर उत्पन्न हुई राजनीतिक अस्थिरता और अराजकता वस्तुतः भारत के लिए गहन गंभीर चिंता और सोच विचार का विषय है। नेपाल में निरंतर गति से बढ़ती हुई आर्थिक विषमता, नौजवानों के मध्य फैली भयावह बेरोजगारी, राजनेताओं का बेलगाम भ्रष्टाचार और परिवारवाद वस्तुतः युवा आक्रोश की बुनियाद में निहित रहा है।

आंदोलन में हिंसक उपद्रवी हुए दाखिल

युवा विद्यार्थियों की जायज मांगों को लेकर प्रारम्भ हुआ 'जेन जी' आंदोलन प्रथम दृष्टया एकदम स्वतः स्फूर्त प्रतीत हुआ। किंतु कुछ ही घंटों के पश्चात स्पष्ट हो गया कि आंदोलन कदाचित स्वतः स्फूर्त नहीं रह गया। क्योंकि नौजवान आंदोलन की पांतों में 8 सितंबर की दोपहर तक बहुत भारी संख्या में हिंसक उपद्रवी दाखिल हो गए। नेपाल में राजतंत्र की पुनर्स्थापना के हिंसक समर्थक और विदेशी एजेंट बड़ी तादाद में नेपाल में जनतंत्र विरोधी एजेंडे को अंजाम देने के लिए विध्वंस में उतर गए। हिंसा रोकने के प्रयास में 8 सितंबर को पुलिस फायरिंग में 20 उपद्रवी हलाक हो गए और तकरीबन चार सौ जख्मी हो गए। अभी तक हलाक होने वालो की संख्या 50 से अधिक हो चुकी है। बड़े पैमाने पर नेपाली सैनिक टुकड़ियों की मौजूदगी में हिंसक उपद्रवियों ने महत्वपूर्ण शासकीय भवनों को जला कर खाक कर दिया। उल्लेखनीय है कि नेपाली सेना का मुख्यालय संसद भवन के ठीक पीछे स्थित है। संसद भवन को जब उपद्रवियों द्वारा जलाया जा रहा था, तो उस वक्त सैन्य दस्ते वहां पर बड़ी संख्या में तैनात थे, किंतु हिंसक उपद्रवियों के विरुद्ध कोई सैन्य कार्रवाई अंजाम नहीं दी गई। दीर्घ कालीन जन संघर्षों के तत्पश्चात 28 मई 2008 को नेपाल की धरा पर 239 वर्ष पुराने राजतंत्र को दफ़ना कर संसदीय जनतंत्र का उदय हुआ। सन् 1996 में पुष्प कमल प्रचंड की कयादत में प्रारम्भ हुए गुरिल्ला युद्ध द्वारा 2008 में राजतंत्र को उखाड़ फेंका गया। प्रचंड के नेतृत्व वाली गुरिल्ला सेना ने राजा ज्ञानेंद्र के नेतृत्व वाली नेपाली शाही सेना को करारी शिकस्त दी और राजधानी काठमांडू को चारों तरफ से घेर लिया। नेपाल में माओवादी कम्युनिस्टों की सैन्य फतह से अमेरिका हतप्रभ होकर रह गया। प्रचंड की कयादत में कम्युनिस्ट यदि चाहते तो उसी वक्त नेपाल में अपनी तानाशाह हुकूमत कायम कर सकते थे, किंतु कम्युनिस्टों ने संसदीय जनतंत्र स्थापित करने का शानदार निर्णय लिया, क्योंकि कम्युनिस्ट तानाशाही के भयंकर दुष्परिणाम सोवियत संघ में देख चुके थे। संविधान निर्माण के बाद 2015 में राजतंत्र के स्थान पर बाकायदा संसदीय जनतंत्र स्थापित किया गया। नेपाल की धरा पर राजतंत्र विरोधी जनतांत्रिक इंकलाब का एक दौर कामयाब हो गया। जनतंत्र स्थापन के वक्त से ही राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रति-क्रांतिकारी नेपाल के जनतंत्र का खात्मा करने की खातिर सक्रिय हो गए। नेपाल में राजतंत्र के विरुद्ध कम्युनिस्टों की ऐतिहासिक कामयाबी और समूचे नेपाल में वामपंथ की जबरदस्त लहर से विश्वपटल पर नव साम्राज्यवाद का सरगना मुल्क अमेरिका अत्यंत चिंतित हो गया।

चीन समर्थक वामपंथी सत्ता के खिलाफ अमेरिका

चीन समर्थक वामपंथी सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए अमेरिका ने बड़े धीरज के साथ वाजिब वक्त का लंबा इंतजार किया। नेपाल में सन् 2008 के बाद से अभी तक के 17 वर्षों के दौरान 13 प्रधानमंत्री राजसत्ता के शिखर पर आसीन हुए। तकरीबन सभी नेपाली राजनेताओं के भ्रष्टाचारी दलदल में आकंठ तक डूब जाने के कारण नेपाल के नौजवान विद्यार्थियों में विद्रोह की विकट भावना को जाग्रत कर दिया। एक तरफ नेपाल में राजनेताओं के परिवारों की विलासपूर्ण जिंदगी की तस्वीरें और दूसरी तरफ नेपाली नौजवानों के मध्य फैली हुई 21 प्रतिशत बेरोजगारी और गुरबत। इन विकट हालात ने नौजवानों में बगावत की आग उत्पन्न की। संसदीय जनतंत्र के 17 वर्ष के दौर में राजनेताओं द्वारा नौजवानों की बेरोजगारी और उचित मांगों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अख्तियार किया गया। नेपाली जनतंत्र के नेताओं और नौजवानों के मध्य ऐसी गहरी खाई उत्पन्न हो गई कि जिसे पाटना तकरीबन नामुमकिन हो गया। नेपाल के जनतंत्र का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण वृतांत है कि माओवादी गुरिल्ला युद्ध का सर्वोच्च लीडर रहा पुष्प कमल दहल प्रचंड भी भ्रष्टाचारी लीडरों की इस जमात में शामिल हो गया। इसकी कयादत करने के लिए हुकूमत को कोई भी ईमानदार प्रधानमंत्री हासिल नहीं हो सका।

हिंसक वारदातों से गहन सबक ले भारत

नेपाल में राजतंत्र के मुकम्मल खात्मे और जनतंत्र में वामपंथियों के सत्तासीन हो जाने से सबसे अधिक तकलीफ अमेरिका को रही। 28 फरवरी 2003 को वाशिंगटन में अमेरिका के विदेश मंत्री डोनाल्ड कैंप ने एक समारोह में तक़रीर करते हुए फरमाया था कि यदि नेपाल में कम्युनिस्टों को कामयाबी मिल जाती है तो इससे दक्षिण एशिया में अमेरिका के राष्ट्रीय हितों को गहन क्षति पहुंचेगी। उन्होंने यह भी कहा था कि नेपाल की स्थिति पर अमेरिका 'हर लम्हा' अपना ध्यान केंद्रीत किए हुए है। यह उस वक्त की बात है, जब नेपाल में भीषण गृहयुद्ध चल रहा था। नेपाल में संसदीय जनतंत्र की स्थापना के तत्पश्चात अमेरिका ने नेपाली सेना की पांतों में शनैः शनैः घुसपैठ प्रारम्भ की और जनतंत्र की स्थापना के बाद यह काम अत्यंत तेजी के साथ अंजाम दिया गया। अब तक परंपरागत तौर पर माना जाता रहा है कि भारत और नेपाल की सैन्य शक्तियों के मध्य एक बिरादराना संबंध कायम रहे हैं। भारत की गोरखा रेजिमेंट में नेपाल के तकरीबन पचास हजार सैनिक विद्यमान रहे हैं। लेकिन अमेरिका की सैन्य घुसपैठ पर आम तौर पर नेपाल के भी राजनेताओं ने ध्यान नहीं दिया। अगर इस तरफ प्रचंड का ध्यान दिलाया गया किंतु इसे कदाचित गंभीरता से नहीं लिया। राजतंत्र के दौर से ही नेपाली सेना के 200 से भी ज्यादा सैन्य सलाहकार अमेरिकी रहे हैं। सर्वविदित है कि अमेरिका की डीप स्टेट का मुख़्तलिफ़ मुल्कों में तख्ता पलट कराने में ऐतिहासिक किरदार रहा है। अमेरिका भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक देश रहा है। आजकल भारत और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक कटुता कायम है। भारत को भी नेपाल के जनतंत्र विरोधी हिंसक वारदातों से गहन सबक हासिल करना चाहिए।

पड़ोसी देशों में तख्तापलट का खेल

कूटनीति
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र स्तंभकार

शासन विस्थापन के लिए एक वर्ष पहले बांग्लादेश में जो अराजकतापूर्ण व हिंसक आंदोलन हुआ था, उसकी आड़ लेकर कठमुल्लों ने हिंदुओं पर अत्याचार आरंभ कर दिया था, तो उस देश के बारे में भारत में चिंतायें उभर आई थीं। किंतु नेपाल तो सामाजिक व सांस्कृतिक रूप में हिंदू राष्ट्र ही है, तब वहां शासन विस्थापना की हिंसक अराजकता क्यों उत्पन्न हुई और चार-पांच दिन क्यों फैली रही। तथ्यों के आधार पर यही कारण सामने आया है कि वहां वामपंथी विचारधारा के नेताओं ने नेपाल के सार्वजनिक जीवन व लोगों के लिए कुछ नहीं किया। परिणाम में बहुत दिनों से सत्तारूढ़ नेताओं के प्रति जनविद्रोह पनप रहा था और चार-पांच दिन पहले वह चरम पर पहुंच गया।

भारत के दायें-बायें तथा यहां-वहां जो छोटे-छोटे देश हैं वहां जैसे-तैसे स्थापित शासन जनांदोलन द्वारा उखाडे. जाते रहे हैं। नेपाल से पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका जैसे देश ऐसी अराजकताएं झेल चुके हैं। दक्षिण एशिया के ये देश अभी तक तो अमेरिका, चीन और रूस के राजनीतिक, आर्थिक एवं रणनीतिक प्रयोजन के लिए शासन विस्थापन की अराजकतायें झेल रहे थे, किंतु अब भारत के वर्चस्व को कम या समाप्त करने के लिए भारत के चहुंओर स्थित छोटे-छोटे देशों को अस्थिर करने का कुचक्र चलाया जा रहा है।

कुचक्रव्यूह में अमेरिका शामिल

इस कुचक्रव्यूह में प्रथम भूमिका अमेरिका की है। अमेरिका से आशय वहां के उन डीप स्टेट्स यानी छुपे हुये गुप्त शासकों से है जो भारत में अपनी पसंद के शासन की स्थापना करने में बार-बार विफल हो रहे हैं। ये डीप स्टेट्स वही हैं जो ट्रंप शासन के माध्यम से भारत को अपने डेयरी उत्पाद खरीदने के समझौते करने को बाध्य कर रहे हैं। ये चाहते हैं कि सबसे अधिक जनसंख्या धारी भारत उनके उन सभी उत्पादों को उनकी शर्तों पर खरीदने के अनुबंध कर ले, जो भारत में धार्मिक-सांस्कृतिक-आध्यात्मिक जीवन पद्धतियों के अनुरूप पूर्णरूपेण बड़ी मात्रा में अनुचित एवं वर्जित ही होंगे। हां, भारत का नास्तिक जनसमूह तथा इनके राजनीतिक प्रतिनिधि अपने जनसंचारिक ईकोसिस्टम के माध्यम से अमेरिका स्थित डेयरी तथा अन्य कंपनियों के डीप स्टेट्स तक अवश्य ही ये सूचनायें भेजते रहते हैं कि भारत में हमारे सत्तारूढ़ होने पर अमेरिकी उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दिए जाएंगे। इसी लिए अमेरिकी तथा इनके अनुसरणकर्ता यूरोपीय देशों के डीप स्टेट्स द्वारा भारतीय शासन को अस्थिर करने व अपनी पसंद के शासक को सत्तारूढ़ करने की परिस्थितियां निर्मित करने के लिए नेपाल, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, पाकिस्तान के माध्यम से आंदोलन का वातावरण बनाया जाता रहा है।

डीप स्टेट्स की मंशा अधूरी

विगत दस-बारह वर्षों से भारत के विभिन्न प्रदेशों के विधानसभा चुनावों एवं लोकसभा चुनावों से पहले अलग-अलग तरह के विद्रोही गुटों को यहां-वहां सड़कों पर बैठाकर धरना-प्रदर्शन किए जाते रहे हैं। जब इस स्वदेशी विधि से भारत से

लेकर अमेरिका तक फैले डीप स्टेट्स की मंशा पूरी नहीं हुई, तो उन्होंने कभी श्रीलंका, कभी बांग्लादेश, कभी अफगानिस्तान तथा कभी पाकिस्तान में कराये गये अराजक आंदोलनों का सहारा लिया और अब वे नेपाल में आंदोलन कराकर भारत के लिये भूराजनीतिक संकट खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। किंतु भारत अडिग है। भारतीयता की शक्ति अजेय है। भारत में या विदेश में कहीं कोई भी डीप स्टेट या अनेक डीप स्टेट्स हों, वे अंततः पराजित ही होंगे।

शुक्र है कि अब तक उनकी पराजय भारत के संयम एवं धैर्यबंध से ही हो रही है। जिस दिन भारत, विरोधियों की भांति अराजकतापूर्ण ढंग से आक्रमण करेगा, उस दिन दुनिया की छुपी हुई मक्कार शक्तियों को खुले में सबके सामने उनके किए का मृत्युदंड मिल रहा होगा। नेपाल की घटना के संदर्भ में एक स्वाभाविक जिज्ञासा ये भी उभरती है कि जब ऐसे देशों के शासक अपना शासकीय पदाधिकार सुरक्षित रखने में असमर्थ हैं और उग्रवादियों के सामने घुटने टेक भागने व अन्य देश में शरण लेने को विवश हो जाते हैं, तो फिर इन देशों के अस्तित्व की आवश्यकता ही क्यों है। यह बात बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, पाकिस्तान तथा शक्तिशाली देशों की मर्जी पर जैसे-तैसे चल रहे सभी देशों पर लागू होती है। ये बातें बाद की हैं कि शासन भ्रष्ट है, जनता से विमुख है और सार्वजनिक कल्याण की नीतियों का क्रियान्वयन नहीं कर रहा।

पहली विचारणीय बात तो ये है कि जो शासन और शासक अपने शासकीय धन, साधन, संसाधन तथा अन्य शक्तियों द्वारा उग्रवादियों, हिंसक आंदोलनकारियों को रोकने में पूर्णतः असमर्थ है तो फिर उनकी आवश्यकता ही क्या है और जिस देश पर वे शासन कर रहे हैं, उन देशों की भी क्या आवश्यकता है। बांग्लादेश और नेपाल की भांति अराजक हो जाने पर भारत के संदर्भ में भी यही जिज्ञासा उठेगी। जब नेपाल के शासक अपनी सेना के माध्यम से अराजकता नहीं रोक पाते हैं तो फिर नेपाली शासन और नेपाल देश का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है। जब उग्रवादियों व आंदोलनकारियों को विदेशी शक्तियां अपने स्वार्थ के लिए उपयोग कर रही हैं, तो फिर ऐसे उग्रवादियों-आंदोलनकारियों के प्रतिनिधि तख्तापलट के बाद सत्तारूढ़ होने पर नेपाल का प्रतिनिधित्व थोड़े ही कर रहे होंगे। वे तो विदेशी शक्तियों के हाथों की कठपुतली होंगे। उग्र आंदोलन तथा अराजक वातावरण निर्मित करके नेपाल के जिस कम्युनिस्ट शासन को विस्थापित किया गया है वो भी खुद कई वर्षों से चीन की कठपुतली बना रहा है। नेपाल ने जब पहले चीन के अनुसार और अब किसी नई डीप स्टेट शक्ति के अनुरूप चलना है, तो इस संदर्भ में गहन प्रश्न ये है कि ऐसे में नेपाल की आवश्यकता ही क्या है। जिस छुपी हुई शक्ति ने नेपाली युवाओं को भड़काया, उकसाया और अपने ही देश के साधनों-संसाधनों को जलाने-नष्ट करने के लिए दुष्प्रेरित किया है, वही शक्ति सामने आए और बना दे नेपाल को अपना उपनिवेश।

दिखावटी लोकतंत्रात्मक शासन

ऐसी शक्तियां द्विअर्थी तंत्र, सत्ता, शासन का खेल क्यों खेल रही हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर जब इनका विशेषाधिकार व नियंत्रण है, तो फिर ये किससे डरकर अपने तख्तापलट खेल को गुप्त रूप में खेलने को विवश हैं। ऐसी स्थितियों-परिस्थितियों में तथाकथित छोटे-मोटे देशों के निकृष्ट व दिखावटी लोकतंत्रात्मक शासन से श्रेष्ठ तो फिर उत्तर कोरियायी शासन तंत्र है, जो बिना लाग-लपेट के अपनी भूमि, अपने हिस्से के भूभाग पर अपना शासन चलाता है। लोकतंत्र अंगीकार किए हुए देशों की अराजकता देखकर अमेरिका जैसे पेशेवर ठग लोकतंत्र तथा नेपाल जैसे खिलौना लोकतंत्र की तुलना में उत्तर कोरियायी सीधा-सपाट एक अर्थ की बात करने वाला शासन तंत्र ही अधिक शासन संगत प्रतीत होता है।

अब भावी सत्ता के स्वरूप पर निगाहें

व्यवस्था
डॉ. एन. के. सोमानी
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर सरकार के नियंत्रण के खिलाफ शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों ने जिस खतरनाक ढंग से सरकार का तख्तापलट किया है उसने शासन व्यवस्थाओं के तौर-तरीकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया से बैन हटाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ जेन-जी ने अलग-अलग समय सत्ता में भागीदार रहे नेताओं के घरों को निशाना बनाया, उससे साफ है कि गुस्से का तात्कालिक कारण सोशल मीडिया पर सरकार के नियंत्रण का फैसला ही नहीं है और भी कई वजह रही हैं। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री और मौजूदा मंत्रियों के आवास और दफ्तरों पर धावा बोलकर जेन-जी ने क्रांति का जो बिगुल फूंका देखते ही देखते वह जिस गति से 'सिंहासन खाली करो जनता आती है' तक पहुंचा, उससे साफ हो गया कि जेन-जी के भीतर किस कदर नेपाली नेताओं और उनकी नीतियों के खिलाफ नफरत भरी हुई थी।

धूं-धूं कर जलती संसद, आग की लपटों से घिरा राष्ट्रपति भवन और सुप्रीम कोर्ट से उठ रहा धुएं का गुब्बार बता रहा है कि नेपाल के युवाओं के भीतर पनपा यह उबाल हफ्ते-दस दिन का नहीं है। साल 2008 में राजा ज्ञानेंद्र के सत्ता से हटने के बाद नेपाल में अढाई सौ साल से चली आ रही राजशाही का तो अंत हो गया परन्तु लोकतंत्र का वह स्वरूप निकल कर नहीं आ सका जिसकी उम्मीद नेपाल के नागरिकों ने की थी। कहने को तो राजतंत्र संघीय गणतंत्र में बदल गया लेकिन शासकों की कार्य शैली में अहं का भाव जस का तस बना रहा। बड़ा दुर्भाग्य यह कि राजशाही खत्म होने के बाद कोई भी सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। देश पूरी तरह से राजनीतिक अस्थिरता के दलदल में धंस गया।

17 सालों में 13 प्रधानमंत्री बदले

पिछले 17 सालों में 13 प्रधानमंत्री बदले। सत्ता प्रचंड, देउबा और ओली के बीच झुलती रही। जेन-जी की नाराजगी काा बड़ा कारण भ्रष्टाचार था। किसी भी दक्षिण एशियाई देश के नेताओं की तुलना में नेपाल के नेता अधिक भ्रष्ट हैं। करप्शन इंडेक्स में 180 देशों में नेपाल 107वें स्थान पर है। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के पास 300 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। भ्रष्टाचार का आलम यह कि लोगों में यह धारणा पुख्ता हो गई कि 'नेपाल भूकंप से तो कभी-कभी, भ्रष्टाचार से हर रोज हिलता है।' पिछले एक सप्ताह से काठमांडु की सड़कों पर करप्शन बैन करो, कनेक्शन नहीं' का नारा गूंज रहा था। संक्षेप में कहें तो नेपाल में करप्शन कल्चर हो गया जबकि सरकार का आरोप है कि कुछ लोग सोशल मीडिया के जरिए कल्चर को करप्ट कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार बना मूल कारण

भ्रष्टाचार के परिणामस्वरूप देश में अमीरी-गरीबी की खाई बढ़ती चली गई। बेरोजगारी 11 फीसदी से ऊपर हो गई। 2024 में 15-24 आयु वर्ग में बेरोजगारी दर 20.8 प्रतिशत है। कुल मिलाकर कहा जाए तो ओली की भ्रष्ट हुकूमत अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी से नहीं कर पाई। इन सबका मिलाजुला असर यह हुआ कि लोगों

के भीतर नाराजगी पनपती रही लेकिन सत्ता के अहं में अंधी ओली सरकार को इसका भान नहीं हुआ। विद्रोह की जो चिंगारी धीरे- धीरे धधक रही थी वो समय पाकर सुलग गई और तमाम संवैधानिक संस्थाओं को अपनी जद में ले लिया। कहने को तो सरकार कह रही है कि डिजिटल अकाउंटेबिलिटि के रेग्यूलेशन बनाने और लागू करने के लिए 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगाने के आदेश दिए। सरकार का कहना था कि प्लेटफार्म ने सरकार के नए कानून के मुताबिक रजिस्ट्रेशन नहीं कराया। दूसरा सरकार का यह भी कहना था कि सोशल मीडिया पर उकासने वाले कंटेंट (फर्जी खबरें और अवैध गतिविधियों) को रोकने के लिए उन्हें नियंत्रित करना जरूरी था। लेकिन सच यह है कि हैशटैग्स नेपोकिड्स और नेपोबेबी के नाम से वायरल वीडियो लगातार नेपाली नेता और उनके परिजनों की लग्जरी जीवन शैली लोगों के सामने ला रहे थे। उससे नागरिकों को भीतर बेचैनी बढ़ रही थी। यही वजह है कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को आधार बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बैन लगाने का फैसला किया। सरकार का यह फैसला केवल तकनीकी नहीं था, यह सीधे तौर पर लोगों की जिन्दगी में दखल था। दरअसल, नेपाल की 3 करोड़ की आबादी में करीब 40 लाख लोग विदेशों में काम करते हैं। विदेशों में रह रहे नेपाली लोगों को अपने परिजनों से संपर्क साधने और रेमिटेंस (प्रवासी आय) का पैसा भेजने के लिए सोशल मीडिया बड़ा माध्यम है। परिणामस्वरूप सरकार के इस फैसले की व्यापक आलोचना हुई। जेन-जी ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया। लोगों का कहना है कि यह प्रतिबंध राजतंत्र समर्थकों के प्रदर्शनों और सरकार विरोधी भावना को दबाने के लिए लगाया गया है। कुछ हद तक यह सही भी है। कहा जा रहा है कि सरकार के इस फैसले का विरोध करने के लिए 'हामी नेपाल' नाम का एनजीओ चलाने वाले सुदान गुरंग ने इंस्टाग्राम पर युवाओं से स्कूल यूनिफॉर्म और स्कूली बैग लेकर सड़कों पर उतरने को कहा। 8 सितबर को नेपाल की संसद के सामने प्रोटेस्ट शुरू हुआ। यहां ओली सरकार ने भी बड़ी चूक कर दी। उसने जेन-जी को समझाने व बातचीत के जरिए किसी नतीजे तक पहुंचने के बजाए आंदोलनकारियों से सख्ती से निबटने और गोली चलाने के आदेश दे दिए। पुलिस की गोलीबारी में 22 लोग मारे गए, जिसमें कई बच्चे भी शामिल हैं। बच्चों पर गोली चलाए जाने की खबर ने आग में घी का काम किया। आंदोलन और ज्यादा हिंसक हो गया जिसकी परिणति पूरी दुनिया ने देखी। हालांकि, अब स्थिति सामान्य हो गई है। सुशीला काकी ने अंतरिम सरकार की मुखिया के रूप में शपथ ले ली है लेकिन जेन-जी ने आंदोलन के नाम पर जो घाव और दाग संवैधानिक संस्थाओं को दिए हैं उनका क्या होगा? नेपाल में जिस तरह से राजनीतिक दलों ने अपनी आवाम का भरोसा खोया है उसे देखते हुए सवाल यह भी उठ रहा है कि अंतरिम सरकार के नेतृत्व में होने वाले चुनाव में यही पार्टियां फिर से लड़ती हुई दिखेंगी या नई और छोटी पार्टियों के नेतृत्व में सरकार बनेगी। निर्दलीय प्रत्याशियों के भी बड़ी संख्या में चुनाव लड़ने की संभावना है।

नेपाल में चाहिए न्यूटल सरकार

ऐसे में नेपाल में बनने वाली भावी सरकार का स्वरूप और उसकी उम्र कितनी होगी, यह प्रश्न विचारणीय है। दूसरा, नई पार्टियां और कम राजनीतिक अनुभव वाले लोगों से मिलकर बनने वाली सरकार देश को राजनीतिक अस्थिरता के दौर से बाहर निकालने के लिए किस रोडमैप पर आगे बढ़ेगी। जहां तक भारत का सवाल है, भारत नेपाल में सीधे-सीधे हस्तक्षेप से बचेगा। लेकिन भारत इतना जरूर चाहेगा कि सरकार के निर्माण में चीन का दखल न हो। नेपाल में जो भी सरकार आए वो न्यूटल हो।

अमेरिकी एफ-35 और चीन के जे-20 का शिकार 500 किमी दूर से, भारत ने बना लिया स्टील्थ हंटर वीएचएफ रडार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत ने अपने पहले स्वदेशी सूर्या वीएचएफ (वेरी हाई फ्रीक्वेंसी) रडार को अपग्रेड कर दिया है। अपनी रक्षा क्षमता में और मजबूती लाते हुए भारत ने मेक इन इंडिया के तहत बने सूर्या वीएचएफ रडार सिस्टम की रेंज बढ़ाकर 500 किलोमीटर तक कर दी है।

यानी अब यह दुश्मन के फाइटर जेट्स को 500 किलोमीटर दूर से सूंघकर बता सकता है। रडार इतना एडवांस है कि पांचवीं-छठी पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट्स भी इसकी निगाह से बच नहीं सकते हैं। पहले उन्नत फाइटर जेट्स को पारंपरिक रडार पकड़ नहीं पाते थे। सूर्या रडार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड रडार डेवलपमेंट इस्टैब्लिशमेंट ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर विकसित किया है। इस रडार को भारतीय वायुसेना के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है।

यह पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित है और देश के रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है

सूर्या रडार आत्मनिर्भर भारत का बेहतरीन नमूना है, यह बिना किसी विदेशी तकनीकी सहायता के तैयार किया गया रडार है

चीन के जे-20 डीकेएस को भी दबोच लेता है

सूर्या वीएचएफ रडार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह चीन के जे-20 स्टील्थ लड़ाकू विमान और विंग लूंग जैसे ड्रोन को भी पहचान सकता है। वह दूर से ही बता देता है कि इन फाइटर्स का रुख किस ओर है। इस वीएचएफ रडार को स्टील्थ हंटर भी कहा जाता है। सूर्या रडार वीएचएफ बैंड में काम करता है, जो लंबी वेबलेंथ यानी 30 से लेकर 300 मेगाहर्ट्ज के वीएचएफ बैंड का इस्तेमाल करता है। इसी वजह से कोई भी स्टील्थ विमान इसकी निगाह से बच नहीं पाता है। यहां तक कि अमेरिका के ताकतवर स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35 को भी यह आसानी से पकड़ लेता है।

सूर्या रडार डीआरडीओ ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर विकसित किया

500 किलोमीटर तक की रेंज, 360 डिग्री कवरेज

पहले यह यह रडार प्रणाली 2 वर्ग मीटर के रडार क्रॉस सेक्शन वाले लक्ष्यों को 400 किलोमीटर तक की दूरी से ही पहचान सकती थी। मगर, अब इसकी रेंज में इजाफा कर दिया गया है, जिससे इसकी रेंज 500 किलोमीटर तक हो गई है। साथ ही यह प्रति मिनट 10 बार घूमने की क्षमता रखता है, जिससे यह 360 डिग्री का व्यापक कवरेज और पूरी निगरानी करता है। यह रडार मोबाइल यूनिट के तौर पर कार्य करता है और इसमें कम ऊंचाई पर उड़ने वाले लक्ष्यों की पहचान के लिए 3डी रडार तकनीक भी मौजूद है।

पीएम मोदी की मां का एआई वीडियो : कांग्रेस आईटी सेल के खिलाफ केस दर्ज

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां हीराबेन मोदी की छवि बिगाड़ने वाले एक डीपफेक वीडियो को लेकर दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बीजेपी की शिकायत पर कांग्रेस और कांग्रेस आईटी सेल के खिलाफ नॉर्थ एवेन्यू थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। यह शिकायत बीजेपी दिल्ली चुनाव प्रकोष्ठ के संयोजक संकित गुप्ता ने दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि 10 सितंबर 2025 को शाम 6:12 बजे कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल आईएनसी बिहार से प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर एक एआई जनरेटेड फर्जी वीडियो जारी किया गया। भारतीय जनता पार्टी के शिकायतकर्ता संकित गुप्ता ने ने अपनी शिकायत में कहा कि यह वीडियो सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के लिए ही नहीं, बल्कि एक महिला की गरिमा और मातृत्व का भी घोर अपमान है। बीजेपी ने इसे राजनीति की सीमा से बाहर जाकर किसी के व्यक्तिगत जीवन और उसके परिवार पर हमला करार दिया है।

सभी विधानमंडल मानक स्थापित करें: बिरला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज इस बात पर जोर दिया कि सभी विधानमंडल अपनी कार्यवाही और चर्चा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मानक स्थापित करें। सदनों में नियोजित गतिरोध पर चिंता व्यक्त करते हुए ओम बिरला ने सभी राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों के साथ व्यापक संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मीडिया से भी आग्रह किया कि सदन में तथ्यपरक, सारगर्भित चर्चा करने वाले जनप्रतिनिधियों के दृष्टिकोण को प्रमुखता से दिखाए, ताकि सदस्यों के बीच स्वस्थ संवाद के लिए प्रतिस्पर्धा हो।

विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा हिंदी की जड़ें प्राचीन भारतीय आर्य भाषा परिवार की है, जिसकी जननी संस्कृत है। संस्कृत, जिसे 'देववाणी' भी कहा जाता है। इसकी विशिष्टताओं ने हिंदी को आज विश्व के कोने-कोने तक पहुंच दिया है। अगर इसके प्रसार के लिए कुछ और प्रयास किए जाएं तो निस्संदेह इसका वर्चस्व और भी बढ़ेगा।

हिंदी दिवस विशेष

भारत की आत्मा है हिंदी

आवरण कथा / भूपेंद्र शर्मा

आज हिंदी भाषा भारत तक सीमित नहीं है। यह विश्व भर में एक सशक्त पहचान बना चुकी है। दुनिया के कई देशों में लाखों लोगों द्वारा बोली जाती है। भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में, हिंदी सीखने से भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से के साथ संवाद एवं जुड़ने का अवसर मिलता है। भारत की विविध संस्कृति, जीवंत अर्थव्यवस्था तथा समृद्ध विरासत हिंदी को यात्रा, कार्य एवं सांस्कृतिक खोज के लिए एक श्रेष्ठ माध्यम बनाती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण हिंदी में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां, विशेष रूप से जिनके भारत में निर्माण, उत्पादन कार्य या ग्राहक हैं, उन कर्मचारियों को महत्व देती है, जो हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद कर सकते हैं। हिंदी सीखना करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकता है, खासकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, पत्रकारिता, अनुवाद एवं कूटनीतिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में।

क्षेत्रीय भाषाओं का प्रवेश द्वार

हिंदी का विकास कई चरणों में हुआ। अपभ्रंश से होते हुए, इसने अपनी वर्तमान पहचान बनाई। मध्यकाल में खड़ी बोली के रूप में इसने अपनी नींव रखी, जो आगे चलकर आधुनिक हिंदी का आधार बनी। हिंदी भारत में बोली जाने वाली विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं को समझने एवं सीखने के लिए एक प्रवेश द्वार की तरह है। बंगाली, मराठी, गुजराती एवं पंजाबी सहित कई भारतीय भाषाएं व्याकरण, शब्दावली तथा लिपि के मामले में हिंदी के साथ समानताएं साझा करती हैं।

फिल्म उद्योग तक पहुंच

भारतीय फिल्म उद्योग में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में फिल्मों का निर्माण होता है, जिन्हें भारत में ही नहीं, विश्व के अनेक देशों में देखा जाता है। हिंदी सिनेमा की विश्व में अद्भुत लोकप्रियता है। विदेशों में हिंदी के प्रसार में हिंदी फिल्मों का बड़ा योगदान है। हिंदी फिल्में, हिंदी गीत एवं टीवी शो की जीवंत दुनिया हिंदी सीखने वालों के लिए बड़ा सरल माध्यम है। वहीं इनके माध्यम से विश्वभर में फैले भारतीय प्रवासियों के साथ भारत एवं भारतीय संस्कृति के अटूट, मधुर संबंध स्थापित होते हैं। इसीलिए हिंदी को भारत की आत्मा कहते हैं।

विश्व में 61 करोड़ हिंदी भाषी

वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के अनुसार, हिंदी भाषा वर्तमान समय में 61 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस में स्थित है। यह सचिवालय हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए 11 फरवरी 2008 से कार्यरत है। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

राजभाषा विभाग के प्रयास

सन 2019 से सभी 59 मंत्रालयों में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया। अब तक कुल 528 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन भी किया जा चुका है। विदेशों में भी लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई एवं पोर्ट-लुई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां बनाई गई हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने की भी पहल की है। पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन बनारस में 13-14 नवंबर, 2021 को तथा 14 सितंबर 2022 को सूरत में दूसरा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस साल पुणे में तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। विभाग ने कुल 90 हजार शब्द का एक 'ई-महाशब्दकोष' मोबाइल एप तथा लगभग 9 हजार वाक्य का 'ई-सरल' वाक्यकोष भी तैयार किया है।

हिंदी की विशिष्टताएं

देवनागरी लिपि: हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है, जो देखने में मनमोहक और ध्वन्यात्मक रूप से सटीक है। इसमें 11 स्वर एवं 33 व्यंजन हैं, जिनमें प्रत्येक ध्वनि का अलग स्वर एवं उच्चारण है।

स्वर की लंबाई: हिंदी में कुछ स्वर ध्वनियों का उच्चारण विस्तारित अवधि के साथ किया जा सकता है, जिससे शब्दों का अर्थ बदल जाता है। उदाहरण के लिए, 'मा' का अर्थ 'मां' है, जबकि 'मान' का अर्थ 'सम्मान' है।

मानद रूप: हिंदी व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक संबोधित करने के लिए मानद रूपों को शामिल करती है। बड़ों, सम्मानित व्यक्तियों या उच्च सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों से बात करते समय सम्मानजनक सर्वनामों, क्रिया रूपों एवं वाक्य संरचनाओं का उपयोग भाषा के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मान एवं शिष्टाचार के साथ प्रदर्शित करता है।

लिंग वाली संज्ञा: हिंदी में संज्ञाओं के तीन लिंग हैं। पुल्लिंग, स्त्रीलिंग एवं नपुंसकलिंग। एक संज्ञा का लिंग अकसर विशेषणों, क्रियाओं तथा सर्वनामों के समझौते को निर्धारित करता है, जो इसके साथ उपयोग किए जाते हैं।

सर्वनाम का अंतर: हिंदी एकवचन के लिए औपचारिक एवं अनौपचारिक सर्वनामों के बीच अंतर करती है। औपचारिक सर्वनाम 'आप' का प्रयोग सम्मान दिखाने या उच्च पदस्थ व्यक्ति को संबोधित करने के लिए किया जाता है, जबकि अनौपचारिक सर्वनाम 'तुम' का प्रयोग समान सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों के साथ किया जाता है।

जटिल क्रिया प्रणाली: हिंदी की क्रिया प्रणाली में विभिन्न क्रिया रूप एवं काल हैं। क्रियाओं का संयोजन तनाव, पहलू, मनोदशा एवं विषय के साथ समझौते जैसे कारकों से प्रभावित होता है, जिससे भाषा की क्रिया संरचना जटिल तथा अभिव्यंजक हो जाती है।

संस्कृत का प्रभाव: हिंदी पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है। कई हिंदी शब्दों की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है, जो शब्दावली को समृद्ध करती है तथा भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं दार्शनिक परंपराओं के साथ गहरा संबंध प्रदान करती है।

ध्वनि विविधता: हिंदी में ध्वनियों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिसमें स्वर, व्यंजन एवं नासिक्य ध्वनियां हैं। इसकी ध्वन्यात्मक सूची विविध मधुर उच्चारण प्रवाहित करती है।

क्षेत्रीय विविधता: भारत के विभिन्न हिस्सों में हिंदी की विभिन्न क्षेत्रीय बोलियां तथा शैली है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी शब्दावली, उच्चारण एवं व्याकरणिक विविधताएं हैं, जो हिंदी भाषी जनमन के भीतर भाषाई विविधता को दर्शाती हैं।

अभी अधूरा है विकास

हिंदी अपनी वैश्विक पहचान रखती है, किंतु इसके विकास के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

तकनीकी विकास: हिंदी में तकनीकी शब्दावली को अधिक विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग बढ़ सके।

मानकीकरण एवं सरलता: बोल-चाल एवं लेखन में एकरूपता लाने के लिए मानकीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है।

सरकारी प्रोत्साहन: सरकार को हिंदी के उपयोग को सभी क्षेत्रों में बढ़ावा देना चाहिए, विशेषकर शिक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों में।

वैश्विक मंचों पर उपयोग: अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के प्रयास होने चाहिए। *

हिंदी दिवस और संविधान में स्थान

हिंदी दिवस मनाने का इतिहास भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है। 14 सितंबर 1949 को, भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। यह निर्णय हिंदी को राष्ट्र की एकता के सूत्र के रूप में स्थापित करने के लिए लिया गया था। पहला हिंदी दिवस 1953 में मनाया गया। यह दिन हमें भाषा के महत्व और उसके संरक्षण की याद दिलाता है। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी उपबंध हैं। अनुच्छेद 120 (संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा) भाग 17 में अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संसद में कार्य हिंदी में या अंग्रेजी में किया जाएगा। अनुच्छेद 343 (संघ की राजभाषा) संघ की राजभाषा हिंदी एवं लिपि देवनागरी होगी, संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप होगा।

विचारणीय
लोकमित्र गौतम

इसे विडंबना ही कहना चाहिए कि जिस हिंदी को बोलने, जिसमें मनोरंजन करने में युवा पीढ़ी खूब आनंद लेती है, उसे ही लिखने और पढ़ने में असहज रहती है। हालांकि इसके लिए सिर्फ वही नहीं जिम्मेदार है। ऐसे में इस समस्या के निराकरण के लिए परिवार, समाज से लेकर व्यवस्था तंत्र को भी विचार करना होगा।

हिंदी को लेकर सहज नहीं युवा पीढ़ी

भारत की कुल आबादी में से 65 फीसदी से ज्यादा युवा हैं, जिनकी उम्र 35 साल या इससे कम है। इनमें से 60 से 65 फीसदी युवा फर्राटे से हिंदी बोलते-समझते हैं। ये आमतौर पर हिंदी फिल्में भी देखते हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी के कार्यक्रम चाव से देखते हैं। मगर इनकी एक ऐसी कमजोरी है, जिस पर आम लोगों का यकायक ध्यान नहीं जाता। इनमें से करीब आधे युवा ऐसे हैं, जो हिंदी बोलते हैं, समझते हैं, लेकिन प्रवीणता से हिंदी पढ़ और लिख नहीं पाते। कुछ पढ़ते भी हैं तो सहजता से शुद्ध-शुद्ध नहीं पढ़ पाते।

आधी युवा आबादी है असहज: देश में हिंदी बोलने वाले करीब आधे युवा हिंदी में कतई सहज नहीं है। ऊपर से देखने में यह कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं लगती। यहां तक कि हिंदी भाषी मां-बाप को भी अपने हिंदी लिख और पढ़ न पाने में असहज बच्चों से किसी तरह की भावनात्मक परेशानी नहीं होती, लेकिन सच बात यह है कि हिंदी की सबसे कमजोर कड़ी यही युवा पीढ़ी है, जो ऊपर से तो हिंदी में बहुत सहज दिखती है, मगर भीतर से हिंदी को लेकर बिल्कुल असहज है। दरअसल, यही वह पीढ़ी है, जो अप्रत्यक्ष रूप में हिंदी को मौखिक भाषा तक सीमित करने में लगी है।

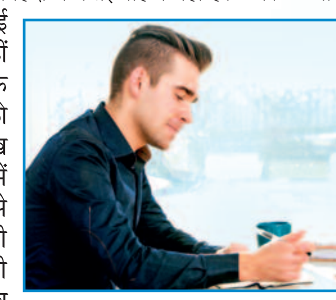

शैक्षिक-सांस्कृतिक विडंबना: यह सचमुच हिंदी के साथ बड़ी भाषाई विडंबना है, क्योंकि हिंदी बोलने वाले, हिंदी पढ़ने वाले, हिंदी में मनोरंजन करने वाले युवा बाहरी तौर पर यह प्रभाव देते हैं कि जैसे वो हिंदी सेवी हों। पर वास्तव में वो हिंदी सेवी नहीं होते। दक्षिण भारत में खासकर बेंग्लुरु, चेन्नई में जिन उत्तर भारतीय युवाओं की पहचान हिंदीभाषी होने से है, वास्तव में ये हिंदीभाषी समझे जाने वाली युवा पीढ़ी का बड़ा हिस्सा भी उन्हीं की तरह हिंदी में असहज है। भले यह बाहरी तौर पर हिंदी वाले लगते हों, पर सचमुच में ये हिंदी वाले नहीं हैं, हिंदी को इनसे फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि हिंदी बोलना, हिंदी में बातें करना, हिंदी में मनोरंजन करना, लेकिन हिंदी लिख और पढ़ न पाना या इसमें सहज न हो पाना, सिर्फ भाषाई समस्या नहीं है। यह सांस्कृतिक और शैक्षिक त्रासदी भी है।

नहीं है हिंदी की गहरी समझ: दक्षिण या पश्चिम भारत के बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के भी बड़े शहरों में ऐसे युवाओं की भरमार है। दिल्ली में भी 25 से 30 फीसदी ऐसे युवा हैं, जो बस हिंदी में बातें करते हैं, गाने सुनते हैं, वेब सीरीज देखते हैं, लेकिन सौ शब्दों का आवेदनपत्र हिंदी में नहीं लिख सकते। घंटों हिंदी में बहस करने वाले उस विषय पर एक पेज भी हिंदी में नहीं लिख पाते। यह इसलिए बड़ी समस्या है कि इससे हिंदी की असली समस्या पर पर्दा पड़ा रहता है। यह भ्रम बना रहता है कि हिंदी, बोलने, जानने और समझने वाले बहुत बड़ी तादाद में लोग हैं। लेकिन यह ऐसी ढोल के भीतर पोल वाली खोखली पीढ़ी है, जो न तो हिंदी का साहित्य जानती है, न कविता जानती है, न हिंदी के अखबार पढ़ती है और न ही हिंदी के ऐतिहासिक दस्तावेजों से ही इसका कोई परिचय है। ऐसे में भला यह पीढ़ी हिंदी का कैसे भला करेगी? यह तो उल्टा हिंदी में रह कर ही हिंदी को कमजोर करती है।

पहचान होती है मातृभाषा: अगर आप ऐसी पृष्ठभूमि से आते हैं कि आपके घर की भाषा यानी मातृभाषा हिंदी है और पढ़ाई और कामकाज की भाषा अंग्रेजी है, तो भले रोज के कामकाजी घंटों में आपको यह खुशफहमी रहती हो कि अपनी कमजोर हिंदी को लेकर आपमें किसी तरह की असहजता नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह होती है कि अगर हम अपनी मातृभाषा को पढ़ने और लिखने में सहज नहीं होते तो हमारे अंदर एक स्वतः जन्मी हीन भावना हर समय रहती है। जो लोग अपनी मातृभाषा को सही से लिखना, पढ़ना नहीं जानते, उन्हें अपनी दुनिया के सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों का भी पता नहीं होता। दिन रात अंग्रेजी पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय अंग्रेजी के मुहावरों, उसकी लोकोक्तियों में मौजूद गहरे सांस्कृतिक संदर्भों से कभी नहीं जुड़ पाते, इसलिए बहुत सी बातों को वो कभी भी गहराई से समझ नहीं पाते। हमें लिपि की कठिनाई का बहाना बनाकर अपनी भाषा से नहीं कटना चाहिए। एक बार अगर हम अपनी भाषा से कट गए, तो हम अपनी स्मृतियों से, पीढ़ीगत धरोहरों से और साहित्यिक विरासत से भी कट जाते हैं।

डिजिटल जीवनशैली का प्रभाव: इसमें आज की डिजिटल लाइफस्टाइल और बाहर के देशों से आने वाली तकनीकी का भी हाथ है। लेकिन इस आरोप से तो हम अपनी भाषा के साथ लगाव न रख पाने को सही नहीं ठहराते। माना कि डिजिटल युग में मोबाइल और सोशल मीडिया में रोमन लिपि में लिखे, पढ़े जाने का चलन है, जिससे देवनागरी की प्रैक्टिस खत्म होती है। लेकिन यह यूं ही स्वतः नहीं पैदा हो गया। इस स्थिति के पैदा होने में बकायदा सांस्कृतिक संदर्भों का योगदान है। आज जिस तकनीक का आप अपने जीवन में इस्तेमाल कर रहे हैं, वह किसी हिंदी भाषी ने नहीं विकसित की, वह इस तकनीक को हिंदी के अनुकूल क्यों विकसित करता? अतः हिंदी के साथ अपने सहज और आत्मीय रिश्ते आपको खुद ही रखने है, इसके लिए किसी तकनीकी कमी या उसके संकट को बहाना नहीं बना सकते। *

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं।

हिंदी हमारी मदर टंग है

मुझे हिंदी दिवस के एक कार्यक्रम में जाना पड़ा। मैं जैसे ही माइक के सामने हुआ खड़ा, आयोजक ने कहा, 'आज आपको हिंदी पर एक कविता जरूर सुनानी है।'

मैंने कहा, 'तो सुनिए, जो हिंदी की कहानी है। हिंदी समस्त भारतीय भाषाओं की रानी है। हिंदी का बड़ा सम्मान है। यह हमारी आन-बान-शान है। इस पर हमें गर्व है, दर्प है, अभिमान है। क्योंकि हिंदी महान है।

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं। वर्ष भर पूजाघरों में मूर्तिवत सजाकर-संवार कर धरते हैं। इस भाषा में नहीं है कोई खोट। इसे साल के बाकी दिनों में तलाशो तो हिंदी वैसे ही मिला करती है, जैसे किसी माफिया के पूजाघर में रखे हुए नंबर दो के करेंसी नोट।

हिंदी हमारी अभिलाषा है। यह हमारी राजभाषा है। इसलिए इसकी पूजा करना हमारी मजबूरी है। जैसे आज की सियासत में अशालीन होना जरूरी है।

हिंदी का बड़ा महत्व है। हिंदी से हमें ममत्व है। हिंदी हमारे लिए वैसे ही है, जैसे गांव वालों के लिए मेला, जैसे मजदूरों के लिए ठेला और रैली में रेला। हिंदी हमारी शोभा है, हमारा अलंकार है। हिंदी हमारा अंतिम प्यार है। हिंदी का नाम लेते ही हमारे अधरों पर फूल खिलते हैं। हिंदी हमारे लिए इसलिए भी प्यारी है

क्योंकि हिंदी में मांगों तो वोट भी आसानी से मिलते हैं। इसीलिए तो हर राजनेता हिंदी के साथ दिखता है। अहिंदी भाषी सियासातदान भी हिंदी सीखता है।

हिंदी पर अब और कितना सुनाऊं मेरे भाई? हिंदी हमारे भाल की बिंदी है, और लोग हैं कि इतनी-सी बात समझ पाते नहीं कि मर्द बिंदी लगाते नहीं। तो आधी आबादी को छूट, बच गई आधी तो उसको भी है आजादी कि फैशन से फुर्सत हो तो बिंदी लगाएं। इस विदेशी कल्चर की क्यारी में हम कैसे हिंदी का प्लांट लगाएं? कहिए, आयोजक जी, अभी भी आपका मन नहीं भरा हो तो हम हिंदी पर और भी सुनाएं।'

आयोजक बोला, 'अब आप कृपापूर्वक जाएं और नेक्स्ट ईयर अगेन हिंदी पर ऐसी ही एक नई कविता लिखकर अवश्य लाएं।' *

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

हिंदी बनाम इंग्लिश

रिया बहुत देर से अपने कमरे में चहलकदमी कर रही थी। नमिता ने पूछा, 'क्या बात है बेटी, क्यों परेशान हो?'

'मेरे स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग है, और पापा घर पर नहीं हैं।' रिया खीझे स्वर में अपनी मम्मी से बोली।

'अरे तो क्या हुआ? मैं हूं ना। मैं चलती हूं पैरेंट्स मीटिंग में।' मां बोलीं।

'आप तो रहने ही दें। आपको इंग्लिश बोलना कहां आती है? आप आएंगी तो मेरा स्कूल में मजाक ही बनेगा।' रिया का जवाब सुनकर मां स्तब्ध रह गई। इस बात के लिए वह अकसर अपने पति से भी खरी-खोटी सुनती थी, आज बेटी ने भी सुना दिया। कुछ दिनों बाद स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर एक प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला था, जिसका शीर्षक था, 'हिंदी बनाम इंग्लिश।' रिया जानती थी, मम्मी की हिंदी पर बहुत अच्छी पकड़ है। उसने पहले मम्मी से अपने पिछले बर्ताव के लिए मांफी मांगी फिर बोली, 'मम्मी, प्लीज आप मेरे लिए एक स्पीच लिख कर दे दीजिए।' मां पूरे मनोयोग से स्पीच लिखने में जुट गई। उसकी मेहनत रंग लाई। रिया को प्रथम पुरस्कार मिला। स्कूल से आते ही रिया अपनी मम्मी के गले लग गई, बोली, 'आपके लिखे स्पीच ने आज मुझे स्कूल में फेमस कर दिया। यूं आर ग्रेट मम्मी! यह पुरस्कार मैं आपको समर्पित करती हूं।'

अपनी बेटी की नजरों में अपने लिए सम्मान देख मां की आंखें खुशी से छलक आईं। *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर केनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in
NBC@

तरकश

संजय के. दीक्षित

17 बरस की अविराम यात्रा

2008 में हरिभूमि समाचार पत्र से प्रारंभ हुआ साप्ताहिक स्तंभ 'तरकश' ने 17 बरस पूरे कर लिए हैं...वो भी अविराम। जाहिर है, किसी भी स्तंभ के लिए सबसे जरूरी निरंतरता होती है। 2018 के लास्ट में महीने भर के भीतर दो निकटतम परिजनों को खोने की वजह से सिर्फ तीन हफ्ते का ब्रेक आया। वरना, रायपुर में रहे या रायपुर से बाहर, प्रयास हमेशा रहा कि तरकश अनवरत जारी रहे। इसका श्रेय छत्तीसगढ़ के सुधि पाठकों के भरोसा और जुड़ाव को जाता है। 2018 के पहले विरले कभी ब्रेक आया भी तो पाठकों के घनघनाते फोन और मैसेज ने प्रेरित किया कि कठिन हालातों में भी 'तरकश' कभी रुकना नहीं चाहिए। और वैसा ही हुआ। 2008 में तरकश प्रारंभ हुआ, उसके बाद चार विधानसभा चुनाव हुए। सरकारें बदली, सिस्टम बदला। मगर स्तंभ न रुका, न तेवर बदला...और न राग-द्वेष को कभी स्थान मिला। बहरहाल, किसी एक अखबार में किसी कॉलम की 17 बरस की यात्रा बहुत अधिक नहीं, तो कम भी नहीं कही जा सकती। इसके लिए हरिभूमि पत्र और उसके प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी को आभार, जिन्होंने विश्वासपूर्वक अपना प्लेटफार्म उपलब्ध कराया...आभार छत्तीसगढ़ के लाखों पाठकों का भी...जिनकी बदौलत तरकश का सफर अविराम जारी है।

आखिरी कप्तान, आखिरी आईजी

रायपुर जिला अंग्रेजी शासन काल के पहले अस्तित्व में आ गया था। कलेक्ट्रेट से लगा रायपुर का टाउन हॉल का निर्माण 1860 में हुआ। उससे पहले रायपुर में एसपी बैठने लगे थे। इसके बाद पिछले तीन-चार दशक की बात करें तो मध्यप्रदेश के दौर में रायपुर में विजय रमण से लेकर सीपीजी उन्नी, रुस्तम सिंह, सरबजीत सिंह जैसे एसपी रहे तो छत्तीसगढ़ बनने के बाद डीएम अवस्थी, अशोक जुनेजा कप्तान बने, जो बाद में डीजीपी तक पहुंचे। इस समय रायपुर जिला पुलिस के लिए खुशी का पल है तो इमोशनल होने का भी। रायपुर जिला पुलिस अब कमिश्नरेट में तब्दील होने जा रहा है। शायद एक नवंबर से रायपुर में पुलिस कमिश्नर बैठने लगेंगे। खुशी इसलिए कि रायपुर पुलिस का रुतबा बढ़ने वाला है और इमोशनल उन यादों को लेकर कि जिला पुलिस और एसपी अब अतीत की बात हो जाएगी। जाहिर है, डॉ0 लाल उमेद सिंह रायपुर जिले के आखिरी पुलिस कप्तान होंगे। अगले महीने 31 अक्टूबर के बाद यह पद समाप्त हो जाएगा। हालांकि, रायपुर आईजी अमरेश मिश्रा भी आखिरी आईजी होंगे। रायपुर पुलिस रेंज भी अब खतम हो जाएगा। उसकी जगह रायपुर ग्रामीण या फिर महासमुंद रेंज हो सकता है।

चीफ सिकरेट्री और संयोग-1

चीफ सिकरेट्री के रिटायर होने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। यह स्तंभ प्रकाशित होने के बाद अमिताभ जैन के एक्सटेंशन समाप्त होने में सिर्फ 14 दिन बच जाएंगे। अगला चीफ सिकरेट्री कौन बनेगा? इस यक्ष प्रश्न का जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं है। हैं तो सिर्फ अटकलें और संभावनाएं। ये अवश्य है कि 94 बैच की एडिशनल चीफ सिकरेट्री ऋचा शर्मा अब मजबूत दावेदार के तौर पर उभर रही हैं। ऋचा का नाम पहले नहीं था। मगर मंत्रालय के गलियारों में उनकी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, होना सब कुछ दिल्ली से है मगर ऋचा के नाम पर अगर मुहर लगी तो वे छत्तीसगढ़ की चौथी लोकल चीफ सिकरेट्री होंगी। सबसे पहले फरवरी 2014 में विवेक ढांड को मुख्य सचिव बनने का मौका मिला था। उनके बाद जनवरी 2018 में अजय सिंह आए, वे बिलासपुर के थे। और नवंबर 2020 में अमिताभ जैन सीएस बने, वे भी लोकल हैं। अब अगर ऋचा को मौका मिला, तो यह संख्या चार हो जाएंगी। बता दें, ऋचा छत्तीसगढ़ के जांजगीर जिले की रहने वाली हैं, उनके पिता रायपुर में जेलर रहे।

चीफ सिकरेट्री और संयोग-2

चीफ सिकरेट्री की दौड़ में 94 बैच के मनोज पिंगुआ का नाम भी शामिल हैं। दावा है कि 30 जून को पावर हाउस से अगर फोन नहीं आया होता तो मनोज मुख्य सचिव बन गए होते। मनोज अगर चीफ सिकरेट्री बनेंगे तो तीसरे मेरिटोरियस स्टूडेंट होंगे, जो सूबे की सबसे बड़ी प्रशासनिक कुर्सी तक पहुंचेंगे। पड़ोसी राज्य झारखंड के रहने वाले मनोज बोर्ड परीक्षा में मेरिट में आ चुके हैं। रांची के नामी आवासीय विद्यालय नेतरहाट से उन्होंने अपनी स्कूलिंग की है। उनसे पहले अजय सिंह और अमिताभ जैन भी मेरिटोरियस स्टूडेंट रहे हैं। खैर, संयोग तो सुब्रत साहू के साथ भी बनेगा। दूसरे नंबर के सबसे सीनियर आईएएस अधिकारी सुब्रत के पिता ओडिसा के चीफ सिकरेट्री रहे हैं। अगर सुब्रत को अवसर मिलेगा तो फिर चीफ सिकरेट्री का बेटा चीफ सिकरेट्री बनेगा। यहां अमिताभ जैन के बाद सबसे सीनियर आईएएस रेणु पिल्ले की चर्चा भी लाजिमी है। रेणु पिल्ले के पिता आंध्रप्रदेश के बड़े तेज तर्रार आईएएस थे। अगर रेणु का नंबर लगा तो आईएएस की बेटी बनेंगी मुख्य सचिव। अमिताभ जैन के बाद रेणु पिल्ले छत्तीसगढ़ की सबसे सीनियर आईएएस अधिकारी होंगी।

रेखाओं का खेल

चीफ सिकरेट्री के लिए वैसे तो नाम आधा दर्जन आईएएस अधिकारियों के चल रहे हैं। मगर एडीबी में मनीला में पोस्टेड विकास शील और भारत सरकार में कार्यरत अमित अग्रवाल का नाम अटकलों में इस समय उपर चल रहे हैं। दोनों छत्तीसगढ़ कैडर के अधिकारी हैं। विकास शील 94 बैच के आईएएस हैं। सीएस बनाने से पहले उन्हें मनीला से वापिस बुलाना होगा। वैसे 93 बैच के आईएएस अमित अग्रवाल अगर छत्तीसगढ़ आएं तो 94 बैच डिस्टर्ब नहीं होगा। फिर एसीएस लेवल पर चेंज की जरूरत नहीं पड़ेगी। मगर मिलियन डॉलर का सवाल है, डीएस मिश्रा, एमके राउत, सीके खेतान सीएस नहीं बन पाए और अशोक विजयवर्गीय, सुनील कुजूर को मौका मिल गया। जाहिर है, सीएस और डीजीपी बनने के लिए रेखाओं का खेल बड़ा होता है। जिसके हाथ में किस्मत की लकीरें चकमदार और गुरू प्रबल होगा, उसको कोई रोक नहीं पाएगा।

मंत्री कमजोर क्यों?

राजकाज के मामले में छत्तीसगढ़ के मंत्रियों का पारफर्मेंस कैसा है, इसकी रिपोर्ट सरकार के पास होगी। मगर राजनीतिक तौर पर मंत्रियों की बैकफुट वाली स्थिति सियासी पंडितों को हैरान कर रही है। एक तो विष्णुदेव कैबिनेट नए मंत्रियों से भरा हुआ है। बोलने-बालने में दो-एक फायर ब्रांड मंत्री थे या आगे बढ़कर खेलने वाले...वे आश्चर्यजनक तौर पर खुद को समेट लिए हैं। बाकी को कहां क्या हो रहा, इससे कोई वास्ता नहीं। विपक्ष के हमलों का बीजेपी को सत्ताधारी पार्टी की तरह जवाब देना चाहिए, वो सिरे से नदारत है। उल्टे डेढ़ साल पहले 72 सीट से आधे पर आ गई कांग्रेस पार्टी का इतना जल्द उठ खड़े होना बीजेपी के रणनीतिकारों के माथे पर बल डाल रहा है। कुल मिलाकर आशय यह है कि सत्ताधारी पार्टी में वो औरा और कांफिडेंस नहीं दिखाई पड़ रहा, जिसकी आम आदमी उम्मीद कर रहा है। काम होना, न होना अलग बात है। सत्ता खेमे का इकबाल तो दिखना चाहिए। इसके लिए मंत्रियों और नेताओं को एक्स्ट्रा बुस्टप देने की जरूरत है।

नए पुलिस रेंज का नाम?

रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू करने के बाद महासमुंद, धमतरी, बलौदाबाजार और गरियाबंद जिले के लिए एक अन्य पुलिस रेंज का गठन किया जाएगा। पिछली सरकार के समय रायपुर ग्रामीण रेंज बनाया गया था। डॉ0 आनंद छाबड़ा और अजय यादव खुफिया चीफ के साथ सिर्फ रायपुर जिले वाले रेंज के आईजी थे। उससे पहले रमन सरकार के दौरान मुकेश गुप्ता रायपुर के सिंगल जिले वाले रेंज के आईजी रहे। पिछली सरकार में धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद और बलौदाबाजार जिले के लिए शेख आरिफ को आईजी बनाया गया था। इसी तरह अब पुलिस कमिश्नर सिस्टम प्रभावशील होने के बाद रायपुर पुलिस रेंज का अस्तित्व हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। चार जिलों का पुलिस रेंज सरकार किस नाम से बनाएगी, इसका अभी संकेत नहीं मिला है। मगर सबसे उपयुक्त महासमुंद होगा। महासमुंद में अगर रेंज बनेगा तो फिर वहां से धमतरी, गरियाबंद और बलौदा बाजार को कंट्रोल करना आसान होगा। रायपुर से लगा होने की वजह से आईपीएस अधिकारियों में महासमुंद को लेकर क्रेज भी रहेगा।

पुलिस कमिश्नर कमेटी और विरोधाभास

छत्तीसगढ़ के वीवीआईपी जिला जशपुर के साथ टॉप के तीनों जिलों रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में स्टेट कैडर से प्रमोटेड आईपीएस एसएसपी हैं। बड़े जिलों की बात करें तो बस्तर, सरगुजा, रायगढ़ और कोरबा में ही डायरेक्ट आईपीएस को एसपी बनाया गया है। मगर ए केटेगरी के तीन जिलों में से एक में भी डायरेक्ट आईपीएस नहीं हैं। पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मानते हैं कि स्टेट में आरआर वाले आईपीएस ने अपने आप को बुरी कदर डिरेल्ड कर लिया है...इम्पॉर्टेंट जिलों में पोलिसिंग के लिए स्टेट वाले इन तीन-चार अफसरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। मगर पुलिस कमिश्नर सिस्टम के लिए कमेटी बनी तो उसमें स्टेट पुलिस वाले एक को भी शामिल नहीं किया गया। सातों के सातों डायरेक्ट आईपीएस। जबकि, बेसिक पोलिसिंग की बातें आती हैं, उसमें स्टेट वालों का तजुर्बा आरआर वाले भी मानते हैं। तो क्या स्टेट वाले आईपीएस की पोलिसिंग पर भरोसा है मगर उनके ज्ञान पर नहीं? यह सवाल तो उठता ही है।

बीजेपी-कांग्रेस भाई-भाई

बिलासपुर की पॉलीटिक्स गजबे की है। पार्टी भले ही अलग-अलग, मगर काम और चाल दोनों लगभग बराबर। वहां कांग्रेस की सरकार आती है तो बीजेपी वालों को कोई दिक्कत नहीं होती और बीजेपी की सरकार आती है तो कांग्रेस वाले मस्त रहते हैं। पिछली कांग्रेस सरकार में एक विधायकजी के नेतृत्व में थाने में अपनी ही सरकार के मुखिया का मुर्दाबाद का नारे लगवा दिए गए तो बीजेपी सरकार में बीजेपी से जुड़े लोग झंडा लेकर इस हफ्ते एसएसपी के ऑफिस में हंगामा मचा आए। सत्ताधारी पार्टी को इतना तो पता होना ही चाहिए कि जिले का कलेक्टर, एसपी मुख्यमंत्री का प्रतिनिधि होता है। बड़े नेताओं और मंत्रियों को कैडर के लिए रिफ्रेशर कोर्स चलाते रहना चाहिए।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. बलौदा बाजार कांड में कलेक्टर को क्लीन चिट देकर डीई खतम कर दी गई तो फिर सीएस अमिताभ जैन के लिखने के बाद भी एसपी को क्यों नहीं?
2. क्या ये सही है कि छत्तीसगढ़ का सीएस बनाने के लिए आईएएस विकास शील को मनीला से वापिस बुलाने भारत सरकार ने पत्र मेल कर दिया है?

राज्य के अंतिम गांव पामेड़ सहित 7 पंचायतों को कवर करने वाली बस बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

सर्वाधिक नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले का अंतिम छोर जिला मुख्यालय से पामेड़ तक 30 साल बाद यात्री बस शुरू हुई, जिससे ग्रामीणों को तेलंगाना से होते हुए अपने गांव जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि बीजापुर से सीधे पामेड़ पहुंच रहे थे। राज्य के अंतिम गांव पामेड़ सहित सात पंचायतों को कवर करने वाली बस सेवा रही। आवापल्ली, बासागुड़ा, तर्रेम, चिन्नागेल्लूर, गुंडेम, कोंडापल्ली, जीडपल्ली, करवगट्टा और धर्मारम होते हुए पामेड़ पहुंचती थी। इसमें रोजाना बड़ी संख्या में यात्री सफर करने लगे थे। बस से पामेड़ क्षेत्र के लगभग एक दर्जन गांव बीजापुर मुख्यालय से कनेक्ट हो गया था, पर 25 एवं 26 अगस्त को भारी बारिश एवं कच्ची सड़क होने से अब यानि 15 दिन से यह बस बंद हो गया है। यह बस वर्तमान में बासागुड़ा तक ही चल रही है। बताया जा रहा है कि बीजापुर जिले का आखिरी गांव पामेड़, बीजापुर से अंदर तक पहुंच से दूर है, बस शुरू होने से पहले तेलंगाना के रास्ते पामेड़ पहुंचने में लगभग 200 किलोमीटर अधिक जाना पड़ रहा है।

बारिश में बस चलना मुश्किल

बीजापुर से पामेड़ जाने वाली बस के चालक ने बताया कि बीजापुर से बासागुड़ा तक बस पहुंच रही है। उसके बाद कोंडापल्ली, जिदपल्ली, पामेड़, तर्रेम, चिन्नाबेलूर मार्ग की सड़क कच्ची होने से बारिश में बस चलना मुश्किल है, जहां बस चलने से सड़क में ही बस के पहिए फंसने की संभावना रहती है।

चरित्र शंका और पुरानी रंजिश बनी हत्या की वजह, पिता-बेटा गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

- पति-पत्नी सहित दो बच्चों की निर्मम हत्याकांड का खुलासा

रायगढ़ पुलिस ने खरसिया ठुसेकेला में पति-पत्नी सहित दो बच्चों की निर्मम हत्याकांड का महज़ 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। चरित्र शंका और पुरानी रंजिश हत्या की वजह बनी है। पुलिस ने लकेश्वर पटैल व उसके नाबालिग बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। 11 सितंबर को ग्राम ठुसेकेला राजीव नगर में बुधराम उरांव (42) उसकी पत्नी सहोद्रा (37), बेटा अरविंद (12) और शिवांगी (5) के शव बाड़ी में खाद के गड्ढे से बरामद हुए। अज्ञात आरोपियों ने धारदार हथियार से उनकी हत्या कर दी थी। जांच टीम को पड़ोसी लकेश्वर पटैल पर संदेह हुआ। साक्ष्य मिलने पर पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूल करते हुए बताया कि राजमिस्त्री का काम करता है, उसका पडोसी बुधराम उराँव भी राजमिस्त्री का करता है जो अपने परिवार के साथ रहता था। दोनो के बीच पिछले कुछ समय से कई कारणों से झगड़ा विवाद हुआ था।

धान से लदी पिकअप की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

कुरूद। कुरुद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चर्रा में धान से लदी पिकअप की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान मंगलू ध्रुव के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में मातम छाया हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल कुरुद पहुंचाया। पुलिस आरोपी पिकअप चालक को गिरफ्तार कर वाहन को जब्त कर आगे की कार्रवाई कर रही है। घटना शनिवार दोपहर करीब 1 बजे की है। लेड़गूराम ध्रुव पिता मंगलू ध्रुव उम्र करीब 80 वर्ष निवासी दंतेश्वरी चौक ग्राम चर्रा अपने खेत से लौटकर भाठापारा घर की ओर जा रहा था तभी पिकअप वाहन सीजी 04 क्यूए 3221 ने रिवर्स लेते समय बुजुर्ग को अपनी चपेट में ले लिया। इससे बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई।

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
तृतीय ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

क्र.08/न.पा.नि./प्र.वि./2025-26 दिनांक 12/09/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत "बी" व प्रवर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	निविदा डाउनलोड/सबमिट करने की अंतिम तिथि
175647	STREET LIGHT INSTALLATION AT VARIOUS LOCATION IN NAGAR NIGAM BILASPUR.	548.27	25/09/2025

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

Green City, Clean City, Dream City.

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
स्टोर्स आइटम्स की आपूर्ति हेतु निविदा सूचना

ई- निविदा सूचना संख्याः एनआईटी/14/25/40, दिनांक 09.09.2025.

क्र. सं.	टेन्डर संख्या	विवरण	निविदा बंद/खुलने की तिथि	मात्रा
1.	06250093	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट (आरजीसी) फॉर मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ 60 केजी ग्ल्यूड इंसुलेटेड रेल जॉइंट्स (जी-3) (एल) टाइप कन्फर्मिंग टू आरडीएसओस डीआरजी नं. टी-2572 विथ लेटेस्ट अल्टरेशन	26.09.2025	13500 नग
2.	03252882A	हाईयर केपिसिटि एयर स्प्रिंग असेम्बली (160 केएन)	26.09.2025	35 नग
3.	07253001B	सॉफ्ट ब्लेंकेट केमल/नेवी ब्लू/ग्रे शेड ऑफ सुपिरियर क्वालिटी	25.09.2025	40,000 नग
4.	08251513	सर्वोप्लेक्स एसएचसी-120	09.10.2025	14,196 के.जी.

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते है।

सीपीआर/10/313 कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पंचायत पखांजूर जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

फोन/ फैक्स नम्बर 07844-231036, ईमेल- nppakhanjore@gmail.com

क्रमांक/935/राजस्व शाखा/न.पं./2025-26 पखांजूर, दिनांक 10.09.2025

// नीलामी सूचना //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत पखांजूर में प्रभावशील कर साप्ताहिक मवेशी बाजार (पशु पंजीयन शुल्क वसूली का ठेका, पी.आई.सी. बैठक दिनांक 04.09.2025 के प्रस्ताव क्रमांक 01 में लिये गये निर्णय अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में दिनांक 01.10.2025 से 31.03.2026 तक (कुल 06 माह) की अवधि के लिए आम नीलामी नगर पंचायत कार्यालय, पखांजूर में आयोजित की जाएगी नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति निर्धारित नगद अमानत राशि दिनांक 25.09.2025 को समय 12:00 बजे दोपहर तक नगर पंचायत कार्यालय में जमा कर नीलामी में भाग ले सकते हैं विवरण निम्नानुसार हैः-

साप्ताहिक मवेशी बाजार (पशु पंजीयन) प्रथम नीलामी-

क्र.	कर / शुल्क का नाम	नीलामी वर्ष 2025-26 की शासकीय बोली	अमानत राशि (10%)	सालवेंशी की राशि (35%)	सालवेंशी की अभाव में नगद राशि	5% प्रतिशत मुल्य के बराबर स्टॉम्प की राशि	नीलामी तिथि एवं स्थान
1	साप्ताहिक पशु पंजीयन (मवेशी बाजार) कर /शुल्क	420000.00	42000.00	147000.00	147000.00	21000.00	दिनांक 25.09.2025 समय 03:00 बजे से नगर पंचायत पखांजूर सभा कक्ष में

टीपः- उपरोक्त नीलामी सूचना की सामान्य शर्ते, विस्तृत विज्ञप्ति व अन्य दस्तावेज विभागीय वेब साइट www.uad.cg.gov.in से प्राप्त की जा सकती है अथवा कार्यलयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत पखांजूर
जिला उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

पश्चिम मध्य रेल
खुली निविदा

दिनांक 10.09.2025

निम्नलिखित कार्य के ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति यूनिट, पश्चिम मध्य रेल्वे जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांक :** सी पी एम-जी एस यू-जबल-ई पी सी – 01-2025 दिनांक 10.09.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेलवे स्टेशन का इंजीनियरिंग खरीद एवं निर्माण के आधार पर प्रमुख उन्नयन का कार्य (EPC), **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपये :** 231,63,00,000/- **बयाना राशि रूपये :** 1,15,81,500/-, **समापन अवधि :** 30 माह, निविदा, प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे तक : 27.10.2025, **निविदा खुलने का समय 15.15 बजे तिथि :** 27.10.2025, उपरोक्त ई-निविदा के संपूर्ण जानकारी वेबसाइट "http://ireps.gov.in" उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मुख्या परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति यूनिट, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

हस्ता.
सहायक मंडल अभियंता (गति शक्ति यूनिट)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. DYCEGSUWAT ENGG2025008, दिनांक : 02.09.2025

कार्य का नाम : पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल के सिगडाम - चीपुरुपल्लि स्टेशन के बीच KM: 786/3-5 में मौजूदा मानवयुक्त LC-447 के स्थान पर RE दीवार के साथ पुल पहुंच मार्ग सहित (1X42 MTR कम्पोजिट गर्डर + 2X18 MTR कम्पोजिट गर्डर + 4X24.0 MTR RCC टी-बीम गर्डर) के साथ आरओबी का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत: ₹ 41,54,71,189.82, **EMD :** ₹ 22,27,400/-, **कार्य पूरा होने की अवधि:** 24 (चौबीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 07.10.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को उनके लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता (GSU)/ वाल्टियर

PR-106/CI/25-26

अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

महासमुंद। बेमचा स्थित बड़ी नहर में पिछले दिनों एक व्यक्ति की लाश बरामद की गई थी। इस मामले में सिटी कोतवाली में अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतक अज्ञात पुरूष उम्र करीबन 30-35 वर्ष की मर्ग जांच एवं पंचनामा कार्रवाई तथा घटनास्थल निरीक्षण में मृतक के मुंह में कपड़ा ठूंसने तथा मृतक के चेहरे, गला व गुप्तांग में चोट पहुंचाने एवं साक्ष्य नष्ट करने मृतक के शव को पानी में फेंकना पाया गया। वहीं मृतक के शव के शार्ट पीएम रिपोर्ट के आधार पर कोतवाली में अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध धारा 103 (1), 238 बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

जेल में हथियार से एक कैदी पर हमला से सनसनी

राजनांदगांव। जिला जेल के भीतर कैदियों के बीच गैंगवार हुई जिसमें युवराज राजपूत नामक कैदी पर 4-5 अन्य कैदियों ने स्टील ग्लास को तरास कर बनाये गए हथियार से हमला कर घायल किए जाने की खबर है। सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार गत दिवस हमलावरों ने युवराज के चेहरे और पीठ पर कई वार किए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद युवराज के साथी कैदी और परिजन कोतवाली पहुंचे, जहां उन्होंने शिकायत दर्ज कराई। हमला चल रही गुटबाजी और पुरानी रंजिश का परिणाम बताया जा रहा है। युवराज राजपूत, जो एक आपराधिक मामले में जेल में बंद था, अपने बैरक से बाहर निकला था, तभी एक प्रतिद्वंद्वी गुट के 4-5 कैदियों ने अचानक स्टील ग्लास को काटकर बनाये गए हथियार से हमला बोल दिया।

फवाद और वाणी की 'अबीर गुलाल' भारत में हो रही रिलीज

मुंबई। फवाद खान और वाणी कपूर की फिल्म 'अबीर गुलाल' पर खूब विवाद हुआ था। विवाद की वजह थी कि इसमें काम करने वाले पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान। बढ़ते विवाद को देखते हुए इस फिल्म को 12 सितंबर को दुनियाभर में रिलीज किया गया है और अब यह फिल्म आखिरकार भारत में रिलीज होने जा रही है। इसी के साथ फिल्म 'अबीर गुलाल' की रिलीज तारीख भी सामने आ गई है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'अबीर गुलाल' को 26 सितंबर, 2025 को भारत में रिलीज किया जाएगा। एक सूत्र ने कहा, अबीर गुलाल 12 सितंबर को दुनियाभर में रिलीज हो गई है। इंडियन स्टोरीज लिमिटेड की टीम ने अब इसे भारत में रिलीज करने की योजना बनाई है।

लाइफ Style

पूजा
इन फिल्मों से मचाएंगी धमाल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री पूजा हेगड़े साउथ के साथ-साथ बॉलीवुड में भी काम कर रही हैं। साल 2012 में तमिल फिल्म 'मुगामुदी' से उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। उसके बाद साउथ की और भी कुछ फिल्मों में काम किया और फिर साल 2016 में ऋतिक रोशन की फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा।

पूजा की जोड़ी अब तक शाहिद कपूर से लेकर सलमान खान तक कई अभिनेताओं के साथ बन चुकी है। पूजा जल्द ही बॉलीवुड फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आएंगी। इसका निर्देशन डेविड धवन कर रहे हैं और फिल्म के हीरो हैं वरुण धवन। फिल्म में वरुण की जोड़ी पूजा के साथ बनी हैं और अभिनेत्री मृणाल ठाकुर भी इसमें अहम भूमिका निभा रही हैं। फिल्म में 'बीवी नंबर 1' के हिट गाने 'चुनरी चुनरी' का रिमिक्स भी देखने को मिलेगा। यह फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। खबरें थीं कि पूजा को दुलकर सलमान की फिल्म में साइन किया गया है, जो 'लोकाह चैप्टर 1- चंद्रा' की सफलता का जश्न मना रहे हैं और अब निर्माताओं ने भी फिल्म में उनके नाम पर मोहर लगा दी है और पूजा का स्वागत किया है। डीक्यू41' में पूजा, दुलकर की प्रेमिका बनी हैं। फिल्म में पूजा की एंट्री से प्रशंसकों की खुशी का ठिकाना नहीं है। उधर निर्माताओं का पूरा भरोसा है कि दुलकर-पूजा की जोड़ी धमाल मचा देगी। सुपरस्टार थलापति विजय पिछले चार दशकों से सिनेमा पर राज कर रहे हैं। अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्मों से विजय ने हमेशा से ही बड़े पर्दे पर तूफान लाया है।

'तारक मेहता..' ने फिर रचा इतिहास
2 बार गिनीज बुक में भी दर्ज करा चुका नाम

मुंबई। जब भी टीवी के लोकप्रिय धारावाहिकों की बात होती है तो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' का जिक्र जरूर होता है। अपनी शुरुआत से ही से ये दर्शकों की पसंद रहा है। शो को लेकर चाहे कितना ही विवाद क्यों न होता रहे, लेकिन कोई शक नहीं कि इसकी टीम कमाल की है। अब इस शो ने एक और नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। ये टीवी की दुनिया का सबसे लंबा चलने वाला भारतीय सिटकॉम बन गया है।

4,500 एपिसोड से बना सबसे लंबा चलने वाला भारतीय सिटकॉम : साल 2008 में शुरू हुआ निर्माता असित मोदी का ये शो पिछले 17 सालों से लगातार दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। शो ने अपने 4,500 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। ये उपलब्धि न केवल भारत के सबसे लंबे समय तक चलने वाले सिटकॉम के रूप में शो की विरासत को आगे बढ़ाती है, बल्कि सालों से परिवार को एक साथ लाने वाली संस्कृति को भी और मजबूत करती है। ये शो पीढ़ी दर पीढ़ी दर्शकों को जोड़ रहा है।

जश्न मनाने साथ आया शो का पूरा परिवार: इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' का पूरा परिवार उन लोगों को सम्मानित करने के लिए एक साथ आया, जो शुरुआत से ही इस शो का हिस्सा रहे हैं। लेखकों से लेकर तकनीशियन, सेट डिजाइनर और प्रोडक्शन स्टाफ तक, जिन्होंने लगभग दो दशकों तक पर्दे के पीछे इसे शो की लोकप्रियता बरकरार रखने में अपना बड़ा योगदान दिया। असित ने इस खास मौके पर अपने शो की पूरी टीम के साथ केक काटा।

क्या बोले शो के निर्माता? : ये सफलता सिर्फ हमारी नहीं है, बल्कि उन सभी लोगों की है, जो शुरू से हमारे साथ जुड़े रहे हैं। हमने उनके साथ शो की कामयाबी का जश्न मनाया, क्योंकि वो ही इसकी असली ताकत हैं। मैं कलाकारों, टीम और अपने दर्शकों का शुक्रिया अदा करता हूं, क्योंकि उन्हीं की वजह से हम आज यहां तक पहुंच पाए हैं। बता दें कि 'तारक मेहता' में अब तक कई सितारे आए और गए, लेकिन इसकी लोकप्रियता कम नहीं हुई।

'छम्मक छल्लो' फेम सिंगर एकॉन को बड़ा झटका...

लॉस एंजिल्स। मशहूर गायक एकॉन कुछ दिनों बाद ही अपनी 29वीं शादी सालगिरह मनाने वाले थे। अब उससे पहले ही उनकी पत्नी टोमेका थियम ने तलाक के लिए अर्जी दे दी है। पीपुल डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, थियम ने गायक एकॉन से तलाक मांगते हुए कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। उन्होंने अपने सेपरेशन की तारीख को 'टीबीडी' के रूप में अंकित किया है। साथ ही उन्होंने बताया कि दोनों की एक 17 साल की बेटी जर्नी है। थियम ने बेटी जर्नी की जॉइंट कस्टडी की मांग करते हुए अनुरोध किया है कि बेटी उनके साथ ही बनी रहे। हालांकि, एकॉन जब चाहें अपनी बेटी से मिल सकते हैं। उन्होंने अदालत से यह भी अनुरोध किया कि उन्हें गुजारे के लिए आर्थिक सहायता मिले पर एकॉन को किसी तरह की सहायता न दी जाए।

'टू मच विद काजोल...' का टीजर जारी

मुंबई। ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो के नए टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' की राह दर्शक लंबे समय से देख रहे हैं। खास बात यह है कि इस शो की मेजबानी की जिम्मेदारी काजोल और ट्विंकल खन्ना को सौंपी गई है। अब 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' का टीजर रिलीज हो गया है, जिसमें काजोल और ट्विंकल की झलक दिख रही है। आइए जानें आप यह टॉक शो कब और कहां देख सकते हैं। काजोल और ट्विंकल के टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' का प्रीमियर 25 सितंबर, 2025 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। प्राइम वीडियो ने टीजर साझा करते हुए लिखा, 'जब बुद्धि और नटखटपन मिलते हैं, तो नतीजा होता है टू मच। टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' में फिल्म जगत की जानी-मानी हस्तियां शामिल होंगी। जो काजोल और ट्विंकल के साथ दिलचस्प बातचीत करेंगी।

अभिनेत्री अनुष्का ने सोशल मीडिया से बनाई दूरी...

मुंबई। अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी मौजूदा वक्त में फिल्म 'घाटी' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है और यह बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अब अनुष्का से जुड़ी एक ऐसी खबर सामने आ रही है, जिससे उनके प्रशंसक यकीनन निराश हो जाएंगे। दरअसल, अनुष्का ने सोशल मीडिया से ब्रेक लेने का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक नोट साझा कर इसकी जानकारी दी है। अनुष्का ने लिखा, 'नीली रोशनी को मोमबत्ती की रोशनी में बदल रही हूं... कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूर रहूंगी। बस दुनिया से फिर से जुड़ने की कोशिश कर रही हूं। स्क्रॉलिंग के अलावा उस जीवन में लौटना चाहती हूं, जहां से हम सबने शुरुआत की थी।

जुनैद और साई की फिल्म 'मेरे रहो' दिसंबर में होगी रिलीज...

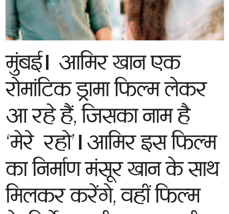

मुंबई। आमिर खान एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'मेरे रहो'। आमिर इस फिल्म का निर्माण मंसूर खान के साथ मिलकर करेंगे, वहीं फिल्म के निर्देशन की कमान सुनील पांडे ने संभाली है। 'मेरे रहो' के हीरो आमिर के बेटे जुनैद खान हैं। इसमें उनकी जोड़ी साई पल्लवी के साथ बनी है। यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब 'मेरे रहो' की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'मेरे रहो' को 12 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। पहले इस फिल्म का शीर्षक 'एक दिन' रखा गया था। खबर थी कि यह फिल्म 7 नवंबर, 2025 को रिलीज होगी, लेकिन अब नई रिलीज तारीख का ऐलान हो गया है। आमिर और मंसूर की जोड़ी इस फिल्म से 17 साल बाद सिनेमा में वापसी कर रही है।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

टीचर

आवश्यकता है- प्रोफेसर कॉलोनी व रावतपुरा स्थित उज्जवल पब्लिक स्कूल में नर्सरी से 10वीं (अंग्रेजी माध्यम) तक SST, संस्कृत, अंग्रेजी, पढ़ाने हेतु अनुभवी शिक्षकों व प्रिंसिपल की आवश्यकता है संपर्क करे:- 9827187027, 7000376167.(RO-264)

आवश्यकता

आवश्यकता है- ऑटो एसेसरीज होलसेल शॉप में कार्य हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार संपर्क- श्री राम ऑटो एम.जी. रोड. रायपुर मोबाइल - 9300627327. (RO-6704)

प्रबंधक/प्रभारी/चपरासी

आवश्यकता है- जिला प्रबंधक, जिला प्रभारी, क्षेत्र सहायक, कम्प्युटर कर्मी, ड्राइवर, चपरासी, गार्ड। वेतन (10,000/- से 40,000/-) पद संख्या, 56, इच्छुक (युवा-युवतिया- अन्य) बायोडाटा, मार्कशीट, फोटो, दो लिफाफा,10/- टिकट सहित भेजें/ संपर्क करें अंतिम 30-9- 2025। पता- छत्तीसगढ़ ब्यूरो कार्यालय - मोवा (छत्तीसगढ़ अस्पताल के पीछे) रायपुर। मो. 98279-11081.(RO-6711)

सर्वेयर

आवश्यकता है- रायपुर एवं बिलासपुर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों हेतु सेल्समैन कम सर्वेयर चाहिए महीना आय 21000 रुपए टीए, डीए सहित नियम शर्तें लागू। सम्पर्क- राधाकृष्णा सेवा संस्थान रायपुर बिलासपुर 8109100493. (RO-38668)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मेड

आवश्यकता है- गृह सहायक (मेड) की आवश्यकता है (उम्र 25 - 40 वर्ष) घरेलू काम, 24 घंटे घर पर रहने के लिये, स्थान- बैरन बाजार, रायपुर, मोबाइल नंबर- 7225844359. (RO-6703)

ड्रायवर

आवश्यकता है- तेलीबांधा के आस पास घरेलू कार चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन -15000, 11 घंटे ड्यूटी, सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक सम्पर्क करे मोबाईल नं.- 97541 60228. (RO-7227)

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 30 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 20,000/- प्रतिमाह । रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी । जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें । पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल करने का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क :- 9644720222.(RO-12)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- ऑटोपार्ट्स की दुकान में पैकिंग कार्य हेतु लड़को की आवश्कता हैं। वेतन योग्यतानुसार । संपर्क - तृप्ति सेल्स कार्पोरेशन, एम. जी.रोड,रायपुर । मोबाइल 9340273375.(RO-260)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम दुकान में काम करने हेतु अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़कों की आवश्यकता संपर्क करें:- दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास मोबाइल:- 98271-14645, 91311-39179.(RO-274)

सेल्समैन

आवश्यकता है- रायपुर की प्रतिष्ठित ज्वेलरी शॉप में आवश्यकता है, अनुभवी सेल्समैन की, वेतन योग्यतानुसार। समय 1 से 3 संपर्क:- समृद्धि ज्वेलर्स सदर बाजार रायपुर। मो.- 7000171415.(RO-7383)

पैकिंग/ड्रायवर कार्य

आवश्यकता है- 400/- प्रतिदिन (+) ओवरटाइम 500/- फटाका जमाना, पैकिंग, बिल बनाना, ड्राइवर। लड़कों की आवश्यकता। सम्पर्क :- तापड़िया फटाका, नेमींचंद गली, तेलघानीनाका चौक, रायपुर (RO-962)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की वेतन 10000/- से 15000/- तक +कमीशन संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल:- 9329103178.(RO-265)

क्लीनिक कार्य

आवश्यकता है- आयुर्वेदिक क्लीनिक में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़किया/ पुरूष/ महिला जरूरत संपर्क:-डॉ. अग्रवाल गुरूद्वारा स्टेशन रोड दुर्ग मोहन नगर थाना के सामने मो 98271 99213.(आरो न.-672)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- मेडिकल होलसेल (सीएंडएफ) में आवश्यकता है बिलिंग कार्य हेतु अनुभवी कंप्यूटर ऑपरेटर, संपर्क: मणिधारी ट्रेडर्स ,औषधि वाटिका, मेडिकल कॉम्प्लेक्स डूमरतराई रायपुर. 9669164000, 9165929000. (RO-441)

ऑफिस/हेल्पर कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस एवं हेल्पर कार्य हेतु आठवीं /दसवीं जरूरतमंद लड़के लड़कियां ही संपर्क करें (ग्रामीण जरूरतमंद को प्राथमिकता) संपर्क (9 से 11) अक्षर प्रिंटर्स, गोल बाजार रायपुर (अलका रेस्टोरेंट के बाजू गली में) 9826679757. (केवल व्हाट्सएप)(RO-0053)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 10000 + कमीशन +बोनस +प्रमोशन + रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना 8770508791, 7225815090.(RO-416)

फैब्रिकेटर/इंजीनियर

आवश्यकता है- नंदनी (अहिवारा) स्थित स्टील फेब्रिकेशन प्लांट हेतु, अनुभवी फैब्रिकेटर-5 ,क्वालिटी इंजीनियर-5 , प्रोडक्शन सुपरवाइजर-5 (10वर्ष अनुभव), फिमेल आफिस स्टाफ -2(अनुभव 2साल) , इलेक्ट्रीशियन-2,इलेक्ट्रीकल टक्नेशियन-2, ठेकेदार -5(खाने रहने की सुविधा है). 91315-34571, 97111-15583.(आरो न.-7199)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

अन्य

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5-G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 8420549466.(RO-1159)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या- 790 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500+56500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने हेतु आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (सचिन शर्मा)- 7054311719. (RO-1152)

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:- 9229187457. (RO-1137)

Services सर्विसेस

सर्विस - गारण्टी के साथ मोटापा घटायें या बढ़ायें सम्पर्क करें- राजकुमार सर 09827837045, निशु मेम 09827250697.(RO-38697)

For Rent किराया

For Rent and Sale- Navi Mumbai midc Plots 500 to 12000 sqmtr. Also available Prime locations Offices, warehouse and Shops 300 to 10000 sqft. Call 9820610837.(RO-22717)

मकान किराये से देना है- 3 बीएचके 519A बी.आर.यादव सुंदर नगर, फुटबॉल हाउस के पीछे रायपुर सरकारी नौकरी व बैंककर्मी को प्राथमिकता संपर्क - 9926115916, 9340292326.(RO-6706)

किराये से देना है- वृंदावन धाम श्रीकृष्ण नगरी (U.P.) एसी रूम, गीजर, फ्रिज, टीवी अटैच वॉशरूम, लिफ्ट 5 स्टार रूम मात्र 1200/- प्रतिदिन किराया सभी मन्दिर के पास सम्पर्क करें- श्री उमेश गौतम 8881119584 (RO-38633)

Property प्रापर्टी

मकान/प्लाट

मकान बेचना है- 2BHK मकान बेचना है टिकरापारा बजरंग चौक साहू मोहल्ला मो.- 9691799340, 7089779078.(RO-6705)

प्लॉट बेचना है - पपूर्व दिशा वाला प्लॉट बिक्री के लिए:1706 स्क्वायर फीट का प्लॉट, 49.5 लाख में रहेजा होम्स सोसाइटी, दलदल सिवनी रायपुर में। संपर्क करें: 7879576933. (RO-6707)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- बंगाली डायवोसी विदुर 40/5'3" इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्टर प्रतिमाह इनकम- 50000/- हेतु वधु चाहिए। जातिबंधन नहीं ,बच्चे वाले संपर्क ना करें (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) मो.- 9826294381, 9389024361 (671)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेम प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि क्लासीफाईड एजेंसी
विज्ञापन हेतु संपर्क करें...

एजेंसी	पता	संपर्क नं.
अतुल पब्लिसिटी	सदर बाजार	94062-00210
ओम विज्ञापन एजेंसी	न्यू राजेन्द्र नगर	93036-90016
मितनिशा एड	रियो कॉम्पलेक्स देवपुरी	93298-46567
नाईस पब्लिसिटी	शारदा चौक	93002-19536
महेश्वरी पब्लिसिटी	देवेन्द्र नगर	0771-2234113
प्रेमप्रकाश मध्यानी	श्याम नगर/कटोरा तालाब	93294-07988
माँ एड एजेंसी	पी.एस. सिटी	93005-12211
राजेश पब्लिसिटी	समता कालोनी	99263-08899
विजय घोष	पुरानी बस्ती	98261-16051
आदित्य एड एजेंसी	टिकरापारा	93010-51757
देव एड एजेंसी	जयस्तंभ चौक	98268-77609
खन्ना एड एजेंसी	स्टेशन रोड	93001-60001
छत्तीसगढ़ डेल्टा	सुन्दर नगर	92294-96081
सुमीत एड एजेंसी	शहीद स्मारक	98261-61116
शिवम एड एजेंसी	बुढ़ातालाब	93291-00263
ए.के. एड एजेंसी	तात्यापारा चौक	98261-45558
किशोर पब्लिसिटी	छोटापारा	98271-62038
एम्बेसी कार्पोरेट	देवेन्द्र नगर	98267-06506
शांति विजय एड	पचपेढ़ी नाका	93001-61001
ए.एस.ए. एड एजेंसी	गुरूनानक चौक	98271-62101
प्रयास एड एजेंसी	श्याम प्लाजा	94062-36209

हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, पुजारी पार्क के सामने रायपुर
फोन- 0771-4242242, 90981-38778

RAIPUR SMART BUSINESS
ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड
CMA DATA | BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

क्या आप देना चाहते है...
अपने बिजनेस को बेहतर प्रतिसाद
"तलाश की नई सुबह"
तो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड
Space Available for Ad.
6263818152

Healthcare

इसे जरूर पढ़िये और समझिये
● इसे नजर अंदाज कर छणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए तुरंत खून की जाँच कराए।
● क्या आप को किसी प्रकार के वायरल या संक्रमण रोग हैं। जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छाले, चमड़ी का फटना, खुजली लाल होना, पेशाब में जलन या पीब आना, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग, हेपाटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सूजाक), रुबेला या एच.आई.वी. (HIV. AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं।
● क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग हैं सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रूसी, जोड़ो में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना, नाखूनो का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग हैं।
● क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान हैं जैसे: शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि।
ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई भी उपाय नहीं हैं। नीम हकिमो से सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्नुनों थेरिपी पर आधारित केवल रस -रसायन में ही हैं।

सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659
9617789223, 9303242200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

जैकेट के शेष

नमस्ते, चाचा, छी-छी, ...

संवाद का हिस्सा हैं। नीचे दी गई तालिका में हिंदी मूल के ऐसे शब्दों की एक व्यापक सूची है, जो ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में अपनाए गए हैं।

अमेरिका में ....

स्पेनिश के बाद पैठ जमा रहा हिंदी- हाईस्कूल और हायरसेकंडरी के लिए अमेरिका द्वारा तैयार किए गए सिलेबस के मुताबिक, छात्रों को इंग्लिश के अलावा एक विदेशी भाषा का चुनाव अनिवार्य रूप से करना होता है। पहले छात्र केवल स्पेनिश अथवा फ्रेंच भाषा का ही चुनाव करते थे, लेकिन अब विदेशी मूल के अमेरिकी छात्र हिंदी का भी चुनाव कर रहे हैं। पहले अमेरिका के कुछ ही राज्य में विदेशी भाषा के रूप में हिंदी का विकल्प छात्रों को दिया जाता था, लेकिन अब धीरे-धीरे कई राज्यों में हिंदी का विकल्प विदेशी भाषा के रूप दिया जाने लगा है। इसके अतिरिक्त अमेरिका जा बसे भारतीय मूल के नागरिकों के बच्चे हिंदी का ही चुनाव विदेशी भाषा के रूप में कर रहे हैं।

ऑनलाइन कक्षाएं भी....

को आसानी से सीख सकें। हिंदी भाषा सीखने के इच्छुक व्यक्तियों के अलावा ऐसे छात्र जिन्होंने हाईस्कूल-हायरसेकंडरी में विदेशी भाषा के रूप में हिंदी का चुनाव किया है, उन्हें भी परीक्षा की तैयारी करवाते हैं। अनुवादक की परीक्षा में शामिल होने वाले अमेरिका के मूल निवासियों को भी अकेडमी की मदद से हिंदी सीखाई जा रही है।

इन देशों में हिंदी का ....

म्यांमार (बर्मा), सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड (पर्यटन और प्रवासी भारतीय), इंडोनेशिया (बॉलीवुड और प्रवासी प्रभाव), मॉरीशस (आधिकारिक रूप से हिंदी मान्यता प्राप्त), फ़िजी (फ़िजी हिंदी प्रचलित), दक्षिण अफ्रीका, केन्या, युगांडा, तंजानिया, नाइजीरिया (भारतीय समुदाय के बीच), सूडान (सीमित स्तर पर प्रवासी भारतीय), त्रिनिदाद और टोबैगो, गुयाना, सूरीनाम, जमैका (सीमित प्रवासी प्रभाव), यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, नीदरलैंड्स, इटली, स्पेन, पुर्तगाल, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड, पोलैंड (इन सब जगहों पर मुख्य रूप से भारतीय प्रवासी), अमेरिका (USA), कनाडा मैक्सिको (कुछ प्रवासी), ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड।

विश्व के 95 ....

हिंदी भाषा और साहित्य में आगे शोध के लिए कई विश्वविद्यालयों में पीएच.डी. प्रोग्राम भी उपलब्ध हैं। कुछ संस्थान हिंदी भाषा और संस्कृति को समझने के लिए एडवांस्ड सर्टिफिकेट और फेलोशिप प्रोग्राम भी चलाते हैं।अकेले अमेरिका में 100 से अधिक विश्वविद्यालयों, कॉलेजों में हिंदी पढ़ाई जाती है। आज अपनी हिंदी मॉरीशस, फिजी, अमेरिका, जापान, इटली, नेपाल, श्रीलंका, रूस, चीन, नार्वे, फिनलैंड, हंगरी, दक्षिण अफ्रीका, सूरीनाम, पाकिस्तान और कई अफ्रीकी देशों के विद्यार्थियों तक पहुंच चुकी है। यहां हिंदी में पठन-पाठन हो रहा है। इसी कारण सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व को समेट हिंदी अब विश्व में लगातार अपना फैलाव कर रही है। देश-विदेश में इसे जानने-समझने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। इंटरनेट ने तो हिंदी के लिए नया आसमान मुहैया कराया है। अमेरिका के येल विश्वविद्यालय में 2008 से प्रति वर्ष हिंदी में अंतर विश्वविद्यालय वाद -विवाद प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद एवं टोबैगो और नेपाल में भी हिन्दी बोली जाती है। लगभग 100 विश्वविद्यालयों में अलग से अध्यापन केंद्र खुले हुए हैं।

इन विश्वविद्यालयों हो ....

में इन तीनों भाषाओं के बारे में विस्तार से बताया गया है।

शिकागो विश्वविद्यालय- : इस विश्वविद्यालय में डिपार्टमेंट ऑफ साउथ एशियन लैंग्वेजेज एंड सिविलाइजेशन के तहत हिंदी में एक वर्षीय, दो वर्षीय, तीन वर्षीय तथा चार वर्षीय कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा यहां पर हिंदी साहित्य तथा कल्चर पर भी एडवांस्ड कोर्स संचालित किए जाते हैं जहां विद्यार्थी विस्तार से इस भाषा के बारे में जान सकते हैं।

वाशिंगटन विश्वविद्यालय- : अमरीका की टॉप यूनिवर्सिटीज में से एक वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में डिपार्टमेंट ऑफ एशियन लैंग्वेजेज एंड लिटरेचर के अन्तर्गत दक्षिण एशियाई भाषाओं में कई कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। हिंदी भाषा में वहां पर स्नातक तथा स्नातकोत्तर दोनों ही कोर्सेज किए जा सकते हैं। हिंदी में वहां से बीए, एमए तथा पीएचडी कोर्स के लिए अप्लाई किया जा सकता है।

कॉर्नेल विश्वविद्यालय- : इस अमरीकी यूनिवर्सिटी में भी डिपार्टमेंट ऑफ एशियन स्टडीज के तहत हिंदी भाषा में तीन कोर्स चलाए जा रहे हैं। पहले लेवल का कोर्स शुरूआती कोर्स है जिसमें हिंदी का प्रारंभिक ज्ञान दिया जाता है जबकि बाकी दो कोर्सेज एडवांस्ड लेवल के हैं। यहां पर हिंदी में फेलोशिप प्रोग्राम भी चलाया जा रहा है जिसमें गजलों से लेकर फिल्मों तक दक्षिण भारतीय संस्कृति के बारे में जाना जा सकता है।

टोक्यो यूनिवर्सिटी, जापान- : यह जापान का सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय है और यह हिंदी भाषा के अध्ययन के लिए समर्पित विभागों में से एक है। 1909 से हिंदी शिक्षण की शुरुआत के साथ, टोक्यो विश्वविद्यालय हिंदी भाषा और साहित्य में गहरी रुचि रखने वाले छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। यह विश्वविद्यालय एम.फिल. और पी.एच.डी. के लिए एक संरचित पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिससे छात्र हिंदी में गहन शोध कर सकते हैं और इस क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं।

इस तरह के ....

10 भाषाओं में हिंदी शामिल है : 6. ऑस्ट्रेलिया में नेशनल यूनिवर्सिटी, लट्रोब विवि, सिडनी विवि, मेलबोर्न विवि, मोनाश विवि, रॉयल मेलबोर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी सहित अन्य संस्थानों में हिंदी पठन-पाठन की व्यवस्था है : 7. जापान के दो राष्ट्रीय विवि ओसाका और टोकियो में स्नातक और परास्नातक स्तर पर हिंदी की पढ़ाई की व्यवस्था है

एक करोड़ की ....

सुजाता के समर्पण को नक्सल संगठन के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। वहीं सूत्रों की माने तो सुजाता स्वास्थ्य संबंधी कारणों से तेलंगाना के कोठागुडेम क्षेत्र में इलाज के लिए आई थीं, जहां खूफिया जानकारी के आधार पर उसे पकड़ा गया। बहरहाल तेलंगाना पुलिस ने प्रेसवार्ता में सुजाता के समर्पण करने की जानकारी दी। पिछले कुछ माह में तेलंगाना में कई नक्सली नेताओं ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें अगस्त 2025 में राचकोंडा पुलिस के समक्ष सरेंडर करने वाले काकरला सुनीता और चेन्नुरी हरीश। तेलंगाना सरकार की पुनर्वास योजनाओं ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे पूर्व भी डीजीपी ने पहले भी बीमार नक्सली नेताओं से आत्मसमर्पण की अपील की थी, जिसमें चिकित्सा सुविधाएं और पुनर्वास का वादा किया गया था।

शीर्ष नेतृत्व का संगठन के भविष्य को लेकर डगमगाया विश्वास : केंद्रीय समिति सदस्य सुजाता उर्फ कल्पना का आत्मसमर्पण दण्डकारण्य में माओवादी आंदोलन के लिए बड़ा झटका है। माओवादी नेतृत्व के पास हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने के अलावा कोई और विकल्प नहीं। पुलिस, सुरक्षा बलों और समस्त एजेंसियों के समन्वित प्रयास तब तक जारी रहेंगे जब तक वामपंथी उग्रवाद का पूर्ण अंत नहीं हो जाता। लगातार समर्पण व मुठभेड़ में मारे जा रहे नक्सलियों से शीर्ष नेतृत्व का संगठन के भविष्य को लेकर विश्वास डगमगाने लगा है। - सुंदरराज पी, आईजी बस्तर

रायपुर में न्यूड ....

राजनीतिक तथा सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने पुलिस से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

सिनफुल राइटर1 की आईडी से इंस्टाग्राम में न्यूड पार्टी का पोस्टर जारी किया गया है। उस आईडी में 483 फॉलोवर्स हैं। सिनफुल राइटर नाम की आईडी में कुल 20 पोस्ट किए गए थे। आईडी शुक्रवार तक एक्टिव थी, दूसरे दिन से आईडी ओपन नहीं हो रही है। पुलिस की पड़ताल की भनक लगते ही आईडी को इंस्टाग्राम से ब्लाक कर दिया गया है।

युवाओं को लुभाने इस तरह के हथकंडे : युवाओं को लुभाने इंस्टाग्राम सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म का इस्तेमाल किया जा रहा है। इंस्टाग्राम सहित अन्य प्लेटफार्म में कथित तौर पर 'न्यूड पार्टी', 'स्ट्रेंजर पार्टी', 'हाउस पूल पार्टी' जैसे आयोजन करने के पोस्टर वायरल किए जा रहे हैं। इन विज्ञापननुमा पोस्टर्स में पार्टी का समय और तारीख भी दर्ज है, जिसमें 21 सितंबर को रायपुर में आयोजन होने का दावा किया गया है। वायरल पोस्टर्स में शराब और ड्रग्स परोसे जाने के संकेत मिलने के बाद अब नग्नता के आकर्षण का लालच दिए जा रहे।

आयोजन को लेकर ....

निपटने चेतावनी दी है। रामभक्त सेना के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम केवलानी ने ऐसे आयोजन करने वाले संस्थान में तोड़फोड़ करने की धमकी दी है।

पेज एक के शेष

मुख्यमंत्री की फटकार के...

खुलने लगी हैं। एक ऐसी परियोजना है गरियाबंद के मैनपुर क्षेत्र के बहुचर्चित सलफ जलाशय बांध योजना। उसका निर्माण कार्य 80 प्रतिशत पूर्ण होने के बाद पर्यावरण के अड़ंगे के चलते पिछले 44 वर्षों में पूरा नहीं हो पाया है। मैनपुर क्षेत्र के किसानों ने सलफ जलाशय बांध के निर्माण के लिए कई लंबी लड़ाई लड़ी है। इस बांध निर्माण से मैनपुर क्षेत्र के लगभग 2000 हेक्टेयर जमीन में पानी की सिंचाई हो सकती है।

प्राथमिकता में निर्माण: विधायक : विधायक जनक ध्रुव ने बताया कि सलफ जलाशय निर्माण मेरी पहली प्राथमिकता है। इस मामले को विधानसभा में दो बार प्रमुखता के साथ मेरे द्वारा उठाया गया है और तो और इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, वनमंत्री केदार कश्यप को भी पूरे दस्तावेज और सलफ जलाशय की फाइल सौंपी जा चुकी है।

वृक्षों के नाम पर...

बोलचाल के भाषा में वन विभाग पर्यावारण मंत्रालय के टीम को बताया कि यहां मात्र 20 से 25 नग लाख के पेड़ हैं। जिसे जांच में पहुंची टीम ने 20 से 25 लाख यानी लाखों पेड़ समझ बैठा और टीम के सदस्यों ने कहा कि 20 से 25 लाख पेड़ को बांध निर्माण के लिए नहीं काटा जा सकता।

मोदी बोले- शांति के...

पीएम मोदी ने मणिपुर की जनता से वादा किया कि भारत सरकार और वो खुद उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, 'मणिपुर 'भारत माता' के मुकुट को सुशोभित करने वाला 'रत्न' है। यहां किसी भी प्रकार की हिंसा निंदनीय है। यह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के साथ घोर अन्याय भी है। हमें मिलकर मणिपुर को शांति और विकास के पथ पर आगे ले जाना होगा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ज़ख्मों पर मरहम लगाने और विश्वास बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेइती समुदाय के लोग इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि कुकी समुदाय आस-पास की पहाड़ियों पर रहता है।

3,000 करोड़ का विशेष पैकेज : पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र ने संघर्ष प्रभावित लोगों के लिए 7,000 नए घरों के निर्माण को मंजूरी दी है, साथ ही लगभग 3,000 करोड़ रुपए के विशेष पैकेज की भी घोषणा की है। उन्होंने कहा, हिंसा प्रभावित लोगों के जीवन में सामान्य स्थिति बहाल करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यक्रम में, प्रधानमंत्री ने 1,200 करोड़ रुपए की 17 विकास परियोजनाओं की शुरुआत भी की।

मिजोरम की पहली रेल...

साल 2008-09 में मिली थी। इसका निर्माण 2015 में शुरू हुआ था। इस रेल लाइन में 45 सुरंग, 55 बड़े पुल और 87 छोटे पुल हैं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि सैरंग के पास स्थित पुल 114 मीटर ऊंचा है और इसकी ऊंचाई कुतुब मीनार से भी ज्यादा है। यह देश का खंभे वाला सबसे ऊंचा पुल है। इस रेल मार्ग में पांच सड़क ओवरब्रिज और छह अंडरपास भी हैं। इस रेल मार्ग पर बैराबी के अलावा चार मुख्य स्टेशन- होरटोकी, कावनपुई, मुआलखांग और सैरंग पड़ते हैं। मिजोरम और देश के बाकी हिस्सों के बीच सीधे रेल संपर्क से क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित, कुशल व किफायती यात्रा विकल्प मिलेगा।

तीन नई ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी : प्रधानमंत्री ने तीन नई एक्सप्रेस ट्रेन - सैरंग (आइजोल)-दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) राजधानी एक्सप्रेस, सैरंग-गुवाहाटी एक्सप्रेस और सैरंग-कोलकाता एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। उन्होंने रेलवे, सड़क मार्ग, ऊर्जा, खेल आदि समेत विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी कई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में बादल फटा सड़क बही और मलबे में दबीं कई गाड़ियां

एजेंसी ▶▶| शिमला

हिमाचल प्रदेश में बारिश से तबाही और बादल फटने की घटना रुक नहीं रही है। आज ताजा मामला जिला बिलासपुर के श्री नैना देवी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नम्होल में आया है, जहां पर बीती रात बादल फटने से काफी नुकसान हुआ है। इस नुकसान से सड़कों के अलावा रिहायशी घरों को भी नुकसान हुआ है। वहीं कुछ गाड़ियां भी इस नुकसान के चपेट में आई हैं। फिलहाल, इस घटना के बाद हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सूक्खू ने शोक जताते हुए अपने ट्विट में लिखा- नम्होल (बिलासपुर) में बादल फटने और मंडी ज़िला के धर्मपुर क्षेत्र में भूस्खलन की घटनाएँ अत्यंत पीड़ादायक हैं। इन दोनों घटनाओं से कई परिवारों को भारी नुक़सान उठाना पड़ा है और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। संकट की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएँ हर प्रभावित परिवार के साथ हैं। फिलहाल, प्रदेश सरकार और स्थानीय

प्रशासन की टीमें युद्ध-स्तर पर राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हैं और मलबे से घिरे घरों को भी खाली करवाया गया है।

किसी की नहीं गई जान

खास बात ये रही कि इस प्राकृतिक आपदा में किसी तरह की जानी नुकसान नहीं हुआ, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था. प्रभावित

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द मौके पर पहुंचकर स्थिति का आकलन किया जाए और पीड़ितों को उचित मुआवजा दिया जाए।

मंडी में हुई लैंडस्लाइड

वहीं, दूसरी तरफ मंडी जिले के धर्मपुर में सपड़ी रोह गांव में शनिवार सुबह 4 बजे लैंडस्लाइड हुई, जिसकी वजह से कई घर मलबे से घिर गए हैं।

विपक्ष 'गैर-जिम्मेदार' और 'सत्ता का भूखा'

नड्डा ने बिहार में - मोदी और नीतीश के नेतृत्व में बिहार के लोग विकास देख रहे हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को पटना में कहा कि विपक्ष 'गैर-जिम्मेदार' और 'सत्ता का भूखा' है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां का बार-बार अपमान करना कांग्रेस की 'घृणित मानसिकता' को दर्शाता है। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी राजनीतिक पार्टियों को जनता से करारा जवाब मिलेगा। भाजपा अध्यक्ष ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर आपत्ति जताने के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की भी आलोचना की और कहा कि महाराष्ट्र के बारे में उनके आरोप कभी भी एक जैसे नहीं रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों में 'असंगतता' का आरोप लगाया। नड्डा ने पिछले महीने 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान दरभंगा में हुई घटना और विपक्षी दल द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक एआई-जनरेटेड वीडियो का हवाला देते हुए कहा कि पीएम मोदी की दिवंगत मां को किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा अपशब्द कहे गए।

नड्डा ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि राजग के शासन में बिहार दोहरे अंकों की विकास दर दर्ज कर रहा है और जो लोग दसवीं कक्षा तक भी नहीं पहुंच पाए, वे इस तथ्य की सराहना नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग जंगल राज को कभी नहीं भूल सकते। लालू प्रसाद के कार्यकाल में यहां के लोग राज्य से पलायन करने को मजबूर हुए थे। मुझे कहना होगा कि राजद भ्रष्टाचार और जंगल राज से जुड़ा है। उन्होंने राजद का मतलब समझते हुए कहा कि 'रा' का मतलब 'रंगदारी', 'ज' का मतलब 'जंगलराज' और 'द' का मतलब 'दादागिरी' है। नड्डा ने कहा कि आज मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार के लोग विकास देख रहे हैं। केंदीय मंत्री ने कहा कि 2005 से

पहले बिहार की स्थिति क्या थी और आज क्या है? 2005 से पहले तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और सत्ता समर्थित अपराध की राजनीति थी. आज राजग सरकार के नेतृत्व में बिहार विकास के पथ पर अग्रसर है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से देश में आज 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं। नड्डा ने कहा कि इसी तरह अत्यधिक गरीबी में 80 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि मोदी ने 14 करोड़ से अधिक घरों में नल के माध्यम से पानी और चार करोड़ से अधिक गरीब लोगों को आवास प्रदान किया है।

नीतीश के रहने से सुधरी राज्य की स्थिति

नड्डा ने कहा कि कभी राहुल गांधी आरोप लगाते हैं कि पिछले साल विधानसभा चुनावों से पहले 70 लाख मतदाता जोड़े गए थे, तो कभी वह यह संख्या एक करोड़ बताते हैं, नड्डा ने जोर देकर कहा कि वह 2005 तक राज्य में व्याप्त अराजकता के 'प्रत्यक्षदर्शी' रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में आया और जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने तो स्थिति सुधारी।

सर्जरी के बीच नर्स से रोमांस, पाक डॉक्टर के खिलाफ लंदन में ट्रायल

लंदन। ब्रिटेन के टेमसाइड जनरल अस्पताल में एक वरिष्ठ डॉक्टर ने सर्जरी के बीच में ही एक मरीज को ऑपरेशन टेबल पर छोड़ दिया और बगल के थिएटर में एक नर्स के साथ रोमांस करने लगा। यह घटना सितंबर 2023 की है। इस हफ़्ते ब्रिटेन के एक मेडिकल ट्रिब्यूनल में इसकी सुनवाई हुई और डॉक्टर सुहैल अंजुम ने इस मामले में अपनी गलती स्वीकार की। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, कंसल्टेंट एनेस्थेटिस्ट सुहैल अंजुम (44) को 16 सितंबर, 2023 को टेमसाइड जनरल अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर में एक अन्य नर्स के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए थे। डॉ. अंजुम पाकिस्तान के रहने वाले हैं और अभी अपने देश में ही प्रैक्टिस कर रहे हैं। मैनचेस्टर स्थित मेडिकल ट्रिब्यूनल को बताया गया कि डॉ. अंजुम ने उस मरीज को सर्जरी के बीच बेहोश छोड़ दिया, जिसकी पित्ताशय निकालने के लिए ऑपरेशन किया जाना था।

अभी पाकिस्तान में कर रहे प्रैक्टिस

आज विवाहित डॉ. अंजुम, जो अब पाकिस्तान में काम करते हैं। उन्होंने ट्रिब्यूनल से कहा कि उन्हें इस बेहद शर्मनाक घटना पर शर्म और अपराधबोध महसूस हो रहा है। मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हुआ. मुझे नहीं पता कि मैं क्या सोच रहा था। वहीं जनरल मेडिकल काउंसिल के एंड्र्यू मोलॉय ने मेडिकल प्रैक्टिशनर्स ट्रिब्यूनल सर्विस की सुनवाई में बताया कि डॉ. अंजुम उस दिन अस्पताल के थिएटर नंबर पांच में होने वाले पांच ऑपरेशनों के लिए एनेस्थेटिस्ट थे।

राशिफल

मेष — मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन — कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क — किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह — परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या — संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला — नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक — मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर — किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ — आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन — शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

चार धाम के पर्यावरण पर दुखी हुईं मेनका

नई दिल्ली। बीजेपी नेता और एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट मेनका गांधी ने चार धाम यात्रा और पर्यावरण को लेकर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है भगवान भी चार धामों से भाग गए हैं। पिछले साल 700 जानवर हेमकुंड से गिरकर मारे गए। कौन भगवान टिकेगा इसमें?' उन्होंने कहा, 'जहां कभी घास के मैदान और फूलों की खूबसूरती से स्वर्ग जैसा एहसास होता था, आज वहां जाना दिल तोड़ देता है।'

पक्षियों को लेकर हो रही बहस पर भी मेनका गांधी ने कहा कि कबूतरों से इंसानों को कोई खतरा नहीं है। दुनिया में कबूतरों से आज तक एक भी मौत नहीं हुई है। मुंबई में 57 कबूतरखाने हैं, जिनमें से 4-5 तोड़ दिए गए हैं। अब मुख्यमंत्री ने एक कमेटी बनाई है और मुझे भरोसा है कि रिपोर्ट आने के बाद फिर से कबूतरखाने बनाए जाएंगे।

मां-बेटे ने 13वीं मंजिल से कूदकर दी जान

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बिसरख थाना क्षेत्र में शनिवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। ऐस सिटी सोसाइटी में रहने वाली एक महिला और उसके 11 वर्षीय बेटे ने 13वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को खबर दी। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान साक्षी चावला (37) पत्नी दर्पण चावला और उनके बेटे दक्ष चावला (11) के रूप में हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें दुनिया से जाने की इच्छा जाहिर की गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बेटा मानसिक रूप से विक्षिप्त था, जिसकी वजह से परिवार लंबे समय से तनाव में था।

8 छात्रों की आंख में डाल दी फेवीक्विक

कंधमाल। ओडिशा के कंधमाल जिले के फ़िरिंगिया ब्लॉक के सलागुडा में सेबाश्रम स्कूल से अजीब मामला सामने आया है। यहां सोते समय कुछ सहपाठियों ने 8 छात्रों की आंखों में फेवीक्विक डाल दिया। जिससे छात्रों की आंखें चिपक गईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरा मामला सेबाश्रम स्कूल के हॉस्टल का बताया जा रहा है। फिलहाल कलेक्टर ने पूरे मामले के जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार कंधमाल जिले के फ़िरिंगिया ब्लॉक के सलागुडा में सेबाश्रम स्कूल है।

11 साल की बच्ची का यौन शोषण, 10 साल की सजा

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे की अदालत का हालिया फैसला नजीर पेश करने वाला है। यहां साल 2018 में 11 साल की बच्ची के साथ हुई दरिंदगी के दोषी संतोष भीमराव वानखेड़े (32) को अदालत ने 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है, जो अपील अवधि के बाद पीड़िता को दिया जाएगा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डी.एस. देशमुख ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। उन्होंने साफ कर दिया कि बच्चों के खिलाफ यौन अपराध करने वाले अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

अदालत ने आरोपी को पॉक्सो अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया। इसके बाद उसके लिए सजा का ऐलान किया। जानकारी के मुताबिक, ये मामला 19 मई, 2018 की सुबह का है। ठाणे के मुंब्रा इलाके से बच्ची अचानक लापता हो गई थी। पीड़िता की मां ने अदालत में बताया कि वो अपनी बेटी के साथ सो रही थी। इस बीच उसने पाया कि उसकी बेटी बिस्तर से गायब है। वो घबरा गई। बेटी को खोजने लगी। इसी दौरान बच्ची घायल अवस्था में पहाड़ी से नीचे उतरती दिखी। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि आरोपी बच्ची के घर आया। उसका मुंह दबाकर उसे पहाड़ी पर ले गया। वहां उसके साथ मारपीट करने के बाद उसका यौन उत्पीड़न किया। इतना ही नहीं आरोपी ने धमकी दी कि यदि बच्ची ने किसी को इस घटना के बारे में बताया तो वो उसके भाइयों को जान से मार डालेगा। बच्ची उसकी धमकी से बुरी तरह डर गई।

शब्द पहेली - 5988

बाएँ से दाएँ
1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे
1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली- 5987 का हल

सूडोकु नवताल- 5998

★★★☆☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5997 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

निवेश का जैकपॉट : कुछ इक्विटी फंड्स ने 10 साल में दिया 533 से 678% तक रिटर्न

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेशक हैं या निवेश करने जा रहे हैं तो एक बार बाजार के बारे में रिसर्च जरूर कर लें। इससे आपको निवेश में आसानी रहेगी और पैसे का नुकसान नहीं होगा। बाजार में पैसा लगाने से पहले अपनी रिस्क क्षमता और लक्ष्य को जान लें। इसके बाद निवेश करेंगे जो मुनाफे में ही रहेंगे। म्यूचुअल फंड में निवेश करने जा रहे हैं तो हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें। म्यूचुअल फंड लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे अच्छे विकल्पों में एक माने जाते हैं। निवेश की अवधि जितना अधिक होगी, कंपाउंडिंग का उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। लंबी अवधि का मानक 10 साल मानें तो कई इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम निवेशकों के लिए जैकपॉट साबित हुई हैं। इनमें से 7 फंड तो ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से अधिक रिटर्न मिला है। इनका 10 साल में एबसॉल्यूट रिटर्न 533 से 678 फीसदी रहा है। इसका मतलब है कि इन्होंने इस अवधि में निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना बढ़ा दिया। हमने इस रिपोर्ट में ईटीएफ को शामिल नहीं किया है।

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 22.78% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,78,532 रुपये (7.79 लाख)
- रेटिंग : 5 स्टार
- कुल एसेट्स : 64,821 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.64% (31 अगस्त, 2025)

क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 5 साल का रिटर्न : 21.86% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,22,124 रुपये (7.22 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 11,396 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.58% (31 अगस्त, 2025)

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.47% सालाना
- लाख निवेश की वैल्यू : 6,43,857 रुपये (6.44 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 36,294 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.69% (31 अगस्त, 2025)

एक्सिस स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.46% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,43,622 रुपये (6.43 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 25,569 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)

क्या हैं इक्विटी फंड

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

1. लार्ज-कैप फंड: ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. मिड-कैप फंड: ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
3. स्मॉल-कैप फंड: ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
4. सेक्टोरल फंड: ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

इक्विटी फंड के लाभ

1. विविधीकरण: इक्विटी फंड निवेशकों को विविधीकरण का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे वे अपने निवेश को विभिन्न शेयरों में फैला सकते हैं।
2. पेशेवर प्रबंधन: इक्विटी फंड पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं, जो निवेशकों के लिए निवेश के निर्णय लेते हैं।
3. लिक्विडिटी: इक्विटी फंड निवेशकों को अपने निवेश को आसानी से बेचने और नकदी प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं।

करोड़पति बनाने वाली स्कीमों में लोग कर रहे जमकर निवेश

अपने पैसे को लोग अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। किसी स्कीम में रिटर्न कम मिलता है तो किसी में ज्यादा। वहीं जो लोग जोखिम लेते हैं, वे एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। यह एक ऐसी स्कीम है जिसमें लगातार छोटी रकम के निवेश से ही व्यक्ति करोड़पति बन सकता है।

एक नई रिपोर्ट के अनुसार, एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में हर महीने जमा होने वाला पैसा पिछले नौ सालों में लगभग आठ गुना बढ़ गया है। व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट बताती है कि अगस्त 2016 में एसआईपी के जरिए कुल 3,497 करोड़ रुपये आए थे। अगस्त 2025 तक ये आंकड़ा बढ़कर 28,265 करोड़ रुपये हो गया है। इससे पता चलता है कि निवेशकों का एसआईपी पर भरोसा बढ़ रहा है। वे इसे पैसे बनाने का एक अच्छा तरीका मान रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह लगातार वृद्धि दिखाती है कि एसआईपी में निवेशकों का विश्वास बढ़ रहा है।

कितना रहा रिटर्न : अगस्त 1996 से अगस्त 2025 के बीच एसआईपी से मिलने वाला सबसे ज्यादा रिटर्न 55.6 प्रतिशत रहा। वहीं, सबसे कम रिटर्न -24.6 प्रतिशत रहा। लेकिन अगर औसत रिटर्न की बात करें, तो यह 14-16 प्रतिशत के आसपास रहा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने कितने समय के लिए निवेश किया है।

निवेश का कौन सा समय सही : रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मार्केट में कब निवेश करना है, यह इतना जरूरी नहीं है जितना कि निवेश करते रहना। अगर आपने मार्केट के टॉप पर भी एसआईपी शुरू की थी, तो भी आपको लंबे समय में अच्छा फायदा हुआ होगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी ने जनवरी 2008 में 10,000 रुपये की मंथली एसआईपी शुरू की थी, जो कि ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस से ठीक पहले का समय था, तो भी अगस्त 2025 तक उसका 21.2 लाख रुपये का निवेश बढ़कर 75.23 लाख रुपये हो गया होता। इस पर उसे लगभग 13 प्रतिशत का एक्सआईआरआर मिला होता। एक्सआईआरआर एक तरीका है जिससे पता चलता है कि आपके निवेश पर आपको कितना रिटर्न मिला है।

किस कैटेगरी का कितना रिटर्न : दिलचस्प बात यह है कि रिपोर्ट में यह भी पाया गया है कि मिड-कैप एसआईपी ने लॉन्ग टर्म में लार्ज-कैप और स्मॉल-कैप कैटेगरी से बेहतर रिटर्न दिया है। मिड-कैप एसआईपी का एवरेज रिटर्न 17.4 प्रतिशत रहा, जबकि लार्ज-कैप का 13 प्रतिशत और स्मॉल-कैप का 14.7 प्रतिशत रहा।

डॉ.वाशानी दर-दाँत (गम पेंट)® बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है HMS देखकर खरीदें 94060-21769
असली केंदवा मलहम दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

जॉइंट्स पेन के लिए रामबाण तेल Since-2000 S.M. OIL® सभी आयुर्वेदिक एवं ऐलोपैथिक दुकानों में उपलब्ध। हर प्रकार के वात रोग, गठिया वात, लकवा, हाथ पांव, कमर, पीठ, जोड़ों का दर्द, जोड़ों का अकड़ना, सूजन, मोच, हड्डी फ्रैक्चर आदि में परम गुणकारी Customer Care No. 9425296176 तुरंत पाये आराम

बिजनेस साइट

अविनाश ग्रुपः प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट 'द लगून' के डेमो विला का शुभारंभ आज

रायपुर। अविनाश ग्रुप अपने प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट 'द लगून' के डेमो विला का शुभारंभ आज होने जा रहा है। लगभग 21 एकड़ में फैला यह प्रोजेक्ट 'नियो बैलिनीज' थीम पर आधारित है और इसमें कुल 68 लग्जरी विला शामिल हैं। प्रोजेक्ट में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं जैसे क्लब हाउस, योग व मेडिटेशन जोन, प्राइवेट पूल, ग्रीन ओपन स्पेसेज और हाई-सिक्योरिटी सिस्टम उपलब्ध कराए गए हैं। अविनाश ग्रुप के प्रबंध निदेशक आनंद सिंघानिया ने बताया कि द लगून सिर्फ एक विला प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा समुदाय होगा, जहां लोग शांति और आधुनिक बैलिनीज जीवनशैली का अनुभव करेंगे। डेमो विला अब पूरी तरह से तैयार है और 14 सितंबर से विजिटर्स के लिए भी खुला रहेगा, जहां वे इसकी भव्यता, डिजाइन और लाइफस्टाइल का अनुभव कर सकेंगे।

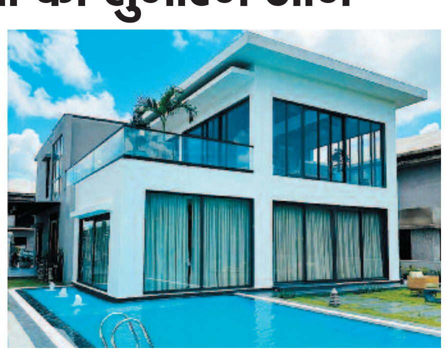

हरिभूमि छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर THE DIAGNOSTIC CARE
दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक — मध्यभारत का सबसे बड़ा सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक — ट्यूबरक्युलोसिस • जीनएक्सपर्ट/सीबीएनएटी (टीएटी- 12-24 घंटे) बलगम • क्वांटिफेरॉन-टीबी गोल्ड प्लस (क्यूएफटी प्लस) (टीएटी-48 घंटे) खून • एएफबी कल्चर (एमजीआईटी320) (टीएटी- 21-42 दिन) पता- सीटी कोतवाली के पास, सीएसईबी ऑफिस के सामने, बुढ़ापारा, रायपुर 492007 मो. 8098518020, 9004051230, 7828184773
लैब प्लस पैथोलाजी — क्वालिटि के साथ जांच की गारंटी — सभी प्रकार के बीमारियों के लिए पैकेज उपलब्ध — पैथोलाजी जाँच के लिए पैकेज में जांच कराये व अपने पैसे बहुतायत से बचाये। पैकेज की जानकारी के लिए सम्पर्क करे- 9039055548, 9300000989, 9300000702
20 वर्षों से आपकी सेवा में तत्पर लैब केयर डायग्नोस्टिक्स Lab Care DIAGNOSTICS COMPLETE PATHOLOGY SOLUTION Mo.: 9826725383 पैथोलॉजी की सभी सेवायें उपलब्ध है। 50% डिस्काउंट के साथ उचित जाँच* पताः सीएसआईडीसी कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के सामने, दास स्वीट्स के पीछे, बचपन अस्पताल के पास, महादेव घाट रोड, रिंग रोड चौक, रायपुर, (छ.ग.)
विज्ञापन हेतु संपर्क करें - 9303508130, 9302016344, 7909631282

इट्सा हॉस्पिटल में दो जटिल 'नी रिप्लेसमेंट सर्जरी' सफलतापूर्वक संपन्न

रायपुर। विधानसभा रोड, अंबुजा मॉल के पास स्थित इट्सा हॉस्पिटल ने एक बार फिर अपनी विशेषज्ञता का परिचय दिया है। अस्पताल के जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन व ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. अंकित कुमार गर्ग ने दो अत्यंत जटिल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। पहला केस एक ऐसे मरीज का था, जिसे 2011 में ट्रॉमा हुआ था और उसके बाद से कई सर्जरी हो चुकी थीं। ट्रॉमा के कारण एक पैर का घुटना पूरी तरह से बैंड (मुड़) गया था और वह सामान्य रूप से चल-फिर नहीं पा रहा था। डॉ. अंकित ने जटिल तकनीकी प्रक्रिया अपनाते हुए नी कंस्ट्रक्शन और रिप्लेसमेंट कर मरीज का सफल इलाज किया। दूसरे मामले में एक महिला मरीज थी, जो गंभीर गठियावाद (रूमेटॉइड आर्थराइटिस) से पीड़ित थी। इस बीमारी के कारण उसके दोनों घुटनों के जोड़ पूरी तरह से खराब हो चुके थे और वह चलने-फिरने में असमर्थ थी। डॉ. अंकित ने दोनों घुटनों का एक साथ सफल इलाज कर, मरीज को दुबारा सामान्य जीवन जीने लायक बनाया।

डॉ अंकित कुमार गर्ग ने बताया कि इन दोनों जटिल मामलों में 'मिनीमल कट टेक्नीक' का उपयोग किया गया, जो एक अत्याधुनिक तकनीक है। इस तकनीक में केवल आवश्यक हिस्से को ही चीरा जाता है, जिससे घाव छोटा होता है, ब्लड लॉस कम होता है और रिकवरी बहुत तेज़ होती है। डॉ. अंकित गर्ग के अनुसार, इस तकनीक से मरीज कुछ ही दिनों में चलने-फिरने लगता है और अस्पताल में रुकने की अवधि भी कम हो जाती है।

डॉ. अंकित गर्ग अब तक 294 सफल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी कर चुके हैं। उन्होंने अपनी उच्च स्तरीय ट्रेनिंग गंगा हॉस्पिटल, कोयंबटूर से प्राप्त की है और एम्स रायपुर से जॉइंट रिप्लेसमेंट में एमसीएच किया है। इसके अलावा, स्पेन और पुर्तगाल में फेलोशिप कर चुके है। डॉ. गर्ग छत्तीसगढ़ के एकमात्र सर्जन हैं, जो डायरेक्ट एन्टीरियर हिप रिप्लेसमेंट तकनीक का उपयोग करते हैं - यह एक उन्नत और दुर्लभ प्रक्रिया है जो तेज रिकवरी और कम जटिलताओं के लिए जानी जाती है।

रायपुर में फिर गूंजेगी रास गरबा की धुन, 25 से 28 सितंबर तक ओमाया गार्डन रिजॉर्ट में होगा भव्य आयोजन

रायपुर। एशियन न्यूज और न्यूजप्लस 21 द्वारा प्रस्तुत रास गरबा 2025 का आयोजन इस वर्ष 25 से 28 सितंबर तक वीआईपी रोड स्थित ओमाया गार्डन रिजॉर्ट में किया जाएगा। चार दिवसीय इस आयोजन को लेकर रायपुरवासियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

गुजराती परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम

इस सांस्कृतिक उत्सव में पारंपरिक गुजराती रास और गरबा की झलक तो देखने को मिलेगी ही, साथ ही आधुनिक संगीत, लाइव बैंड, डीजे और प्रसिद्ध गायकों की प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चांद लगेंगे। ओमाया गार्डन रिज़ॉर्ट का विशाल परिसर इस अवसर के लिए विशेष रूप से सजाया जा रहा है, जहां थीम-आधारित लाइटिंग और डेकोरेशन गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करेंगे।

बेस्ट गरबा ड्रेस और डांसर को मिलेगा अवार्ड

आयोजन में बेस्ट गरबा ड्रेस और बेस्ट डांसर जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें विजेताओं को विशेष पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। बच्चों और युवाओं के लिए भी कई रोचक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इस बार देशभर से प्रसिद्ध गरबा और डांडिया कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष इंतजाम : इस बार आयोजन स्थल पर सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। पर्याप्त पार्किंग, खानपान की व्यवस्था, मेडिकल सहायता, और सुरक्षा गाड्‌र्स की तैनाती सुनिश्चित की गई है। साथ ही, प्रवेश के लिए पास की विशेष व्यवस्था की गई है।

हरिभूमि HEALTH CARE छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ
डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA भर्ती सुविधा उपलब्ध Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756
अहलूवालिया हॉस्पिटल 8103128515, 0771-4050006 • कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट रविवार अवकाश क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट सिंघानिया स्किन केयर 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज
निवेद चेस्ट & आई केयर डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist) उपलब्ध सुविधायें एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर आई केयर सुविधायें मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology 24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888, 7697752001
सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029 समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified) सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक
मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925 SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर) जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001) फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037 लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे
मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक मो. 9977247553 नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में
अष्टविनायक हॉस्पिटल बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। * आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव * बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन) आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425
निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध ओपीडी 50% off 0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953 पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com
सभी प्रकार की एलर्जी डेंटल सुविधा भी उपलब्ध.. • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द 50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता। डायबिटिक क्लीनिक Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre Diabetic Clinic Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304 17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Gold Medalist, IUK) MD (Pathology, Utkal University) डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG), F.M.A.S FRM (Gujarat University), DRM (Germany) स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट उपलब्ध विशेषताएं C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488, Email:sudhasurajfertilitycare@gmail.com
डॉ. मनोज अग्रवाला एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट) स्किन क्लिनिक सेवाएं • मुहांसे • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थैरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

सिर्फ 38 मिनट में जीता सेमीफाइनल, 483 दिनों बाद किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

हांगकांग। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार बैडमिंटन जोड़ी ने अपना लंबा इंतजार खत्म करते हुए शनिवार को हांगकांग ओपन 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। यह 483 दिनों के बाद उनका पहला फाइनल है।

एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट जोड़ी ने ताइवान के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई को सीधे गेमों में हराकर केवल 38 मिनट में 21-17, 21-15 से जीत हासिल की। थाईलैंड ओपन 2024 के बाद सात्विक और चिराग का यह पहला फाइनल है और इस साल की शुरुआत में यह जोड़ी पांच सेमीफाइनल से बाहर हो गई थी। उन्हें छठी कोशिश में सफलता मिली।

शुरुआती गेम में ताइवानी खिलाड़ियों ने पेश की चुनौती

सेमीफाइनल मुकाबले में शुरुआती गेम में चेन और लिन ने जबरदस्त चुनौती पेश की और अंतर कम करने की कोशिश की। हालांकि सात्विक और चिराग ने लगातार तेज स्मैश और सटीक नेट प्ले से वापसी करते हुए नियंत्रण हासिल किया और गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने अपनी रफ्तार बदली और शुरुआत में ही बढ़त बना ली। अपनी लय बरकरार रखते हुए 21-15 से आसान जीत हासिल कर ली। अब भारतीय जोड़ी का सामना चीन की छठी वरीयता प्राप्त लियांग वेई केंग और वांग चांग या ताइवान की सहोदर जोड़ी ली फांग-चिह और ली फांग-जेन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता जोड़ी से होगा।

सेमीफाइनल जीते लक्ष्य, अब चीन के खिलाड़ी से मुकाबला

हांगकांग। भारत के लक्ष्य सेन दो साल में पहले बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष जोड़ी ने भी शनिवार को सीधे गेम में जीत के साथ हांगकांग ओपन सुपर 500 के फाइनल में प्रवेश किया। अलमोड़ा के 23 वर्ष के 2021 विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने दुनिया के नौवे नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपै के चोउ तियेन चेन को 56 मिनट तक चले सेमीफाइनल में 23-21, 22-20 से मात दी। राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन लक्ष्य ने पिछली बार जुलाई 2023 में कनाडा ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी।

उन्होंने पिछले साल दिसंबर में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 खिताब जीता था। इस समय विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज लक्ष्य का सामना अब चीन के दूसरी वरीयता प्राप्त लि शि फेंग से होगा।

लक्ष्य ने जीत के बाद कहा ,' यह काफी प्रतिस्पर्धी मैच था और चोउ ने बहुत अच्छा खेला । मुझे खुशी है कि आखिरी क्षणों में हड़बड़ाए बिना मैंने जीत दर्ज की। हम दोनों एक दूसरे के खिलाफ कई बार खेल चुके हैं तो मुझे पता था कि लंबी रेलियां होंगी। कठिन मुकाबले जीतकर अच्छा लगता है और अब फाइनल में शत प्रतिशत देना है।'

एशिया कप: आज रात 8 बजे से रोमांचक मुकाबला

पाकिस्तान के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी, जमीनी स्तर पर उत्साह की कमी

दुबई। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम रविवार को एशिया कप में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में प्रबल दावेदार होगी और दिलचस्प बात है कि पिछले कुछ महीनों में सीमा पर बढ़े तनाव के बावजूद इस मुकाबले को लेकर किसी तरह की 'हाइप' नहीं है। चार महीने बाद भारत में टी20 विश्व कप को देखते हुए मुकाबला महत्वपूर्ण है। लेकिन कई साल में पहली बार भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच में उस तरह के उत्साह का अभाव है, जो दोनों देशों के बीच मैच में अक्सर होता है जबकि यह रविवार को खेला जा रहा है।

भारतीय टीम मजबूत

भारत के अंतिम एकादश में शुभमन गिल, सूर्यकुमार, अभिषेक शर्मा जैसे बल्लेबाज, जसप्रीत बुमराह जैसा तेज गेंदबाज, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिनर मौजूद हैं। कागज पर भारतीय टीम पाकिस्तान की तुलना में कहीं अधिक खतरनाक दिखती है, जो नए कप्तान सलमान अली आगा के नेतृत्व में अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर रही है। हा लां कि इस प्रारुप की बदलने वाली प्रकृति को देखते हुए उलटफेर की संभावना हमेशा बनी रहती है लेकिन इस मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ इसकी संभावना कम ही है।

मैच को लेकर उत्साह गायब

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में कड़वाहट भरी है। इसके बाद हुए सैन्य अभियान और जनता के गुस्से ने महाद्वीपीय क्रिकेट के इस सबसे 'हाई-प्रोफाइल' मैच की तैयारी को बहुत फीका बना दिया। मैच के हजारों टिकट अब भी उपलब्ध हैं और शुक्रवार को भारत के अभ्यास सत्र में बहुत कम दर्शक पहुंचे। मैच को लेकर पहले की तरह उत्साह भी गायब है।

पाकिस्तानी टीम में स्पिनरों की तिकड़ी

पाकिस्तानी टीम के सबसे प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में से एक सलामी बल्लेबाज सैम अयूब, मध्यक्रम के बल्लेबाज हसन नवाज तथा अबरार अहमद, सूफियान मुकीन और मोहम्मद नवाज की स्पिनरों की तिकड़ी नए लुक वाली टीम में यह बात साबित करना चाहेंगे कि उन्होंने बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान पर पूरी तरह निर्भर रहने की नीति को त्याग दिया है।

संभावित टीम

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह।

पाकिस्तानः फखर जमां, हसन नवाज, खुशदिल शाह, साइम अयूब, सलमान आगा, हुसैन तलत, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हारिस, साहिबजादा फरहान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन अली, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, मोहम्मद वसीम जूनियर।

स्पिनरों की होगी अहम भूमिका

आमतौर पर भारत-पाक मैच में भारतीय बल्लेबाजों और पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों के बीच मुकाबला होता है लेकिन इस बार दोनों टीमों के स्पिनरों की अहम भूमिका होगी जबकि जसप्रीत बुमराह और शाहीन शाह अफरीदी ही एकमात्र विशेषज्ञ तेज गेंदबाज हैं, जो रविवार को मैदान में उतरेंगे। पिच में हालांकि ज्यादा टर्न नहीं है लेकिन दोनों टीमों में एक-एक दाएं हाथ के कलाई के स्पिनर और एक-एक बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर की मौजूदगी एक दिलचस्प कहानी बनाती है।

सूफियान मुकीम एक अच्छे गेंदबाज हैं लेकिन कुलदीप यादव जैसे चतुर गेंदबाज के आस-पास भी नहीं हैं, जिनकी गुगली खेलना आसान नहीं है।

चक्रवर्ती की रहस्यमयी गेंदबाजी

वरुण चक्रवर्ती की रहस्यमयी गेंदबाजी पाकिस्तान के बल्लेबाजों के लिए खतरनाक हो सकती है। वह साइम अयूब और साहिबजादा फरहान जैसे युवाओं के लिए मुश्किल साबित हो सकते हैं, जो स्पिनरों को समझ नहीं पा रहे हैं। बाए हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाल आईसीसी रैंकिंग में 30वें स्थान पर हैं लेकिन अक्षर पटेल के मुकाबले कहीं नहीं टिकते। अक्षर भारतीय टीम में सबसे अहम हैं लेकिन 'लो प्रोफाइल' खिलाड़ी हैं।

श्रीलंका की धमाकेदार जीत, बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया

अबुधाबी। पाथुम निसांका (50) और कामिल मिशारा (नाबाद 46) की शानदार पारियों के दम पर श्रीलंका ने बांग्लादेश को एशिया कप ग्रुप बी के एकतरफा मैच में शनिवार को छह विकेट से हरा दिया। बांग्लादेश को पांच विकेट पर 139 रन पर रोकने के बाद श्रीलंका ने 32 गेंद बाकी रहते चार विकेट पर 140 रन बनाए। तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान ने दूसरे ही ओवर में कुसल मेंडिस (तीन) को आउट करके श्रीलंका को अच्छी शुरुआत नहीं करने दी लेकिन बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नई गेंद का फायदा नहीं उठा सके और दबाव बनाने में नाकाम रहे। श्रीलंका ने पावरप्ले में एक विकेट पर 55 रन बना लिए थे। मिशारा को एक जीवनदान भी मिला जब शरीफुल इस्लाम की गेंद पर मेहदी हसन ने एक कठिन कैच टपकाया। उस समय वह एक रन पर खेल रहे थे । इसके बाद मिशारा ने इस्लाम को पांचवें ओवर में दो चौके और एक छक्का जड़कर 18 रन निकाले।

निसंका और मिशारा ने दिखाया जबरदस्त खेल

टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही। 13 के स्कोर पर ही टीम को पहला झटका कुसल मेंडिस के रूप में लगा, वह 6 गेंदों में 3 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए पथुम निसंका और कामिल मिशारा के बीच 95 रनों की पार्टनरशिप हुई। निसंका 34 गेंदों में छह चौके और एक छक्के की मदद से 50 रन बनाने में कामयाब रहे। उनके अलावा कुसल परेरा 9 और दसुन शनाका 1 रन बनाकर आउट हुए। अंत में कामिल मिशारा 32 गेंदों पर 46 रन बनाकर नाबाद लौटे।

आधिपत्य सूचना

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड

शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर

Tel: 0771-4243149/240 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

जबकि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत माननीय एनसीएलटी–मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी), प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ('उक्त अधिनियम') और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा 13(2) के तहत डिमांड नोटिस जारी किए गए। उक्त अधिनियम के तहत, निम्नलिखित उधारकर्ताओं/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों से आव्हान किया गया है कि वे अपने संबंधित नामों के सामने उल्लेखित राशि का भुगतान उक्त नोटिस में उल्लेखित लागू दरों पर ब्याज सहित करें। उक्त नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिन, आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क आदि भुगतान और/या वसूली की तारीख तक।

क्रं.	ऋणी (ओं) के नाम/ कानूनी वारिस (ओं) एवं कानूनी प्रतिनिधि (यों)	बकाया राशि*	मांग सूचना की दिनांक	आधिपत्य दिनांक	अचल संपत्ति (यों) का विवरण
01.	**श्री भेंसले अयोध्या प्रसाद,** प्लॉट नं. ए-7, लक्ष्मी नगर, प.ह. 2, रो हाउस, स.क्र., खसरा नं. 1097/10, प.ह.नं. 19/22, ग्राम रिसाली, दुर्ग छ.ग.– 491001. **श्री भेंसले अयोध्या प्रसाद,** क्वार्टर नंबर एलआईजी–62, मंडल कॉलोनी, तहसील कार्यालय के पीछे, बलौदा बाजार, रायपुर छ.ग.–495559. **श्री भेंसले अयोध्या प्रसाद,** छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, रायपुर–बलौदा बाजार, कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ओ एवं एम संभाग, अनुविभाग कार्यालय, बलौदा बाजार, रायपुर छ.ग.–495559. **श्रीमती भेंसले सुशीला,** क्वार्टर नंबर एलआईजी–62, मंडल कॉलोनी, तहसील कार्यालय के पीछे, बलौदा बाजार, रायपुर छ.ग.–495559. **श्रीमती भेंसले सुशीला,** प्लॉट नं. ए-7, लक्ष्मी नगर, प.ह. 2, रो हाउस, स.क्र., खसरा नं. 1097/10, प.ह.नं. 19/22, ग्राम रिसाली, दुर्ग छ.ग.– 491001.	₹ 12,77,349/- दिनांक 31 जनवरी 25* तक	28-फरवरी-2025	09-सित.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग का प्लॉट क्रमांक ए/7, क्षेत्रफल–139.30 वर्ग मीटर खसरा नं. 1097/10 (भाग), लक्ष्मी नगर, फेस–2 (अंदर का भाग),प.ह.नं.–19/22, वार्ड–63, आरआईसी–दुर्ग–1, ग्राम–रिसाली, तहसील और जिला – दुर्ग, छत्तीसगढ़ में स्थित है। जिसकी **चौहद्दी :–** उत्तर– विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण– रोड, पूर्व बाय– प्लॉट क्रमांक ए/6, पश्चिम बाय– प्लॉट क्रमांक ए/8.
02.	**श्री पोर्ते नरेन्द्र कुमार,** एन.आई.जी–डुप्लेक्स–348, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बोरसी, दुर्ग छ.ग. 491001. **श्री पोर्ते नरेंद्र कुमार,** एप्सडेली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, एकता टॉवर, सर्कस ग्राउंड के पास, सुपेला, मोतीलाल नेहरू नगर, भिलाई छ.ग. 490020.	₹ 15,37,506/- दिनांक 31 मार्च 2025* तक	05-मई-2025	09-सित.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग का घर जिसका क्षेत्रफल– 65.47 वर्ग मीटर (निर्मित क्षेत्र– 55.73 वर्ग मीटर, प्रथम तल– 13.20 वर्ग मीटर) एमआईजी–डुप्लेक्स–348, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, स.क्र., हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बोरसी, दुर्ग छ.ग.
03.	**श्री खान मोहम्मद जावेद,** एलआईजी 383 द्वितीय तल, पं. दीन दयाल आवास योजना, स.क्र., हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, जुनवानी, भिलाई, छ.ग.–490023. **श्री खान मोहम्मद जावेद,** मकान नं. 1945, दूसरी मंजिल, राइट टाउन, जबलपुर–सदर, मध्य प्रदेश, पिन – 481300 – भारत। **श्री खान मोहम्मद जावेद,** श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस लिमिटेड, 1380, नेपियर टाउन, साई के बगल में, सदन ग्लास हॉस्टल होम, साइंस कॉलेज रोड सिटी, जबलपुर म.प्र. – 482001. **श्री खान मोहम्मद जावेद,** 101 अशरफी रोड, फरीद नगर, सुपेला, भिलाई – छ.ग., पिन – 490023. **श्रीमती बेगम नज़मा,** एलआईजी 383 द्वितीय तल, पं. दीन दयाल आवास योजना, स.क्र., हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, जुनवानी, भिलाई, छ.ग.–490023. **श्रीमती बेगम नज़मा,** 101 अशरफी रोड, फरीद नगर, सुपेला, भिलाई – छ.ग., पिन – 490023.	₹ 4,33,440/- दिनांक 30 अप्रैल 25* तक	26-मई-2025	09-सित.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की फ्लैट, जिसका क्षेत्रफल– 45.26 वर्ग मीटर, खसरा नं. 326/1, 326/19, 326/17-23, 326/20, जुनवानी, दीन दयाल आवास योजना, 'छ.ग. गृह निर्माण मंडल' फ्लैट नंबर– एलआईजी–383, द्वितीय तल प.ह.नं.–, वार्ड 01, भिलाई नगर तहसील एवं जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ **चौहद्दी:**–उत्तर –विंग फ्लैट दक्षिण –विंग फ्लैट पूर्व –विंग फ्लैट पश्चिम–विंग फ्लैट।
04.	**श्रीमती मसीह हरिता शरद,** एमआईजी 42, पुष्प विहार, रविशंकर नगर, कोरबा – छत्तीसगढ़, पिन – 495677 – भारत। **श्रीमती मसीह हरिता शरद,** रियल प्रॉपर्टी जोन, दुकान नंबर 3, प्लॉट नंबर आरसी 2, रविशंकर श्री, शिव मंदिर के सामने, कोरबा सी.जी. – 495677. **श्री मसीह शरद एस,** एमआईजी 42, पुष्प विहार, रविशंकर नगर, कोरबा – छत्तीसगढ़, पिन – 495677 – भारत।	₹ 25,19,751/- दिनांक 30 जून 24* तक	27-जुलाई-2024	10-सित.-2025 (भौतिक कब्जा)	प्लॉट–31, वी.आई.पी. सिटी, सेक्टर 5–ए, स.क्र., प.ह.नं. 23, ग्राम परसुलीडीह, रायपुर, छ.ग.
05.	**श्री चौहान बिहारी लाल,** खसरा 20(भाग), प.ह.नं.–107/49, मौजा गुढ़ियारी, शिवानंद नगर, नेताजी कन्हैया लाल वार्ड–8, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492009. **श्री चौहान बिहारी लाल,** वार्ड नंबर 21, कैलाश नगर, बीरगांव, रायपुर, सिन्हा किराना स्टोर के पास, रायपुर, छत्तीसगढ़, पिन – 493221. **श्री चौहान बिहारी लाल,** माँ कुदरगढ़ी स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड, बजरंग मडालिक के पास, सरोरा, रायपुर छ.ग. – 493221 **श्रीमती चौहान लता,** खसरा 20(भाग), प.ह.नं.–107/49, मौजा गुढ़ियारी, शिवानंद नगर, नेताजी कन्हैया लाल वार्ड–8, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492009. **श्रीमती चौहान लता,** वार्ड नंबर 21, कैलाश नगर, बीरगांव, सिन्हा किराना स्टोर के पास, रायपुर, छत्तीसगढ़, पिन – 493221.	₹ 15,40,115/- दिनांक 31 मार्च 2025* तक	05-मई-2025	10-सित.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त एवं आंशिक भाग वाली संपत्ति जिसका खसरा 20(भाग), प.ह.नं.–107/49, मौजा गुढ़ियारी, शिवानंद नगर, नेताजी कन्हैया लाल वार्ड–8, रायपुर छत्तीसगढ़।
06.	**श्री देवांगन डोमन लाल,** खसरा नया 595/64, पुराना 595/6(भाग), मकान प.ह. 57, मौजा–रायपुरा, कुम्हार पारा, माधवराव सप्रे वार्ड–69, गणेश नगर, दुर्गा मंदिर के पास, रायपुर, छ.ग. 492013. **श्री देवांगन डोमन लाल,** ब्लॉक नंबर– ए, महादेव घाट रोड, केआरसी टॉवर के पीछे, रायपुरा, ओम हॉस्पिटल के पास, रायपुर, छत्तीसगढ़, पिन – 492013. **श्री देवांगन डोमन लाल,** मेसर्स डी.एस. सर्विस, ब्लॉक नंबर–ए, केआरसी टॉवर के पीछे, महादेव घाट रोड, रायपुरा, रायपुर छ.ग.– 492013. **श्रीमती देवांगन अंजू,** खसरा नया 595/64, पुराना 595/6(भाग), मकान प.ह. 57, मौजा–रायपुरा, कुम्हार पारा, माधवराव सप्रे वार्ड–69, गणेश नगर, दुर्गा मंदिर के पास, रायपुर, छ.ग. 492013. **श्रीमती देवांगन अंजू,** ब्लॉक नंबर– ए, महादेव घाट रोड, केआरसी टॉवर के पीछे, रायपुरा, ओम अस्पताल के पास, रायपुर, छत्तीसगढ़, पिन – 492013.	₹ 38,39,960/- दिनांक 31 मार्च 2025* तक	05-मई-2025	10-सित.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त एवं आंशिक भाग का मकान जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग फीट है (जी.एफ– 850 वर्ग फीट एफ.एफ– 1000 वर्ग फीट) खसरा नया 595/64, पुराना 595/6 (भाग), मकान प.ह. 57, मौजा रायपुरा, कुंभार पारा, माधवराव सप्रे वार्ड–69, गणेश नगर, दुर्गा मंदिर के पास, रायपुर छ.ग.
07.	**श्री ब्रजेन्द्र कुमार पाठक,** फ्लैट–ए–1/9–ए–108, फ्लोर–1, लोटस टावर, ब्लॉक ए, स.क्र., खसरा.नं. 326/1, 17, 19, 23, 20, प.ह.नं. 105, ग्राम– मठपुरैना, रायपुर छ.ग.–492001. **श्री ब्रजेन्द्र कुमार पाठक,** द्वारा–एम अलागेसन, नंबर 32, चिनराज नगर, करायनचावडी, अय्यप्पनथंगल, एस पी महिला छात्रावास के पास, पूनामल्ली, पूनामल्ली –चेन्नई, तमिलनाडु, पिन – 600056. **श्री ब्रजेन्द्र कुमार पाठक,** पिता श्री गंगा प्रसाद पाठक, हिंदी हाई स्कूल के पास, शास्त्री नगर, सरशातली हीरापुर, बर्दवान, पश्चिम बंगाल– 713055. **श्री ब्रजेंद्र कुमार पाठक,** महानिदेशालय केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, चेन्नई, 77 बीएन सीआरपीएफ उप जेल परिसर, करायंचवडी, पूनामल्ले – चेन्नई – 600056. **श्रीमती मिश्रा विभा,** फ्लैट नंबर –1/91वीं मंजिल, लोटस टॉवर, ढेबर सिटी भाठागांव, रायपुर छत्तीसगढ़, पिन – 492001– भारत।	₹ 16,35,423/- दिनांक 30 अप्रैल 2025* तक	26-मई-2025	10-सित.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त एवं आंशिक भाग की रिहायशी फ्लैट क्षेत्रफल– उप–820 वर्ग फीट, बिल्टअप एरिया–800 वर्ग फीट, प्रथम तल, फ्लैट–ए–1/9–ए–108, तल–1 लोटस टॉवर कॉम्प्लेक्स, ढेबर सिटी, ब्लॉक प.ह.नं. 105/47, खसरा नं. 326/1, 326/19, 326/17-23, 326/20, वार्ड नं. 61 महंत लक्ष्मी नारायण दास वार्ड, ग्राम– मठपुरैना, रायपुर छ.ग., **चौहद्दी**:– (बिक्री विलेख के अनुसार) उत्तर– फ्लैट नं. ए–1/10 दक्षिण– खुला स्थान पूर्व– लॉबी, सीढ़ियां और रास्ता पश्चिम– खुला स्थान।
08.	**श्री देवांगन ईश्वर,** मकान ख.नं. 548/6, खसरा नंबर 548/6, प.ह.नं. 33 टिकरापारा वार्ड क्रमांक 33, धमतरी, छत्तीसगढ़ 493773. **श्री देवांगन ईश्वर,** 192, हटकेश्वर स्कूल पारा, वार्ड 01, धमतरी, छत्तीसगढ़ 493773. **श्री देवांगन ईश्वर,** मै. श्री बालाजी डिजिटल इमेजिंग प्रेस, सुंदरगंज वार्ड, स्टेशन रोड, धमतरी छत्तीसगढ़ 493773. **श्रीमती देवांगन पूर्णिमा,** मकान ख.नं. 548/6, खसरा नंबर 548/6, प.ह.नं. 33 टिकरापारा वार्ड क्रमांक 33, धमतरी, छत्तीसगढ़ 493773. **श्रीमती देवांगन पूर्णिमा,** 192, हटकेश्वर स्कूल पारा, वार्ड 01, धमतरी, छत्तीसगढ़ 493773. **श्रीमती देवांगन पूर्णिमा,** मेसर्स. शालीमार बुक डिपो एण्ड कम्प्यूटर्स, हटेशकर वार्ड 01, धमतरी छत्तीसगढ़ 493773.	₹ 36,39,823/- दिनांक 30 सितं. 2024* तक	05-नवंबर 24	12-सित.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त एवं आंशिक भाग की परिवर्तित संपत्ति जिसका क्षेत्रफल 1230 वर्ग फीट, निर्माण भूतल– 737 वर्ग फीट, प्रथम तल– 737 वर्ग फीट, खसरा न. 548/6, स्थित–धमतरी, टिकरापारा वार्ड, प.ह.नं.–33, आरआईसी–धमतरी, वार्ड क्रमांक 33, तहसील और जिला– धमतरी छत्तीसगढ़ **चौहद्दी**:–उत्तर–गोस्वामी का घर, दक्षिण–चंद्रमणि वाल्टर का घर, पूर्व–रविंदर सिंह की भूमि, पश्चिम–सड़क.
09.	**श्री खोसला नमन,** बंगला–बी–135, स्वर्णभूमि, स.क्र., क्वा.नं. 61 से 69, 71 से 84, 86 से 95,201 का भाग; क्वा.नं. 157/4 का भाग, 233 से 237, 293 से 317, 320, ग्राम–कचना, ग्राम–आमासिवनी, रायपुर, छ.ग. 492001. **श्री खोसला नमन,** एफ–3 स्टील सिटी, अवंती विहार, गायत्री नगर के पास, तेलीबांधा रविग्राम, रायपुर, छ.ग. 492001. **श्री खोसला नमन,** साई फीड ट्रेडर्स, गौरव पथ, तेलीबांधा, रायपुर – 492001. **श्री खोसला वीरेंद्र,** बंगला–बी–135, स्वर्णभूमि, स.क्र., क्वा.नं. 61 से 69, 71 से 84, 86 से 95,201 का भाग; क्वा.नं. 157/4 का भाग, 233 से 237, 293 से 317, 320, ग्राम–कचना, ग्राम–आमासिवनी, रायपुर, छ.ग. 492001. **श्री खोसला वीरेंद्र,** एफ–3 स्टील सिटी, अवंती विहार, गायत्री नगर के पास, तेलीबांधा रविग्राम, रायपुर, छ.ग. 492001. **श्री खोसला वीरेंद्र,** साई फीड ट्रेडर्स, गौरव पथ, तेलीबांधा, रायपुर – 492001. **श्रीमती खोसला करिश्मा,** बंगला–बी–135, स्वर्णभूमि, स.क्र., क्वा.नं. 61 से 69, 71 से 84, 86 से 95,201 का भाग; क्वा.नं. 157/4 का भाग, 233 से 237, 293 से 317, 320, ग्राम–कचना, ग्राम–आमासिवनी, रायपुर, छ.ग. 492001. **श्रीमती खोसला करिश्मा,** एफ–3 स्टील सिटी, अवंती विहार, गायत्री नगर के पास, तेलीबांधा रविग्राम, रायपुर, छ.ग. 492001. **श्रीमती खोसला नीलू,** बंगला–बी–135, स्वर्णभूमि, स.क्र., क्वा.नं. 61 से 69, 71 से 84, 86 से 95,201 का भाग; क्वा.नं. 157/4 का भाग, 233 से 237, 293 से 317, 320, ग्राम–कचना, ग्राम–आमासिवनी, रायपुर, छ.ग. 492001. **श्रीमती खोसला नीलू,** एफ–3 स्टील सिटी, अवंती विहार, गायत्री नगर के पास, तेलीबांधा रविग्राम, रायपुर, छ.ग. 492001.	₹ 1,18,19,887/- दिनांक 30 अप्रैल 2025* तक	26-मई-2025	10-सित.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाला प्लॉट नंबर बी–135 क्षेत्रफल– 2131 वर्ग फीट, खसरा नं. 296-300 / 1 भाग, आमासिवनी, 'स्वर्ण भूमि' प.ह.नं.–110/42, वार्ड 26, कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड तहसील एवं जिला रायपुर छत्तीसगढ़ **चौहद्दी:**–उत्तर – भूमि संख्या बी–134, दक्षिण– भूमि संख्या बी–136, पूर्व –भूमि संख्या– डी–110 पश्चिम– सड़क।

*भुगतान और/या वसूली की तारीख तक लागू अतिरिक्त ब्याज, आकस्मिक व्यय, लागत, शुल्क आदि के साथ।

हालाँकि, चूँकि ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि देय राशि चुकाने में विफल रहे हैं, इसलिए ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों को विशेष रूप से और सामान्य रूप से जनता को नोटिस दिया जाता है कि एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारियों ने धारा 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऊपर वर्णित अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति(यों) पर कब्ज़ा कर लिया है। उक्त अधिनियम ऊपर उल्लेखित तिथियों पर उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पढ़ा जाता है।

विशेष रूप से ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि और सामान्य रूप से जनता को आगाह किया जाता है कि वे उपरोक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ लेनदेन न करें और उक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ कोई भी लेनदेन एचडीएफसी के बंधक के अधीन होगा।

उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा 8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

निकाले गए पंचनामा और बनाई गई सूची की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे सामान्य कार्यालय समय के दौरान किसी भी कार्य दिवस पर अधोहस्ताक्षरी से संबंधित प्रति प्राप्त करें।

स्थान–दुर्ग, रायपुर, धमतरी
दिनांक : 14.09.2025

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड के लिए वास्ते
प्राधिकृत अधिकारी

रजिस्टर्ड ऑफिस : एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापती बापत मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013

ASA

आईएसएसएफ विश्व कपः ईशा ने किया भारत के पदकों का सूखा खत्म, जीता गोल्ड

निंगबो। ओलंपियन और मौजूदा मिश्रित टीम पिस्टल विश्व चैंपियन ईशा सिंह ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के पदकों के सूखे को खत्म किया। निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में 20 वर्षीय ईशा ने एक रोमांचक फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी याओ कियानक्सुन को 0.1 अंक से हराया। दक्षिण कोरिया की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ओह येजिन ने कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में यह ईशा का पहला विश्व कप स्वर्ण पदक है और इसने भारत को पदक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंचने में मदद की। भारत के साथ चार और देश एक स्वर्ण पदक के साथ तालिका में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। मेजबान चीन दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है। भारत ने इस टूर्नामेंट में हर स्पर्धा में अपने चौथे से छठे क्रम के निशानेबाजों को उतारा है।

महिला एशिया कप हॉकी : फाइनल में टीम इंडिया, चीन से सामना आज

हांगझोउ। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को महिला एशिया कप के अपने आखिरी सुपर चार मैच में जापान के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के बावजूद फाइनल में जगह बना ली, जिसमें उसका सामना मेजबान चीन से होगा। चीन ने अपने अंतिम सुपर चार मैच में कोरिया को 1-0 से हराया, जिससे भारतीय टीम रविवार को होने वाले फाइनल में पहुंच गई।

फाइनल जीतने वाली टीम अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लेगी। भारत ने शुरुआती बढ़त गंवाकर गत चैंपियन जापान से ड्रॉ खेला जिससे उसे कोरिया और चीन के बीच मैच के नतीजे का इंतजार करना पड़ा। चीन ने पहले ही फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया था। कोरिया को फाइनल में जगह बनाने के लिए दो गोल के अंतर से जीत की दरकार थी लेकिन चीन की जीत ने 2022 चरण में तीसरे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम का फाइनल में स्थान सुनिश्चित किया।

चैंपियन बनने से दो कदम दूर भारत की बेटियां

पंच का दम, फाइनल में पहुंची जैस्मिन और नूपुर

लीवरपूल। भारतीय मुक्केबाज जैस्मिन लाम्बोरिया और नूपुर श्योरण विश्व चैंपियन बनने से अब महज एक कदम दूर हैं। दोनों ने सेमीफाइनल में धमाकेदार जीत हासिल करके फाइनल में जगह बना ली है। लीवरपूल में चल रही विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत के महान मुक्केबाज हवा सिंह की पोती जैस्मिन ने 57 किग्रा वेट कैटेगरी और नूपुर ने 80 किग्रा से अधिक वेट कैटेगरी में जीत हासिल की। जैस्मिन ने वेनेजुएला की ओमेलिन कैरोलिना अल्काला को 5-0 से हराया। वहीं नूपुर ने तुर्की की दुज़्तास सेयमा को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दोनों ने रिंग में अपने पंच का दम दिखाया।

■ भारत के चार मेडल पक्के

इन दोनों के अलावा मीनाक्षी ने भी सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत का चौथा मेडल पक्का कर दिया है। उन्होंने 48 किग्रा वेट कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड की एलिस पंफ्री को सर्वसम्मत फैसले में हराया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला मंगोलिया की लुत्सैखानी अल्तांत्सेत्सेग से होगा।

पूजा रानी बनाई सेमीफाइनल में जगह

जैस्मिन, नूपुर और मीनाक्षी के अलावा पूजा रानी भी भारत के लिए एक मेडल पक्का कर चुकी हैं। पूजा ने 80 किग्रा वेट कैटेगरी के सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं इससे पहले भारत की स्टार मुक्केबाज निकहत जरीन हार के साथ ही चैंपियनशिप से बाहर हो गईं। क्वार्टरफाइनल में निकहत को तुर्की की बुसे नाज काकिरोग्ल के हाथों 0-5 से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

1,500 करोड़ की कीमत पर नीलाम हो सकता है कला संग्रह, खासियत से भरपूर

सभी कला प्रेमियों को महान पेंटर और कलाकारों की रचनाओं को संग्रहित करने का शौक होता है। इसके लिए वे तमाम नीलामियों में जाते हैं और लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करते हैं। यही कारण है कि नीलामीघर भी पेंटिंग आदि को अक्सर नीलाम करते रहते हैं। अब क्रिस्टीज नामक नीलामीघर के हाथ एक ऐसा सौदा लगा है, जो 1,500 करोड़ रुपये की कमाई करवा सकता है। दरअसल, यह नीलामीघर एक खास कला संग्रह की नीलामी का आयोजन करने वाला है।

नवंबर में होगा इस नीलामी का आयोजन

क्रिस्टीज ने शनिवार को इस बात कि आधिकारिक घोषणा की थी। उनके मुताबिक, इस साल के नवंबर में रॉबर्ट एफ वीज और पेट्रीसिया जी रॉस वीज का कला संग्रह नीलाम किया जाएगा। इसे 'वीज संग्रह' नाम दिया गया है, जिसमें 80 पेंटिंग शामिल हैं। इसमें पाब्लो पिकासो, हेनरी मैटिस, पीट मोंड्रियन और मार्क रोथको जैसे पेंटरों की पेंटिंग नीलाम की जाएंगी। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस संग्रह की कुल कीमत 1,500 करोड़ से ज्यादा लग सकती है।

बहुत निजी था यह लाजवाब संग्रह

क्रिस्टीज के उपाध्यक्ष मैक्स कार्टर ने बताया कि यह संग्रह बहुत निजी था, जिसके बारे में लोग जानते तक नहीं थे। इस दंपति ने अपना संग्रह कभी संग्रहालयों को उधार नहीं दिया और कला जगत में अपनी पहचान कम ही रखी। 7 दशकों तक उन्होंने अपना संग्रह सनबरी के साधारण घर में छिपाकर रखा था। 2015 में रॉबर्ट का और 2024 में पेट्रीसिया का देहांत हो गया था। इसके बाद उनके 3 बच्चे इस संग्रह को नीलाम करवा रहे हैं।

पत्थरों में छुपा था 22 करोड़ साल पुराना रहस्य, प्राचीन धरती के राज से उठा पर्दा

नई दिल्ली। पत्थरों की गहराइयों से एक ऐसा राज सामने आया जिसने वैज्ञानिकों को भी चौंका दिया। 22 करोड़ साल पुराना यह रहस्य प्राचीन धरती की अनकही कहानी बयां करता है. ।खोज के बाद से वैज्ञानिकों के बीच हलचल तेज हो गई। जापान में एक 22 करोड़ साल पुराना इचथ्योसॉर का जीवाश्म मिला है, जो समुद्री डायनासोर जैसा जीव था। ये मछली और डॉल्फिन जैसा दिखता था और डायनासोर के जमाने में समुद्र में तैरता था। ओकायामा के ताकाहाशी शहर में मिला ये जीवाश्म पश्चिमी जापान का पहला इचथ्योसॉर फॉसिल है। वैज्ञानिक इसे देखकर हैरान हैं।

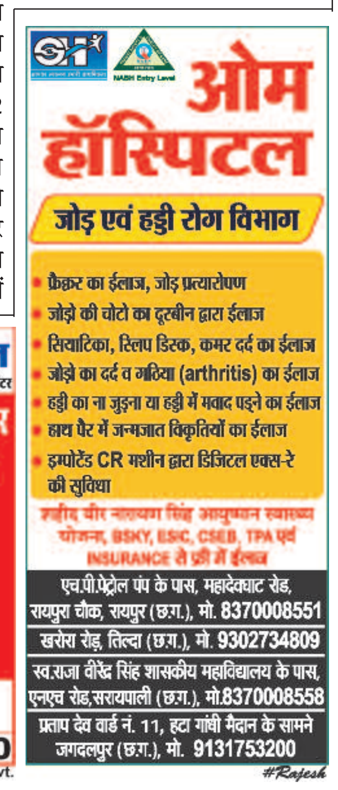

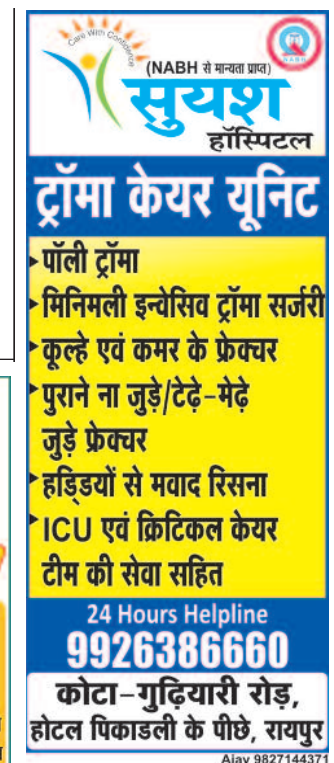

'द कॉन्ज्यूरिंग' फिल्म को प्रेरित करने वाला घर जल्द ही होगा नीलाम

नई दिल्ली। हॉलीवुड की मशहूर डरावनी फिल्म 'द कॉन्ज्यूरिंग' का आखरी पार्ट बड़े पर्दे पर धमाल मचा रहा है। इस फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और अब तक इसके 4 पार्ट आ चुके हैं। अगर आप भी हॉरर फिल्मों के शौकीन हैं तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। दरअसल, जिस घर पर कॉन्ज्यूरिंग फिल्म आधारित है, उसे जल्द ही नीलाम किया जाएगा। जी हां, यह वही घर है, जिसने इस फिल्म की कहानी को प्रेरित किया था। यह घर रोड आइलैंड के बुरिलविले की 1677 राउंड टॉप रोड पर स्थित है और 3,000 वर्ग तक फैला है। इसे दुनियाभर के लोग 'द कॉन्ज्यूरिंग हाउस' के नाम से जानते हैं और भूतिया मानते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com